शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्र से राज्य को 3,705 करोड़ रुपये का कर जारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-272

एनसीआरबी की हाथी चाल : 2025 के अंत में आई 2023 की रिपोर्ट

बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़े, 17,000 लड़कियां अगवा हुईं

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों में पिछले वर्षों की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 2022 की तुलना में 2023 में ऐसे मामलों में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल 1,77,335 मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 1,62,449 और 2021 में 1,49,404 थी।

बाल विवाह के दर्ज मामलों की संख्या 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना बढ़ी है। इसमें अकेले असम में कुल मामलों का लगभग 90 प्रतिशत दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हालिया आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक, साल 2023 में 16,737 लड़कियों और 129 लड़कों को जबरन शादी के लिए अगवा किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2023 में इस अधिनियम के तहत 6,038 मामले दर्ज किए गए, जो कि 2022 में 1,002 मामलों और 2021 में 1,050 मामलों की तुलना में काफी अधिक हैं। इनमें असम ने 5,267 मामले दर्ज किए, इसके चलते यह राज्य सबसे अधिक मामलों वाला राज्य बना। इस सूची में अन्य अधिक संख्या वाले राज्यों में तमिलनाडु (174), कर्नाटक (145) और पश्चिम बंगाल (118) शामिल हैं। कई राज्य और केंद्रीय राज्य जैसे छत्तीसगढ़, नगालैंड, लद्दाख और लक्षद्वीप में इस दौरान कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

2005 की तुलना में बच्चों के खिलाफ अपराध का आंकड़ा करीब दस गुना ज्यादा है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। राज्यों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 22,393 मामले दर्ज हुए, इसके ठीक बाद महाराष्ट्र में 22,390 मामले सामने आए। उत्तर प्रदेश ने 18,852, राजस्थान ने 10,577 और असम ने 10,174 मामलों की रिपोर्ट की। यह आंकड़े साफ तौर पर दिखाते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और कुछ राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक है।

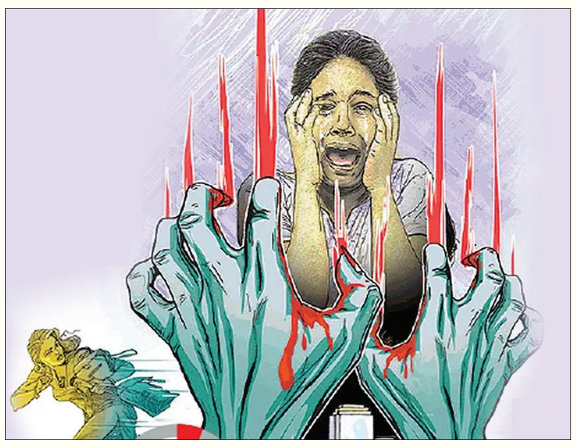

एक वर्ष में पॉक्सो के तहत दर्ज हुए 66 हजार मामले

जबरन बाल विवाह की घटनाओं में हुई बेतहाशा वृद्धि

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ हत्या के प्रयास से जुड़े कुल 290 मामले दर्ज किए गए, जिनमें पीड़ितों की संख्या 337 रही। इस आधार पर अपराध दर 0.1 प्रति लाख आबादी रही। इसी तरह, उजागर करने और परित्याग से जुड़े मामलों की संख्या 653 रही, जिनमें 664 बच्चे पीड़ित बने। इन मामलों की भी अपराध दर 0.1 प्रति लाख आबादी दर्ज की गई। साल 2023 में बच्चों के अपहरण और किडनैपिंग से जुड़े कुल 79,884 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 82,106 बच्चे पीड़ित बने। इन अपराधों की दर 18.0 प्रति लाख आबादी रही। ये सभी मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363, 363-, 364, 364-, 365, 366, 366-, 367, 368 और 369 के तहत दर्ज हुए।

राज्यवार आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र इस सूची में सबसे आगे रहा, जहां 12,089 मामले और 12,971 पीड़ित सामने आए। इसके बाद मध्य प्रदेश में 9,833 मामले और 9,900 पीड़ित, ओडिशा में 5,905 मामले और 5,906 पीड़ित, राजस्थान में 4,441 मामले और 4,465 पीड़ित तथा कर्नाटक में 3,228 मामले और 3,292 पीड़ित दर्ज किए गए। एनसीआरबी के आंकड़े उन राज्यों को दर्शाते हैं जहां बाल अपहरण और व्यपहरण के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं।

साल 2023 में बच्चों से जुड़े गंभीर अपराधों के आंकड़े भी सामने आए। बाल तस्करी के कुल 397 मामले दर्ज हुए, जिनमें 1,425 बच्चे पीड़ित थे। वहीं, बच्चों से बलात्कार के 849 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 852 पीड़ित शामिल थे। अगर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दर्ज सभी अपराधों को देखें तो साल 2023 में बच्चों के खिलाफ कुल 98,399 मामले और 1,05,094 पीड़ित दर्ज किए गए। साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामले सबसे ज्यादा कुछ चुनिंदा राज्यों में दर्ज हुए। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 15,840 मामले दर्ज हुए और 16,546 बच्चे पीड़ित बने। इसके बाद महाराष्ट्र में 13,461 मामले और 14,473 पीड़ित, उत्तर प्रदेश में 10,089 मामले और 10,335 पीड़ित, बिहार में 7,018 मामले ▶10 पर

वायुसेना दिवस पर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का बेबाक बयान

ऑपरेशन सिंदूर में हमने गिराए पाकिस्तान के 10 विमान

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने पाकिस्तान के सफेद झूठ का पर्दाफाश करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के हवाई हमलों में पाकिस्तान के चार से पांच लड़ाकू विमान तबाह हुए। इनमें पाकिस्तान के अत्याधुनिक एफ-16 लड़ाकू विमान भी शामिल थे। 93वें वायुसेना दिवस पर बोलते हुए एयर चीफ मार्शल ने पाकिस्तान के दावों को मनोहर कहानियां बताया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बनाया और उनके रडार, कमांड सेंटर, हैंगर आदि को ध्वस्त किया। वायुसेना प्रमुख ने कहा, हमारे पास सबूत हैं कि पाकिस्तान का एक सी-130 श्रेणी का विमान, उसके कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-16 शामिल हैं और एसएएम सिस्टम को भी तबाह किया गया।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा, हमारी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को उनके अपने क्षेत्र में भी उड़ने नहीं दिया था। यह इतिहास में दर्ज हुआ कि हमने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर भीतर तक हमला किया। इसके चलते पाकिस्तान कोई हिमाकत नहीं कर सका। वायुसेना प्रमुख बोले, हम देख रहे हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है। दो युद्ध चल रहे हैं और हाल-फिलहाल उनके खत्म होने की कोई चर्चा नहीं है, लेकिन हमने पाकिस्तान को उस स्थिति में पहुंचा दिया, जहां वह संघर्ष

हमने न तो अमेरिकी एफ-16 को बख्शा न चीनी जेएफ-17 को

विश्व के नक्शे में रहना है तो आतंकवाद रोकें: जनरल द्विवेदी

विराम के लिए गिड़गिड़ाए और हमले रोकने की मांग करे। हमने एक राष्ट्र के तौर पर फैसला करते हुए हमले रोके क्योंकि हम जो चाहते थे, हम वो कर चुके थे। मुझे लगता है कि ये कुछ ऐसा है, जो दुनिया को हमसे सीखना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुए नुकसान की जानकारी देते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जहां तक ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुए नुकसान की बात है, हमने उनके कई एयरफील्ड और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमारे हमलों के चलते उनके कम से कम चार रडार्स, दो कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे, तीन अलग-अलग जगहों पर स्थित उनके हैंगर्स को नुकसान पहुंचाया। हमारे पास सबूत हैं कि उनका एक सी-130 श्रेणी का विमान, कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-16 शामिल हैं, इनके साथ ही एक एसएएम सिस्टम को भी तबाह किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस के तीन हैंगर पर भी अटैक किया था, जिसमें उसके करीब 4 से 5 एयरक्राफ्ट तबाह हो गए। इसमें अमेरिका निर्मित एफ-16 और चीन निर्मित जेएफ-17 शामिल हैं।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि जमीन पर 4 से 5 ऋ-16 लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए गए क्योंकि भारत ने रडार सिस्टम, कमांड और नियंत्रण केंद्रों, रनवे और हैंगरों पर सटीक हमले किए। उन्होंने यह भी कहा कि लड़ाकू विमानों के अलावा जमीन पर ध्वस्त किए गए लक्ष्यों में चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड और नियंत्रण केंद्र, दो रनवे, तीन हैंगर और एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (ड-च्) प्रणाली शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस से खरीदे गए एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के हर हवाई हमले को नाकाम कर दिया था। जब इसे लेकर सवाल किया गया तो वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जाहिर है, इसने अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए, ऐसे और अधिक सिस्टम की जरूरत है। ये कितनी संख्या में खरीदे जा सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं है। यह एक अच्छी हथियार प्रणाली साबित हुई है। हमारी अपनी प्रणाली भी विकसित हो रही है, इसलिए हम इस पर हर तरह से विचार करेंगे।

उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के बारे में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, जहां तक मैं समझता हूं, यह इसी दशक में उड़ान भरेगा। करीब 2028 में इसकी पहली उड़ान की योजना है और 2035 तक, इसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाना है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि अगर हम वास्तव में चाहें, तो इसे समय-सीमा से पहले हासिल किया जा सकता है। यह संभव है। और जहां तक तकनीक का सवाल है, एएमसीए तकनीक हमारे दिमाग में बिल्कुल स्पष्ट है कि हमें क्या चाहिए और क्या जरूरी है ▶10 पर

पीओजेके में बर्बर अत्याचार पर भारत की तीखी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान मानवाधिकार हनन का अपराधी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाकिस्तानी सेना द्वारा स्थानीय लोगों पर किए जा रहे बर्बर अत्याचार पर भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार की नाराजगी जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान लगातार मानवाधिकारों का उल्लंघन करता जा रहा है और उस पर विश्व के देश चुप्पी साधे बैठे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान को मानवाधिकार के बर्बर उल्लंघनों के लिए आपराधिक तौर पर जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सेना के बर्बर अत्याचार के खिलाफ पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना स्थानीय लोगों का विरोध दबाने के लिए उन लोगों पर भीषण अत्याचार कर रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों और निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तानी सेना की बर्बर कार्रवाइयों को देख रहे हैं। यह पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों से संसाधनों की व्यवस्थित लूट का स्वाभाविक परिणाम है। इस क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों पर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से जबरन कब्जा जमा रखा है। पाकिस्तान को उसके भयावह मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पीओजेके पर पाकिस्तान का कब्जा गैरकानूनी है

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान का दमनकारी रवैया और अवैध कब्जा ही इन हालात की जड़ है। पीओके के कई इलाकों से विरोध प्रदर्शनों और आम नागरिकों पर पाकिस्तानी फौज की ज्यादती की जो लगातार खबरें आ रही हैं, यह सब पाकिस्तान की नीतियों का नतीजा है, जहां वह स्थानीय संसाधनों का शोषण करता है और जनता पर अत्याचार करता है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ-साफ कहा कि पीओजेके पर पाकिस्तान का कब्जा पूरी तरह जबरन और गैरकानूनी है और वहां लोगों की आवाज को दबाने की उसकी कोशिश दुनिया के सामने उजागर हो रही है। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हो रहे प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार के कारण अब तक दर्जनों लोगों की मौत की खबर है। इसे भारत सरकार ने पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों के संसाधनों की संगठित लूट का स्वाभाविक नतीजा बताया है।

वहीं कनाडा के साथ सुरक्षा सहयोग को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने 18 सितंबर को कनाडा की नेशनल सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस एडवाइजर नथाली ड्रूइन से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और खुफिया सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक काफी सकारात्मक रही और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनी। ▶10 पर

62 हजार करोड़ की युवा-केंद्रित योजनाएं शुरू होंगी आज

प्रधानमंत्री मोदी देंगे 5 लाख स्नातकों को भत्ता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 4 अक्टूबर को दिल्ली के विज्ञान भवन में युवाओं के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत करेंगे। इन योजनाओं पर 62,000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे, जिससे देश भर में शिक्षा, कौशल (स्किल) और बिजनेस को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर चौथा राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह भी होगा। इसमें देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 46 टॉपर्स को सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री 60,000 करोड़ रुपए की पीएम-सेतु योजना भी शुरू करेंगे। इस योजना से 1000 सरकारी आईटीआई को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा। इसमें 200 हब और 800 स्पोक आईटीआई होंगे। हर हब आईटीआई करीब 4 स्पोक से जुड़ेगा। इन संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं, डिजिटल पढ़ाई, नई तकनीकी ट्रेनिंग और इनक्यूबेशन सेंटर मिलेंगे। इन संस्थानों को बड़ी इंडस्ट्री पार्टनर्स चलाएंगी, ताकि युवाओं को बाजार की जरूरत के हिसाब से कौशल मिल सके। पहले चरण में पटना और दरभंगा के आईटीआई पर खास ध्यान दिया जाएगा। ▶10 पर

उड्डयन उद्योग के क्षेत्र में बड़ी साझेदारी की घोषणा

टाटा और एयरबस मिलकर बनाएंगे हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के निजी क्षेत्र में पहली बार हेलीकॉप्टर निर्माण का बड़ा कदम उठाया जा रहा है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) कर्नाटक के वेमगल में एयरबस के साथ साझेदारी में एच125 हेलीकॉप्टर बनाने के लिए फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) स्थापित करेगी। यह परियोजना न सिर्फ भारत की नागरिक उड्डयन उद्योग (सिविल एविएशन इंडस्ट्री) को नई दिशा देगी बल्कि सशस्त्र सुरक्षा बलों की जरूरतों को भी पूरा करेगी। खासकर हिमालय की ऊंचाइयों पर तैनाती के लिए भारतीय सेना को हल्के, बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

सेना के लिए भी बनेंगे एच125एम हेलीकॉप्टर

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का कहना है कि कंपनी हेलीकॉप्टर के निर्माण से लेकर असेंबली, इंटीग्रेशन और अंतिम उड़ान परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया भारत में करेगी। पहले मेक इन इंडिया एच125 हेलीकॉप्टर की डिलीवरी 2027 की शुरुआत में होने की उम्मीद है। यह हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, आपदा राहत, पर्यटन, कानून-व्यवस्था और यात्री परिवहन जैसे क्षेत्रों में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

एयरबस इंडिया एंड साउथ एशिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए आदर्श देश है। मेक इन इंडिया हेलीकॉप्टर राष्ट्र-निर्माण में अहम योगदान देगा और दक्षिण एशिया में नए बाज़ार खोलेगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के एमडी और सीईओ सुकरन सिंह ने कहा, टाटा पहली निजी भारतीय कंपनी है जो हेलीकॉप्टर बनाएगी। यह हमारे लिए गर्व की बात है और इससे देश की सिविल और रक्षा आवश्यकताओं ▶10 पर

राहुल गांधी के भारत विरोधी बयान पर भाजपा का प्रहार

सत्ता छूटने की बदहवासी पीछा नहीं छोड़ रही: सुधांशु

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का देशविरोधी रवैया और चरित्र बरकरार है। राहुल गांधी ने दक्षिण अमेरिका में भी भारत के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी जारी रखी। राहुल गांधी ने विदेश की धरती पर कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। राहुल गांधी की मानसिक विकलांगता और बदहवासी दूर होने का नाम ही नहीं ले रही है। राहुल गांधी की लगातार जारी भारत विरोधी हरकतों पर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पिछले 36 घंटे में देश ने दो प्रकार के दृश्य देखे हैं। एक विगत 100 वर्षों के देश के लिए निरंतर समर्पित राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक उत्थान के लिए अपना प्रतिपल समर्पित करने वाले विश्व के सबसे बड़े संगठन आरएसएस का शताब्दि वर्ष का पूर्ण होना और उस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक ऐसा सिक्का जारी होना जिसमें संभवतः पहली बार भारत के किसी मुद्रा पर मां भारती का चित्र है। इन्हीं 24 घंटे में देश ने दूसरा दृश्य देखा कि 140 वर्ष पुरानी पार्टी, 100 वर्ष से जिस पर एक ही परिवार का वर्चस्व है उस पार्टी के पतन और सत्ता छूटने की बदहवासी ने उनके खानदान के बरखुरदार ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

एक शाम बालाजी के नाम 4.0 का भव्य आयोजन 9 नवंबर को

तैयारियां जोरो पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एफटीएस युवा, बेंगलुरु द्वारा एक शाम बालाजी के नाम 4.0 का भव्य आयोजन आगामी 9 नवंबर को बेंगलूरु के हृदय स्थल प्रिंसेस श्राइन पैलेस ग्राउंड में बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शहर के धार्मिक व सांस्कृतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। इस अवसर पर चंडीगढ़ के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय भजन गायक कन्हैया मित्तल अपनी 12 सदस्यीय टीम के साथ भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे।

युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने बताया कि कन्हैया के भजन श्रद्धालुओं को भक्ति और आनंद के अद्भुत संगम में ले जाते हैं और उनके कार्यक्रम की लोकप्रियता पूरे देश में है। एफटीएस युवा, बेंगलूरु टीम पिछले तीन सफल आयोजनों के बाद इस चौथे संस्करण को और भी ऐतिहासिक बनाने के लिए लगातार तैयारियों

में जुटी हुई है। युवा सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि इस बार आयोजन को और भव्य बनाने के लिए कई नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पूरे बेंगलूरु में कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं और समाजजनों में उत्साह का माहौल है।

हाल ही में इस आयोजन का पोस्टर वनबंधु परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी एवं कार्यकारी अध्यक्ष त्रिभुवनदास काबरा ने लांच किया। इस अवसर पर वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर से मुरारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल, रमेश अग्रवाला, बिमल सरावगी, हाथीमल बैद (अध्यक्ष, बेंगलूरु चैप्टर), वैभव गुप्ता (सचिव, बेंगलूरु चैप्टर), पूर्व युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल, युवा मेंटोर आशीष गुप्ता सहित बेंगलूरु चैप्टर, महिला समिति एवं युवा समिति की कार्यकारिणी एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के प्राइम प्रायोजक मुरारी लाल सरावगी (एमडी, प्राइड ग्रुप) एवं सुनील बजाज (एमडी, एवोन प्लास्ट) हैं। आयोजन की संचालन जिम्मेदारी संयोजक अमित सिंह, गौरव अग्रवाल एवं जयप्रकाश अग्रवाल को सौंपी गई है। इस अवसर पर युवा कार्यकारी अध्यक्ष पवन राजलीवाल ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए संपूर्ण टीम दिन-रात कार्य कर रही है और समाज से मिल रहे सहयोग ने सभी का उत्साह दोगुना कर दिया है। इसके साथ ही पूर्णाहुति प्रसाद के सहयोगी के रूप में घनश्याम गोयल (क्रिएशन) तथा श्याम बाबा श्रृंगार के सहयोगी के रूप में संजय बैद (गुरु पुनवाणी) विशेष सहयोग प्रदान कर रहे हैं। वहीं युवा कोषाध्यक्ष साकेत गर्ग ने बताया कि आयोजन के लिए समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सहयोग और योगदान इस भव्य संध्या को सफल बनाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम को लेकर एफटीएस युवा, बेंगलूरु ने कहा कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक संध्या नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और भक्ति भावना को और प्रगाढ़ करने का अवसर होगा। अनुमान है कि इस कार्यक्रम में बेंगलूरु सहित कर्नाटक और आस-पास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। युवा टीम से गणपत माली, अनिल कुमार, उत्तम बागरेचा, गौरव शर्मा, गौरव अग्रवाल, आरती अग्रवाल, दीपिका जैन, एकता अनंत, रचना डालमिया, आयुष अग्रवाला, अरुण शर्मा, प्रवीण गहलोत, शुभम लोहीया, प्रह्लाद जोशी, पुनीत गोयल, मृदुल अग्रवाल, मितेश खंडेलवाल, श्रीधर एवं जितेंद्र गुप्ता आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से जुटे हुए हैं।

अस्थिरता में स्थिरता विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा साध्वी श्री पुण्ययशा के सान्निध्य में अस्थिरता में स्थिरता विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ साध्वी जी के नमस्कार महामंत्र से हुआ। कन्या मंडल द्वारा मंगला-चरण किया गया। आगंतुक सभी का स्वागत मंत्री वंदना भंसाली ने किया। विषय प्रस्तुति छवि नौलखा ने दिया। कन्याओं द्वारा एक प्रेरक पॉडकास्ट की प्रस्तुति हुई। जिसमें लक्ष्मी अग्रवाल, हरमनप्रीत कौर और कल्पना चावला जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए धैर्य, साहस और शक्ति का संदेश दिया गया। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने अस्थिरता में स्थिरता विषय पर अपने मंगल उद्बोधन में कहा जीवन की राह कभी सीधी रेखा नहीं होती, यह उतार चढ़ाव, सफलताओं विफलताओं, हर्ष विषाद संघर्षों से सजी है। हर मोड़ पर कोई ना कोई चुनौती खड़ी मिलेगी, कभी पढ़ाई की, कभी करियर की, कभी रिश्तो की,

कभी आत्मविश्वास की। लेकिन सच्चा जीवन वही है जो चुनौतियों से घबराएं नहीं बल्कि उन्हें ललकारे। बहुत से लोग अपनी क्षमताओं को इसलिए नहीं पहचान पाते क्योंकि वह चुनौती पूर्ण स्थितियों से डर जाते हैं। जहां एक और तकनीकी विकास और डिजिटल संसाधनों ने पढ़ाई के नए-नए द्वार खोले है वहीं दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा, मानसिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएं उतनी ही तेजी से बड़ी है। अपने जीवन में किसी भी सफलता को अर्जित करने की पांच बुनियादी बातें हैं पॉजिटिव थिंकिंग, पॉजिटिव एटीट्यूड, सेल्फ कॉन्फिडेंस, वर्क प्लानिंग एवं हार्ड वर्किंग। साध्वी श्री वर्धमानयशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा जीवन में शांति क्यों जरूरी है? निर्णय लेने की क्षमता, रिश्तो में मिठास, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, असल क्षमता तक पहुंचना, काम बढ़ाने के लिए मल्टीटास्क न करे, एकाग्रता बढ़ाना, मिडब्रेन एक्टिवेशन, डिजिटल डिटॉक्स, जो हमारे हाथ में है वहीं करे। साध्वी बोधिप्रभाजी ने जीवन में सफलता के 10 रहस्यों पर अपने भावों की प्रस्तुति दी। कार्यशाला का सुंदर संचालन कन्या मंडल प्रभारी बनिता दूगड़ में किया एवं आभार ज्ञापन हंसिका बैद के द्वारा किया गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा का पूर्ण सहयोग रहा।

वर्धमान ओली तप अभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में शुक्रवार को तेरापंथ भवन में वर्धमान ओली तप अभिनंदन का विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। साध्वीश्री जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा विभिन्न प्रकार की तपस्याओं में आयम्बिल तप का एक विशेष महत्व होता है। आयम्बिल से कर्म निर्जरा के साथ-साथ विध्न निवारण, उपद्रवों की उपशांति, आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण तथा शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य-व्याधियों का शमन होता है। लगातार आयम्बिल तपस्या के कारण द्वारिका नगरी की बारह वर्षों तक रक्षा होती रही। श्रीपाल का कुष्ठ रोग आयंबिल के कारण ही ठीक हुआ। राजा श्रेणिक और श्री कृष्णजी की अनेक रानियों ने दीर्घकाल तक आयम्बिल तप किये। तेरापंथ धर्मसंघ में साध्वी मीरांजी ने 13 माह तक आयंबिल किया। मुनि जीवोजी ने वर्धमान 'ओली-तप' पूरा किया अर्थात एक आयंबिल से 100 आयंबिल तक लड़ीबंध तप किया। इसी क्रम में श्रावक मनोहरलालजी चावत ने 66 दिनों तक आयम्बिल तप कर वर्धमान ओलीतप की बीस, इक्कीस और बाईस दिन की तीन लड़ियाँ एकसाथ संपन्न की है। राजाराजेश्वरी नगर के श्रावक समाज ने मनोहरलाल के 66 दिन के तप का सामूहिक रूप 66 आयम्बिल कर तप से तप का अभिनंदन किया। यह अपने आपमें एक ऐतिहसिक काम हुआ है। इस अवसर पर तपस्वी मनो-हरलाल ने जीवन भर अपने शरीर पर स्वर्ण-चांदी के आभूषण पहनने का त्याग किया तथा पत्नी दीपा सहित सजोड़े ब्रह्मचर्य व्रत की साधना स्वीकार की। साध्-वीश्री विनितयशाजी ने आयम्बिल तप की महत्ता को उजागर करते हुए तपस्या के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साध्वी वर्धमानयशाजी एवं बोधिप्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से तप-अनुमोदना की। सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने स्वागत एवं तप-अभिनंदन वक्तव्य दिया। तेरापंथी सभा व युवक परिषद के सदस्यों, महिला मंडल एवं परिवार के सदस्यों ने तप-गीत द्वारा एवं सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, सुरेश दक, निर्मल चावत ने तप-अनुमोदना वक्तव्य दिया। मनोज डागा ने साध्वीप्रमुखा जी द्वारा प्रेषित तप-अनुमोदना पत्र का वाचन किया। तेरापंथी सभा, तेयुप एवं महिला मंडल ने तप अभिनंदन-पत्र एवं जैन पट्ट से तपस्वी को सम्मानित किया। मंच संचालन वंदना भंसाली ने किया। मंगलपाठ द्वारा कार्यक्रम सानन्द संपन्न हुआ।

आचार्य सम्राट भूधर जी की जन्म जयंती मनाई गई

रावण के खात्मा के साथ ही सत्य, न्याय और राम की हुई विजय: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में आचार्य सम्राट 1008 भूधर जी महाराज साहब की जन्म जयंती एवं स्मृति दिवस मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि आज की तिथि महत्वपूर्ण तिथि है। वार और तिथि भले एक है, लेकिन त्योहार बहुत है। विजयादशमी राम की महिमा का दिन है। आज के दिन रावण मरा और अहंकार समाप्त हुआ। रावण के खात्मा से ही सत्य, न्याय और राम की विजय हुई। यह त्योहार पूरे भारत में मनाया जाता है, जहां रावण को जलाया जाता है। जिन्होंने मान और अभिमान किया उनका अंत में विनाश हुआ। ऐसे ही रावण ने मान अभिमान किया और उसका भी विनाश हो गया। रावण का अभिमान इतना था कि आज भी उसको जलाया जाता है। छोटे बच्चे भी उसे जलाते हैं। उसको जलाने के साथ ही अन्याय, अभिमान, असत्य को जलाया जाता है। जिसमें गुण, त्याग, अहिंसा, दया और करुणा है वही जीवित है। जिसमें यह सभी गुण नहीं है उसका जीवन व्यर्थ है।

मनुष्य की महिमा उसके गुणों से होती है। मानव कहां बैठा है वह महत्वपूर्ण नहीं होता है, बल्कि उसमें क्या गुण हैं वह मायने रखता है। जो महान संत होते थे, वे हमेशा नीचे ही बैठते थे। मनुष्य को पहले से ही ऐसे जगह बैठना चाहिए, जहां से कोई उठाए ना। नीचे बैठने से कोई अज्ञानी नहीं होता है।

जब मनुष्य में सस्कार का बीज आता है तो उसका महत्व बढ जाता है। जन्मजात कोई श्रेष्ठ नहीं होता है। यह सब मनुष्य के गुणों का ही खेल होता है। मनुष्य की महिमा ज्ञान, गुण और त्याग से गाई जाती है। ऐसे ही मरुधरा के प्राण आचार्य सम्राट 1008 भूधर जी महाराज साहब का जीवन भी था। राजस्थान के नागौर में उनका जन्म हुआ था। नागौर धार्मिक नगरी है। भूधर जी बहुत ही सुंदर और सुकुमार थे। अच्छी गति से आने वाले होनहार होते हैं। मनुष्य में अगर गुण है तो सब अच्छा है। अगर गुण नहीं है तो सुंदरता काम नहीं आती है। भूधर जी को धार्मिक संस्कार मिले थे। उनकी रूचि फौज और शस्त्रों में थी। उसके बाद वे आरक्षक दल में शामिल हो गए। फौज में जाने के बाद धीरे धीरे फौज के मुखिया बन गए। एक बार सोजत में उनकी नियुक्ति हुई थी। जहां 84 डाकू आए थे। जिनसे मुकाबला करने के लिए गुरुदेव गए थे। एक डाकू ने भूधर जी पर वार किया तो हमले में उनका उंट तड़प कर मर गया। जिसके बाद भूधर जी के दिमाग में आया कि अपराधी कोई और है और मर उंट गया। यह देख उनका मन संसार से हट गया। संसार से विरक्ति होने के बाद वे गुरु की खोज करने लगे। उसके बाद उन्होंने सूत्र संयम की दीक्षा ले ली। संत बहुत ही समता भाव के होते हैं। संत का काम हमेशा शांति और संयम रखने का होता है। जो सदा अध्ययन करने के साथ अध्ययन कराते हैं उन्हें उपाध्याय कहते हैं। उपाध्याय में ज्ञान का भंडार होता है। मनुष्य राग, द्वेष से हटेगा तब उसका काम पूरा होगा। भूधरजी महाराज बहुत ही तपस्वी थे। महापुरुषों में अगर ज्ञान, ध्यान और गुण होता है तो उसका सुगंध अपने आप ही फैल जाता है। भूधरजी महाराज बहुत ही दयालु थे। वे बहुत ही क्षमाशील थे। उन्होंने अपने तप और साधना से जीवन का उद्धार कर लिया। ऐसे महापुरुषों के जीवन के बारे में सुन कर अपने जीवन को बदलने का प्रयास करना चाहिए। प्रवचन में जैन दिवाकर प्रवचन प्रभाकर किस्तुरचंदजी के शिष्य रत्न श्री कांति मुनि जी के संथारा संलेखना सहित समाधि मरण पर गुरुदेव ने उनके सेवा भाव का उल्लेख करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी। पूरे संघ की ओर से श्रद्धांजलि दी गई। शुक्रवार को आंयबिल का पांचवां दिन रहा। नमो लोए सव्वसाहूणं पर प्रवचन देते हुए गुरुदेव ने साधु महाराज को कैसे रहना चाहिए। किस प्रकार उनको अपना ज्ञान और ध्यान बढ़ाना चाहिए के बारे में बताया। आयंबिल ओलिया वालों को 21 माला फेरनी चाहिए। कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने सभी का आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि आगामी रविवार को श्रमण संज्ञीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी की 59वीं जन्म जयंती एवं वरिष्ठ उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

कुबेर का खजाना पर व्यख्यान 12 अक्टूबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कनकपुरा रोड स्थित कोननकुंटे क्रॉस के पास 12 अक्टूबर को नारायण रेकी सत्संग परिवार बेंगलरु द्वारा प्रेस्टीज सेंटर के ऑडिटोरियम में कुबेर का खजाना व्यख्यान का

आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 9 बजे से नारायण रेकी संस्थान की संस्थापक राज दीदी कुबेर के खजाने पर अपना सम्बोधन देंगी। नारायण रेकी सत्संग परिवार एक सामाजिक संगठन है। जिसके अंतर्गत नारायण रेकी की गतिविधियों का संचालन किया जाता है। संस्थान का उद्देश्य है कि हर इंसान तन, मन, धन के साथ स्वस्थ बन कर हर घर में सुख, शांति समृद्धि हो सके। राजेश्वरी मोदी, (राज दीदी), इस संस्था की संस्थापिका के रूप में अनेक देशों में अपना कार्यक्रम आयोजित कर चुकी हैं और बड़ी संख्या में लोगों को जागरूक कर लाभ पहुंचाया है।

राज दीदी रेकी ग्रैंडमास्टर, एक्यूप्रेशर चिकित्सक और एक उत्कृष्ट सलाहकार के रूप में पिछले 30 वर्षों से सामाजिक सेवा कर रही हैं। इस कार्यक्रम से एकत्रित धनराशि को मुफ्त होम्योपैथिक क्लिनिक, कैट्रेक्ट की सर्जरी और कई अन्य सामाजिक सेवाओं के लिए खर्च किया जाएगा। नारायण रेकी प्रशिक्षण के अंतर्गत राज दीदी अपने संदेशों के माध्यम से 'खुशियों का खजाना, जीवन जीने का नया अंदाज, सतयुग का सफर, कैसे तय करें भाग्य का निर्माण, लक्ष्य प्राप्ति मंत्र जैसे विषय पर अपना संबोधन देती हैं। इस आयोजन के लिए संस्था के सभी सदस्य जोरशोर के साथ तैयारी में जुटे हुए हैं।

जीवन में भोग पतन एवं त्याग उत्थान का कारण: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शाश्वत नवपद आयम्बिल ओली का महत्व समझाते हुए कहा कि पंचम दिवस देव, गुरु, धर्म के प्रति श्रद्धा रखने से पूर्ण हो जाते है। नवपद आयम्बिल ओली आराधना उत्साहपूर्ण वातावरण मे चल रही है। उन्होंने कहा कि जीवन में कोई भी परिस्थिति बने हमारी अपने देव, गुरु व धर्म के प्रति श्रद्धा कमजोर नहीं होनी चाहिए। इस श्रद्धा के बल पर हम अपना हर मनोरथ पूर्णकर सकते है और पग-पग पर पुण्यनिधान चलते है। जीवन में यश कमाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। यश के बिना जीवन सार्थक नहीं हो सकता। यश पुण्य के बलबुते ही कमाया जा सकता है। इसलिए हमेशा अपने पुण्य बढ़ाने का प्रयास करे। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि श्रीपाल और मयणासंदरी के लिए नवपद ही उनके जीवन का वास्तविक आधार था। नवपद ही उनका आलंबन था। नवपद ही उनके लिए आश्वासन था। नवपद ही उनका जीवन था। नवपद ही उनके लिए सर्वस्व था। नवपद का साथ जिसे प्राप्त हो उसे और चिंता भी क्या हो सकती है। नवपद को चिंता सौंपनी नहीं पड़ती। नवपद के पास मांगने की आवश्यकता भी नहीं है। आवश्यकता है संपूर्ण समर्पण की। शीतलगुणा ने आगे समझाते हुए कहा कि जीवन में भोग पतन एवं त्याग उत्थान का कारण है। जीवन में सुख एवं दुःख आते-जाते रहते है। इंसान को दुःख में तो सब याद आते है लेकिन सुख में अपनों को भी भूल जाता है। ऐसे समय में श्रीपाल जैसे चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए। जीवन में जो आयम्बिल तप के साथ नवपद अरिहन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, ज्ञान, दर्शन, चरित्र एवं तप की आराधना-साधना करता है उसकी उपासना सार्थक होती है। भंवरलाल जैन ने बताया कि कल्याण महाराष्ट्र से अंकित परमार पधारे जो राज भव्य शीतल चैरिटेबल ट्रस्ट रतलाम के ट्रस्टी पद पर है। अंकित परमार का बहुमान सुरेश पोरवाल ने किया।

अपना शरीर नहीं, बल्कि काम चमकना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आयंबिल तप सभी अन्तराय को तोड़ने में सक्षम कुंजी है। आयंबिल से आराधक अपनी सभी सम्यक मनोकामनाओं की सफलता पा लेता है। आयंबिल और नवकार जाप से श्रीपाल का न सिर्फ कुष्ठ रोग मिट गया बल्कि अपार समृद्धि और लब्धियों की भी प्राप्ति हो गई। हम आयंबिल और नवकार पर पूरी श्रद्धा रखें और प्रयास करें कि इन दिनों शरीर और सौंदर्य पर आसक्ति कम हो। अपना शरीर नही, बल्कि काम चमकना चाहिए। व्रत जीवन को मर्यादित करते हैं किंतु हम सौंदर्य प्रसाधनों से व्रत की महिमा कम कर देते हैं और निष्फल कर देते हैं। व्रत ही अपने अलंकार होने चाहिए। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि आत्मा की जानकारी के बिना संसार की सभी जानकारियां व्यर्थ हैं। बाहर की जानकारियों के आकर्षण से ही हमारे भव भ्रमण बढ़ रहे हैं। प्रभु महावीर ने साढ़े बारह वर्ष मात्र स्वयं को जानने में लगा दिए और सच्चे महावीर बन गए। आगम में इलायची कुमार का वर्णन भी यही सिख देता है कि बाहर भटकते भटकते सेठ पुत्र नट बन गया और आत्मा का भान आते ही नाटक करते करते केवल ज्ञान हो गया। जो आत्मा को खोज लेता है वो शाश्वत मौज पा लेता है। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि रविवार को उपाध्याय श्री गुणवंत चंद्र जी महाराज की जयंती गुणानवाद और सामायिक के साथ मनाई जाएगी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

केंद्र से राज्य को 3,705 करोड़ रुपये का कर जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 1,01,603 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जारी की है, जिसमें से 3,705 करोड़ रुपये कर्नाटक को आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने कर्नाटक सहित सभी 28 राज्य सरकारों को कुल 1,01,603 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर हिस्सेदारी जारी की है। केंद्र सरकार ने दशहरा-दिवाली त्योहार के मौसम में एक बड़ा फैसला लेते हुए सभी राज्यों की मदद के लिए कर हिस्सेदारी की अग्रिम किस्त जारी की है।

बताया गया है कि कर्नाटक को 3,705 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कर हिस्सेदारी प्रदान की गई है। राज्यों के पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और विकास एवं कल्याणकारी कार्यों पर व्यय के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु, केंद्र सरकार ने देश की सभी 28 राज्य सरकारों को अग्रिम किस्त के रूप में कुल 1,01,603 करोड़ रुपये की कर हिस्सेदारी जारी की है। यह अतिरिक्त कर हिस्सा 10 अक्टूबर को जारी होने वाले सामान्य मासिक आवंटन के साथ ही जारी किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकारों को विकास कार्यों के लिए इसका पर्याप्त उपयोग करने की सलाह दी। राज्य के किसान भारी बारिश से जूझ रहे हैं। उत्तरी कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक सहित राज्य भर के किसानों को भारी बारिश के कारण फसल का नुकसान हुआ है। इस कठिन परिस्थिति में, केंद्र सरकार ने विभिन्न फसलों के लिए समर्थन मूल्य सहायता प्रदान की है। उन्होंने राज्य सरकार से खाद्यान्नों के लिए इसे पर्याप्त रूप से प्रदान करने का आग्रह किया।

राज्यों के विकास, कल्याण संबंधी खर्चों के वित्तपोषण और पूंजीगत व्यय में तेजी लाने तथा आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए, केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को राज्य सरकारों को 1,01,603 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर आवंटन जारी किया। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर को जारी होने वाले 81,735 करोड़ रुपये के सामान्य मासिक कर के अतिरिक्त 1,01,603 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर आवंटन जारी किया गया है। राज्य के किसान भारी बारिश से जूझ रहे हैं। उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक सहित राज्य भर के किसानों को भारी बारिश के कारण फसल का नुकसान हुआ है। इस कठिन परिस्थिति में, केंद्र सरकार ने विभिन्न फसलों के लिए समर्थन मूल्य सहायता प्रदान की है। उन्होंने राज्य सरकार से खाद्यान्न उत्पादकों को यह लाभ पर्याप्त रूप से प्रदान करने का आग्रह किया है। कुछ दिन पहले, केंद्र सरकार, जिसने विशेष रूप से कर्नाटक के किसानों के लिए नाम, उड़द, सोयाबीन और मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीद का सुझाव दिया था, अब सर्दियों के मौसम के लिए दालों सहित विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि करके किसानों की सहायता के लिए आगे आई है। केंद्र सरकार ने आगामी सर्दियों के मौसम के लिए बाजार में खरीदे जाने वाले विभिन्न अनाज जैसे गेहूं, कुसुम, जौ, मसूर, सरसों, छोले आदि के लिए इस बार उच्चतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के किसानों को यह लाभ पर्याप्त रूप से प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए।

दशहरा पर अफरा-तफरी : टिकट खरीदने के बावजूद प्रवेश नहीं: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि मैसूरु दशहरा समारोह के दौरान अव्यवस्था और कुप्रबंधन की स्थिति रही। राज्य सरकार को टिकट मिलने के बावजूद प्रवेश न पाने वाले पर्यटकों और आम लोगों से तुरंत माफी मांगनी चाहिए और टिकट के पैसे तुरंत वापस करने चाहिए। उन्होंने इस संबंध में अपनी सोशल नेटवर्किंग साइट पर सरकार पर निशाना साधा है और गंभीर आरोप लगाए हैं कि कांग्रेस सरकार ने दशहरा समारोह के दौरान भी अव्यवस्था और कुप्रबंधन किया है। मैसूरु दशहरा के मुख्य आकर्षण जम्बू सवारी देखने के लिए हजारों रुपये चुकाने और गोल्ड कार्ड व वीआईपी टिकट लेने के बावजूद दशहरा समारोह में प्रवेश न कर पाने से पर्यटक परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह इस बात का एक और सबूत है कि कांग्रेस सरकार दशहरा समारोह के प्रति कितनी लापरवाह और उदासीन रही है। जब प्रवेश देना ही संभव नहीं था, तो 6,500 रुपये लेकर गोल्ड कार्ड बाँटने की क्या जरूरत थी? उपलब्ध जगह से ज्यादा गोल्ड कार्ड बेचने का फैसला किसने लिया? इसकी योजना और प्रबंधन की जिम्मेदारी किसकी है? अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से इन सभी सवालों के जवाब देने की माँग की है।

सभी चुनावों में भाजपा-जेडीएस गठबंधन रहेगा जारी: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एनडीए गठबंधन में भाजपा और जेडीएस के बीच गठबंधन को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने घोषणा की है कि दोनों दलों का गठबंधन सभी चरणों के चुनावों में जारी रहेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु के पाँचों नगर निगमों, जिनमें जिला पंचायत, तालुक पंचायत और अगला विधानसभा चुनाव शामिल है, में भाजपा-जेडीएस गठबंधन जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गठबंधन में कोई बदलाव नहीं आया है। प्रधानमंत्री ने मेरे बारे में एक भी शब्द हल्के में नहीं कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों दलों के बीच संबंध अच्छे हैं। बिदादी टाउनशिप के विरोध में किसानों के मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस मामले में किसी का नाम नहीं लेंगे। हम एक छोटी राजनीतिक पार्टी हैं और इसे बचाने और बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। जब चुनाव आएंगे, तो जनता अपना फैसला सुनाएगी। हमें तब तक इंतजार करना होगा। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के छह जिलों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हवाई सर्वेक्षण किया है। प्रभारी मंत्रियों को घटनास्थल का दौरा कर

वास्तविक स्थिति का पता लगाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि तीन-चार दिनों के बाद, मैं गुलबर्गा भी जाऊँगा और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों की जानकारी और संकटग्रस्त लोगों की राय जानूँगा और फिर प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखूँगा। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि राज्य सरकार संकटग्रस्त लोगों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती है। मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया का विश्वास है। भारी बारिश और बाढ़ के कारण कई गाँव, सड़कें और पुल नष्ट हो गए हैं। जान-माल और फसलों को नुकसान पहुँचा है। मवेशी मारे गए हैं। यह पहली बार है कि भीमा नदी में इतनी भयानक बाढ़ आई है और लोग संकट में हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार उनकी सहायता के लिए तत्पर रहे। कांग्रेस विधायक खुद कह रहे हैं कि गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन से राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। वे भ्रमित हैं। उन्होंने कहा कि जब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपनी क्षमता से अधिक लोगों की मदद करे। 12 अक्टूबर को एक महिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। यदि संभव हुआ तो यह सम्मेलन पैलेस ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। बेंगलूरु शहर अध्यक्ष एच.एम. रमेश गौड़ा कह रहे हैं कि हम जीबीए चुनावों में 40 सीटें जीतेंगे। न केवल जीबीए, बल्कि जिला परिषद और टीएपी चुनावों में भी हमारी महिला शक्ति का प्रदर्शन होना चाहिए। इसलिए, एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने पार्टी को 60 से 65 सीटों पर संगठित किया है। उन्होंने कहा कि हार के बाद वे अपने अनुभव का राजनीतिक उपयोग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि उन्हें घुटने के दर्द के अलावा कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है।

सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में नहीं जा रही

राज्य को नवंबर या दिसंबर तक नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा: आर. अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री की कोई जिम्मेदारी होती, तो उन्हें बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर राहत कार्य करना चाहिए था। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने यहाँ पहुँचे अशोक ने मीडिया से बात की। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार जनता के लिए मर चुकी है। यह सरकार जिंदा नहीं है। वे सिर्फ सत्ता संघर्ष में लगे हुए हैं। पिछले ढाई सालों में मीडिया में लगातार मुख्यमंत्री बदलने, डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री, परमेश्वर को मुख्यमंत्री और जारकीहोली को मुख्यमंत्री बनाने की खबरें आ रही हैं। उन्होंने पूछा कि क्या इसे ही सरकार कहते हैं? उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर कांग्रेस सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री में जरा भी समझदारी और जिम्मेदारी होती, तो उन्हें बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाना चाहिए था। मुख्यमंत्री यह नहीं बता रहे हैं कि कितने घर ढह गए हैं। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि मीडिया में यह खबर आ रही है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में किसान सड़कों पर हैं और त्योहार नहीं मना पा रहे हैं। यह तुगलकी

सरकार है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कर्नाटक में ऐसी नीच सरकार कभी नहीं देखी जा सकती। उन्होंने हम पर 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगाया। लेकिन यह साबित नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि ठेकेदार सरकार पर दोगुना कमीशन लेने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए फसल नुकसान के आंकड़े भी पूरी तरह से झूठे हैं। उन्होंने आलोचना की कि जब किसान संकट में हैं, मुख्यमंत्री ने आरामसे दशहरा का उद्घाटन किया और मुख्यमंत्री होने का दावा किया। इसी बीच कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चल रही अटकलों को और बल देते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि राज्य को नवंबर या दिसंबर तक नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। मुझे पक्की जानकारी है कि सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर समझौता हो गया है। शिवकुमार कुछ ही महीनों में मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ऐसा नहीं होने दे रहे हैं। इसीलिए कर्नाटक कांग्रेस में अंदरूनी कलह चल रही है। शिवकुमार के जो समर्थक नेतृत्व परिवर्तन के संकेत दे रहे हैं, उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। सिद्धरामैया सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं, जबकि शिवकुमार कोशिश करना बंद नहीं कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस हफ्ते की शुरुआत में मैसूरु में कहा था कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। नेतृत्व परिवर्तन पर बयान देने वाले दो कांग्रेस नेताओं को 2 अक्टूबर को केपीसीसी ने नोटिस जारी किया था। अशोक ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार इस तरह के आंतरिक कलह के कारण गिरती है, तो भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश करने की योजना नहीं बना रही है। उन्होंने कहा हम सरकार नहीं बनाएंगे। हम चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा राज्य सरकार के पास पैसे खत्म हो गए हैं। कांग्रेस विधायक खुद कह रहे हैं कि उन्हें विकास के लिए धन नहीं मिला है। सरकार बेंगलूरु की सड़कों के गड्ढे भरने की भी कोशिश नहीं कर रही है। उन्होंने कहा भाजपा प्रतिनिधिमंडल बाढ़ प्रभावित गाँवों का दौरा करेगा और किसानों से फसल नुकसान के बारे में बात करेगा। यह बेलगावी और विजयपुरा जिलों का दौरा करेगा। बी.एस. येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने घर गिरने पर मौजूदा 95,000 से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया था। उन्होंने बारिश से हुए नुकसान के 24 घंटे के भीतर 10,000 जारी करने की प्रथा भी शुरू की। हमने उन लोगों को भी पैसा जारी किया है जिन्हें कम से कम नुकसान हुआ है। लेकिन कांग्रेस सरकार उत्तरी कर्नाटक के जिलों के लोगों की समस्याओं की उपेक्षा करती है। उन्हें मानवीय पीड़ा की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भूस्खलन के कारण हासन को व्यापक नुकसान हुआ है। पीड़ितों की मदद करने के बजाय, सिद्धरामैया केंद्र सरकार को दोष दे रहे हैं। केंद्र सरकार राज्य सरकार द्वारा एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद ही मुआवजा जारी कर सकती है, लेकिन राज्य ने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

मदिकेरी दशहरा में उपद्रव के दौरान कोडागु के पुलिस उपाधीक्षक घायल

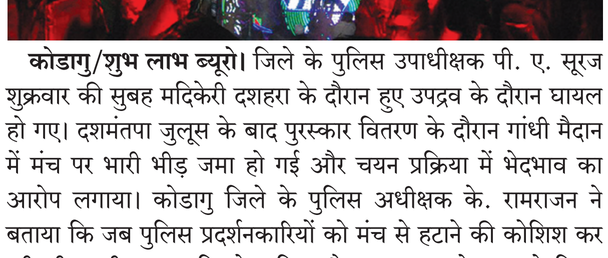

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के पुलिस उपाधीक्षक पी. ए. सूरज शुक्रवार की सुबह मदिकेरी दशहरा के दौरान हुए उपद्रव के दौरान घायल हो गए। दशमंतपा जुलूस के बाद पुरस्कार वितरण के दौरान गांधी मैदान में मंच पर भारी भीड़ जमा हो गई और चयन प्रक्रिया में भेदभाव का आरोप लगाया। कोडागु जिले के पुलिस अधीक्षक के. रामराजन ने बताया कि जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को मंच से हटाने की कोशिश कर रही थी, तभी एक व्यक्ति ने कथित तौर पर सूरज को धक्का दे दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पुलिस उपाधीक्षक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। रामराजन ने कहा उनके सिर में चोट और पैर में घाव का इलाज चल रहा है। सूरज को धक्का देने के आरोप में यक्षित नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। रामराजन ने बताया कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 132 और 355 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दशमंतपों के पुरस्कार वितरण समारोह में पहले भी भेदभाव की शिकायतें सामने आई थीं। इसलिए, पुलिस ने आयोजकों को सुझाव दिया था कि वे सभी मंडपों को पुरस्कार देकर इस तरह की परेशानी को बढ़ावा न दें।

भाजपा के विकास में अनेक लोगों का योगदान: बी.एल. संतोष

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने कहा कि उडुपी जिला भारतीय जनता पार्टी को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में अनेक लोगों ने प्रत्यक्ष, अनेकों ने अप्रत्यक्ष, अनेकों ने नैतिक और अनेकों ने शारीरिक योगदान दिया है। उन्होंने शुक्रवार को यहाँ जिला कार्यालय के शिलान्यास समारोह में कहा हमारे समय में कई बार जब हमारा सिर मुड़ता है, तो उसकी शुरुआत 'मैं' से होती है।

भाजपा में ऐसा कोई विचार मन में नहीं आता। उन्होंने कहा कि भाजपा और भारतीय जनसंघ के समय से चली आ रही जड़ें आज के कार्यक्रम में भी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि उन जड़ों से जो शाखाएँ, अंकुर या टहनियाँ या तने बने हैं, वे यहाँ मौजूद हैं। यहाँ ऐसे नेता भी हैं जो विभिन्न दलों से आए हैं और वैचारिक और राजनीतिक रूप से हमारी पार्टी में जुड़कर जुड़े

हैं। एक राजनीतिक संगठन में तीन प्रकार के लोग अपरिहार्य होते हैं। जड़ें, अंकुर और हमारा संगठन, हमारा वृक्ष, इनको बार-बार जोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समय के अनुरूप कौशल को अपना बनाने के लिए स्वाभाविक और अस्वाभाविक विकास आवश्यक है। यह उस सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है जो हम सभी के मन में, हमारी पिछली पीढ़ी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के मन में लंबे समय से था। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन के लिए कार्यालय की आवश्यकता एक सुविधा नहीं है, यह एक आवश्यकता है।

यद्यपि वर्तमान भवन हमारा अपना भवन और कार्यालय है, फिर भी हमारे मन में यह कमी थी कि यह स्थान हमारा नहीं है। इसलिए हमने भूमि की तलाश की। शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा अगले 12, 16, 18 महीनों में अपनी भूमि और अपने भवन में कार्य शुरू करेगी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष नवीन शेट्टी, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, राज्य महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार, वरिष्ठ नेता बोला प्रभाकर कामथ, के.टी. पुजारी, उडुपी नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष गुज्जडी प्रभाकर नाइक, जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष शीला के शेट्टी, विधायक यशपाल आनंद सुवर्णा, सुरेश शेट्टी, किरण कुमार कोडगी, गुरुराज गंतीहोल, पूर्व विधायक लालाजी आर मेंडन, पूर्व मंत्री प्रमोद माधवराज, संभाग प्रभारी उदय कुमार शेट्टी, पूर्व जिला अध्यक्ष कुइलाडी सुरेश नाइक, रत्नाकर हेगड़े, उडुपी नगर परिषद के अध्यक्ष प्रभाकर पुजारी, जिला पदाधिकारी, पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

एसआईटी ने यूट्यूबर्स को एक और नोटिस जारी किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसआईटी ने धर्मस्थल मामले से जुड़े वीडियो बनाने वाले समीर समेत पाँच से ज्यादा यूट्यूबर्स को पूछताछ के लिए पेश होने का एक और नोटिस जारी किया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए और जाँच तेज करते हुए, विशेष जाँच दल ने बुरुदे चिन्नैया से पूछताछ के दौरान दिए गए बयानों के आधार पर यूट्यूबर समीर, केरल के ट्रक मालिक मुनाफ, अभिषेक, अजय, विजय और कई अन्य को नोटिस जारी किए हैं। कई यूट्यूबर्स ने धर्मस्थल मामले से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाए थे और जनता में एक तरह का डर पैदा किया था। बेल्टांगडी एसआईटी कार्यालय में अधिकारियों ने यूट्यूबर्स से पूछताछ की पूरी तैयारी कर ली है और वे किन मुद्दों पर जवाब चाहते हैं, इस पर भी तैयारी कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि बुरुदे चिन्नैया से पूछताछ के दौरान दिए गए कुछ बयानों के संबंध में यूट्यूबर्स से पूछताछ और दोबारा पूछताछ की जाएगी। एसआईटी पहले भी अभिषेक और मुनाफ समेत कई यूट्यूबर्स से पूछताछ कर चुकी है और अब उन्हें फिर से पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है।

आज संविधान के साथ-साथ लोकतंत्र का भी नाश हो रहा : रणदीप सिंह सुरजेवाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को मतदान में धांधली के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान के शुभारंभ पर कहा कि हमारा संविधान एक व्यक्ति, एक वोट कहता है। आज वोट चोरी संविधान की सीमाओं से परे जा रही है। सभी को एकजुट होकर हमारे पवित्र संविधान की रक्षा करनी चाहिए।

हम सभी को इस देश में क्रांति और बदलाव की एक नई लहर लाने की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हर गली-मोहल्ले में ज्यादा से ज्यादा लोगों को एकजुट करना चाहिए और वोट चोरी के खिलाफ जनमत तैयार करना चाहिए। उन्हें लोगों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। बेंगलूरु के पुलकेशी नगर में उठी आवाज पूरे देश को सुननी चाहिए। अश्पाक उल्ला खान, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, सुभाष चंद्र बोस, बाल गंगाधर तिलक और सैकड़ों अन्य लोगों ने इस देश में क्रांति की चिंगारी जलाई है। इसीलिए हम आजादी का आनंद ले रहे हैं। वोट चोरी के जरिए इसे व्यवस्थित रूप से चुराया जा रहा है। हम सभी बाबासाहेब अंबेडकर की संतान हैं।

हमें जो संविधान दिया गया था, उसकी रक्षा के लिए हम एकजुट हुए हैं। आज संविधान के साथ-साथ लोकतंत्र का भी नाश हो रहा है। यह सिर्फ कांग्रेस और भाजपा के बीच का संघर्ष नहीं है। यह इस देश की आम जनता का संघर्ष है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई केवल राजनीतिक उद्देश्यों की लड़ाई नहीं है। यह संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है। यह लोगों के मताधिकार की रक्षा की लड़ाई है। इस देश के लोगों ने अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुनने की आजादी खो दी है। सबके वोट व्यवस्थित रूप से चुराए जा रहे हैं। एक व्यक्ति के वोट को दो में बदला जा रहा है। हर घर में पचास से ज्यादा मतदाता रहते हैं। इस सारी अवैधता के पीछे जो लोग हैं, वे भाजपा पार्टी के साथ खड़े हैं। हमें इस अवैधता पर सवाल उठाना चाहिए। इसे उजागर करना होगा। इसके लिए, एक बड़ी लड़ाई के साथ-साथ, कांग्रेस एक छोटे पैमाने पर जनजागरण की लड़ाई के लिए भी तैयार है। वोट चोरी के कारण इस देश की महिलाएं, दिहाड़ी मजदूर, गरीब, पिछड़े, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे व्यापारी, समाज के कमजोर वर्ग, जैसे किराना दुकान के मालिक और छोटे रेहड़ी-पटरी वाले, इन सभी समाजों के लिए एक गंभीर आघात है। यह केवल वोटों की हेराफेरी नहीं है। यह आम लोगों के अधिकारों की चोरी है। पाँच से ज्यादा एक करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित करके चुनाव आयोग को भेजने होंगे और यह कहना होगा कि हम लोकतंत्र की चोरी नहीं होने देंगे। जिस तरह महादेवपुरा और आलंद निर्वाचन क्षेत्रों में वोटों में धांधली हुई, उसी तरह देश के हर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में वोटों में धांधली हो रही है। इस देश का संविधान मीडिया, सरकारी कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, सभी की रक्षा करता है। इस देश का निर्माण नेहरू, वल्लभभाई पटेल, बाबू राजेंद्र प्रसाद, मौलाना अब्दुल कलाम जैसे महान लोगों के त्याग और बलिदान से हुआ है। ऐसे पवित्र देश को लुटेरों से बचाने के प्रयास किए जाने चाहिए। पार्टी की सभी इकाइयों को सक्रिय होकर वोटों में धांधली के खिलाफ जनमत तैयार करना चाहिए।

धार्मिक प्रीमियर लीग का पहला दिन उत्साह और धार्मिक वातावरण में सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में राजाजीनगर युवा द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय धार्मिक प्रीमियर लीग (डीपीएल) का पहला दिन उल्लास, उत्साह और धार्मिक भावना के साथ संपन्न हुआ। इस अभिनव आयोजन में धर्म और खेल का अनोखा संगम देखने को मिला। राजाजीनगर युवा मंडल और जिनेश्वर युवा मंडल का विशेष सहयोग इस आयोजन में रहा। आठों टीमों ने भाग लिया और अपनी-अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के मैचों में जहाँ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, वहीं खेल-खेल में धर्म के सिद्धांतों और मूल्यों का संदेश भी प्रकट हुआ। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के साथ सहयोग, सौहार्द और भाईचारे का परिचय दिया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की तथा विशेष सहयोग के लिए विभिन्न मंडलों का आभार व्यक्त किया। पहले मैच में श्रुत ज्ञान राइडर्स ने अहिंसा चैलेंजर्स को, शांति सेवियर्स ने श्रवण सुपर किंग्स को,

केवली राजा ने वीर रत्न योद्धा को, अरिहंत एवेंजर्स ने तीर्थंकर टाइटन्स को, श्रुत ज्ञान राइडर्स ने वीर रत्न वॉरियर्स को और अंतिम मैच में तीर्थंकर टाइटन्स ने शांति सेवियर्स को हराया। मंत्री नेमीचंद दलाल ने सभी प्रायोजकों का आभार प्रकट करते हुए राजाजीनगर युवा एवं जिनेश्वर युवा मंडल के इस भव्य आयोजन में सेवा कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक प्रीमियर लीग का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि युवाओं और समाज में धर्म के प्रति रुचि जगाना तथा टीम भावना, अनुशासन और सदाचार के संस्कारों को मजबूत करना है। इस प्रतियोगिता में हार जीत मायने नहीं रखती। प्रतियोगिता में भाग लेने वाला हर सदस्य अपने ज्ञान की अभिवृद्धि करने वाला है। सभी प्रायोजकों का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। इस आयोजन में प्रदीप दोसी, दीपेश धोका, आयुष भलगट, धीरज नाहर, नमित कोठारी, अजय धोका, मनीष बोहरा, दीक्षित बोहरा, गणेश बोहरा, नीतू लुंकड़, हेमा चानोदिया व अन्य का विशेष सहयोग रहा। संघ के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहू मंडल, ब्राह्मी कन्या मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य की उपस्थिति रही। राजाजीनगर युवा और जिनेश्वर युवा मंडल का पूर्ण सहयोग रहा। अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने सभी का स्वागत किया। जज के रूप में भागचंद गुगलिया और सरिता कोठारी का सहयोग रहा। संचालन मनीष बोहरा ने किया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का शताब्दी दिवस आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना के शताब्दी दिवस प्रसंग पर नगर के अनेक स्थानों में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत के आर पुरम राममूर्ति नगर में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयं सेवकों ने गणवेश में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में ध्वज वंदन के पश्चात प्रार्थना हुई। उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रिखबचंद मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का यह सौवां वर्ष हम सभी के लिए और राष्ट्र के लिए गौरव और गर्व का उत्सव है। संघ ने समाज को एकजुट करने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जगाने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी स्थापना 1925 में बलिराम हेडगेवार ने की थी। संघ ने सदैव सेवा, अनुशासन और संगठन शक्ति के बल पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में संदीप पाटिल ने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण ही नही, बल्की प्रत्येक स्वयं सेवक के जीवन में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र प्रेम को स्थाई बनाना है। समारोह में संघ के नागराज हरीश, अशोक लोढ़ा, सुखराज, चेतन, राजेश, महावीर, पदम आदि अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

स्वर्णिम हौदा, सांस्कृतिक चकाचौंध और मशाल परेड के साथ मैसूरु दशहरा भव्य अंदाज में संपन्न

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दस दिवसीय मैसूरु दशहरा उत्सव गुरुवार को विजयादशमी के दिन भव्य जंबू सवारी जुलूस और चकाचौंध भरी मशाल परेड के साथ शानदार अंदाज में संपन्न हुआ।

इस जुलूस में लाखों दर्शक शामिल हुए और कर्नाटक के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन के रूप में इस उत्सव की प्रतिष्ठा को और पुष्ट किया। इस उत्सव के केंद्र में 59 वर्षीय अभिमन्यु थे, जिन्होंने देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति के साथ 750 किलो का स्वर्ण हौदा उठाया, जिसके दोनों ओर कावेरी और रूपा नामक हाथी थे। अभिमन्यु के राजमार्ग पर भव्य मार्च ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिनमें से कई सुबह-सुबह ही दर्शनीय स्थलों की सुरक्षा के लिए पहुँच गए थे।

जुलूस दोपहर 1.20 बजे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा महल के बलराम द्वार पर पारंपरिक नंदी ध्वज पूजा के साथ शुरू हुआ। बाद में, शुभ कुंभ लग्न के दौरान, उन्होंने जम्बू सवारी की औपचारिक शुरुआत के लिए मूर्ति पर पुष्प वर्षा की और पूरे मैदान में 21 तोपों की सलामी गूंज उठी। सिद्धरामैया ने कहा यह उत्सव कर्नाटक के गौरव और परंपरा को दर्शाता है। मैसूरु दशहरा संस्कृति के माध्यम से लोगों को एकजुट करता है। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, मंत्री एच. सी. महादेवप्पा, कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज, न्यायमूर्ति विभु बाखरू और सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कुल 14 हाथियों ने भाग लिया, जिनमें धनंजय ध्वजवाहक प्रमुख हाथी और गोपी प्रतीक चिन्ह वाहक थे। यह मार्ग महल से बन्नीमंतप मैदान तक 5 किमी लंबा था, जो अल्बर्ट विक्टर रोड, के. आर. सर्कल और सय्याजी राव रोड से होकर गुजरा। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस परेड में 58 झांकियाँ और 90 से ज्यादा सांस्कृतिक दल शामिल थे, जिनमें महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने वाले भी शामिल थे। रुक-रुक कर हो रही बूंदाबांदी के बावजूद, रास्ते में भारी भीड़ उमड़ी। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी, ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और 'नो पास, नो एंट्री' की सख्त नीति लागू थी। बाद में, राज्यपाल थावरचंद गहलोत की उपस्थिति में बन्नीमंतप में मशाल परेड के साथ सैन्य प्रदर्शन, करतब और आतिशबाजी के साथ उत्सव का समापन हुआ। लाखों पर्यटकों की मेजबानी के बाद मैसूरु अब सामान्य स्थिति में लौट रहा है और दशहरा 2025 की योजनाएँ चुपचाप शुरू हो गई हैं।

दीक्षार्थी के अनुमोदनार्थ निकाला भव्य वरघोड़ा

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोयम्बत्तूर निवासी मुमुक्षु दिक्षा सूर्यप्रकाश छाजेड़ के गदग आगमन पर गदग निवासी लालचंद राजेंद्रकुमार भंसाली के निवास स्थान से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुंचा। वरघोड़े में महिलाएं मंगल गीतों का गान कर रही थी। वहीं युवा मधुर धुनों पर थिरक रहे थे। दीक्षार्थी के जयकारों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में सराबोर हो गया।

दीक्षार्थी का वरघोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुँचा और मंदिरजी के दर्शन वंदन कर चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य विमल सागर सुरिश्वरजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के सभा भवन में मुमुक्षु का सम्मान अभिनंदन किया गया। सम्मान स्वीकार करते हुए दीक्षार्थी दिक्षा छाजेड़ ने कहा यह सम्मान उनका नहीं उनके द्वारा किये जा रहे त्याग का है। उन्होंने कहा जैसे दिन को सजाता है सूर्य और रात को सजाता है चांद वैसे ही मानव जीवन को सौन्दर्य से युक्त करने का काम सद्गुरु करते हैं।

किंतु यह अनुपम उपलब्धि केवल सद्गुरु बनाने से प्राप्त नहीं होती। बल्कि सद्गुरु के चरणों का दास बन जाने के बाद ही जीवन शोभायमान होता है। मुमुक्षु दिक्षा छाजेड़ की दीक्षा आचार्य महासेन सुरिश्वरजी के करकमलों द्वारा 16 नवम्बर को नागपुर में होगी। इस अवसर पर संघ के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

किसानों और लोगों की दुर्दशा पर ध्यान दे सरकार: सीटी रवि

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने राज्य की कांग्रेस सरकार की संवेदनशीलता खोने की आलोचना की है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बेलगावी में सरकार और मंत्रियों के लिए चुनाव की प्रतिष्ठा लोगों की दुर्दशा से बड़ी है। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे सहकारी निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों में डूबे हुए हैं और लोगों की दुर्दशा सुनने की संवेदनशीलता उनमें नहीं है।

उन्होंने बताया कि लाखों हेक्टेयर में फसल बर्बाद हो गई है। लोगों ने अपने घर और पशुधन खो दिए हैं। कई लोग अपनी जान गंवाने के बाद संकट में हैं। उन्होंने मांग की कि कम से कम अब तो वे संवेदनशीलता दिखाएँ। किसानों की दुर्दशा के बीच, उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं मुख्यमंत्री हूँ, मैं मुख्यमंत्री हूँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुख्यमंत्री कौन है। जनता ने आपको सत्ता दी है। आपको किसानों और लोगों की दुर्दशा पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने पूछा क्या यही वो वक्त है जब आप कहते हैं कि मैं मुख्यमंत्री हूँ, मैं मुख्यमंत्री हूँ? आपको क्या हो गया? वो कहते हैं कि मैं अगले ढाई साल तक मुख्यमंत्री रहूँगा। उन्होंने आपकी पार्टी को पाँच साल के लिए सत्ता दी है।

उन्होंने पूछा क्या आपको भ्रष्टाचार करने का अधिकार था? क्या ठेकेदार का पत्र पढ़कर आपको शर्म नहीं आई? क्या आपको नहीं लगा कि लोग हमारे बारे में क्या सोचेंगे?

पल्लकी उत्सव के तहत मठाधीश का सम्मान कर लिया आशीर्वाद

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयादशमी के पावन अवसर पर मुरुसाविर मठ, हुब्बल्ली के जगद्गुरु डॉ. गुरुसिद्ध राजयोगीन्द्र महास्वामी जी के सानिध्य में पल्लकी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और धार्मिक उल्लास के साथ परंपरा का निर्वाह किया। इसी कड़ी में महास्वामी जी का हिरपेठ क्षेत्र में आगमन हुआ। इस अवसर पर शाह हीराचंद वनेचंद कटारिया परिवार के सुनील कटारिया, विहिप नेता सुभाष चंद्रा

डंक एवं किशन कटारिया ने स्वामीजी का भावपूर्ण स्वागत किया। इस पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिन्होंने स्वामीजी के दर्शन कर आध्यात्मिक वातावरण का लाभ उठाया और उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ाया।

मुनि पुलकित कुमार ने दी अणव्रती बनने की प्रेरणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के अंतर्गत अणुव्रत समिति बेंगलूरु ने पहले दिन अणुव्रत प्रेरणा दिवस का आयोजन गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनि श्री डॉ. पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में किया। इस अवसर पर आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि डॉ. पुलकित कुमार जी ने अपने प्रवचन में आचार्य तुलसी के बनाए हुए छोटे छोटे नियमों को अपना कर अणुव्रती बनने की प्रेरणा दी। सभा में उपस्थि सभी श्रावक श्राविका समाज ने मिलकर अणुव्रत गीत का महासंगान एक लय में किया। समिति अध्यक्ष ललित बाबेल ने प्रायोजक प्रकाश, दीपक बाबेल का अणुव्रत पट्ट से सम्मान किया। समारोह की अध्यक्षता ललित मांडोत सभा उपाध्यक्ष, मुख्य अतिथि कन्हैयालाल गिरिया, मुख्य वक्ता समाज सेवी महेंद्र मुणोत, समिति परामर्शक सुरेश दक ने अपने विचार रखे। इस अवसर अणुव्रत समिति के पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य, श्रावक समाज उपस्थित थे। समारोह के संयोजक महावीर सालेचा, उद्बोधन सप्ताह के संयोजक सुरेश चावत का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री लाभेश कांसवा ने किया।

देश में सामाजिक सुरक्षा हो रहा मज़बूत : मांडविया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश में व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत बनाया जा रहा है।

भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। डॉ. मांडविया ने मलेशिया के कुआलालंपुर में आईएसएसए विश्व सामाजिक सुरक्षा मंच पर पुरस्कार प्राप्त करने के बाद शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने और 940 मिलियन से अधिक नागरिकों तक पहुंच के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा मान्यता दिए जाने पर भारत को 'सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि' के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (आईएसएसए) पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज में वृद्धि के बाद, भारत ने आईएसएसए महासभा में 30 सीटों के साथ सर्वोच्च वोट शेयर हासिल किया है।

डॉ. मांडविया ने कहा, यह पुरस्कार श्री मोदी के दृष्टिकोण और अंत्योदय के हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रमाण है, जो पंक्ति में अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाता है, जिसने समावेशी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की दिशा में हमारी यात्रा को आकार दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने ई-श्रम पोर्टल का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए सामाजिक सुरक्षा लाभों के वितरण के लिए भारत में व्यापक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, ई-श्रम पोर्टल एक राष्ट्रीय डिजिटल डेटाबेस है जो एक बहुभाषी, निर्बाध इंटरफ़ेस के माध्यम से 31 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को सामाजिक कल्याण योजनाओं से जोड़ने वाले वन-स्टॉप सोल्यूशन के रूप में कार्य करता है।

उन्होंने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल का भी उल्लेख किया, जो नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को एक साझा मंच पर लाने के लिए मज़बूत डिजिटल उपकरणों से लैस है। उन्होंने कहा, आज, एनसीएस के पास कुशल कार्यबल का एक प्रमाणित डेटाबेस है, जो दुनिया भर के नियोक्ताओं के लिए आसानी से उपलब्ध है और ई-श्रम के साथ एकीकृत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल हमारे कुशल युवाओं की सामाजिक सुरक्षा लाभों के साथ वैश्विक अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने तकनीकी और श्रम बाजार में बदलावों के साथ सामाजिक सुरक्षा की उभरती भूमिका उल्लेख करते हुए कहा कि हम व्यापक नीति, प्रक्रिया और डिजिटल सुधारों के माध्यम से अपनी सामाजिक सुरक्षा को मज़बूत बना रहे हैं। भारत वित्तीय पहुंच, कौशल विकास, स्व-रोज़गार और डिजिटल नवाचार को मिलाकर एक समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से आय के नए अवसरों और सामाजिक सुरक्षा के लिए तकनीक का लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा, भारत भविष्य को आकार देने और दुनिया के युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

कश्मीर में रेल ने रचा एक और नया इतिहास

पहली मालगाड़ी से कश्मीर पहुंची 116 मारुति कारें

जम्मू, 03 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में भारतीय रेल ने एक और इतिहास रचा। भारतीय रेल की ऑटोमोबाइल ढोने वाली मालगाड़ी की पहली रैक कल अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची। उत्तर रेलवे ने शुक्रवार को कश्मीर घाटी के लिए अपनी पहली ऑटोमोबाइल रैक भेजी, जिसमें हरियाणा के मानेसर से 116 मारुति सुजुकी गाड़ियां भेजी गई।

यह विशेष रेक मारुति सुजुकी के मानेसर स्थित गति शक्ति टर्मिनल से रवाना हुई और 45 घंटे में लगभग 850 किमी की दूरी तय करके हाल ही में चालू हुए अनंतनाग माल शेड पहुंची। इस पहली खेप में ब्रेजा, डिजायर, वैगनआर और एसप्रेसो जैसी मारुति कारें शामिल थीं। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि यह सेवा श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीड़भाड़ कम करने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि वाहन घाटी में अपनी मूल स्थिति में पहुंचे।

उन्होंने बताया कि यह विकास, घाटी में नई कारों के आगमन के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। अब तक, कश्मीर में कार डीलर कई ड्राइवरों को नियुक्त करते थे जो जम्मू से नई ब्रांडेड गाड़ियां सड़क मार्ग से लाते थे। इस प्रथा का मतलब था कि ग्राहकों तक पहुंचने से पहले वाहनों को सैकड़ों किमी तक चलाया जाता था, जिससे खरीदार अपनी नई खरीदी गई कार को सबसे पहले चलाने के विशेषाधिकार से वंचित रह जाते थे। नई रेल सेवा इस प्रथा को समाप्त कर देती है, यह सुनिश्चित करती है कि अब कारें ड्राइवरों द्वारा बिना छुए और अपनी मूल फैक्टरी स्थिति में पहुंचेंगी।

एक कार डीलर ने बताया कि यह न केवल सुविधा के बारे में है, बल्कि ग्राहक संतुष्टि के बारे में भी है।

जब कोई कार निर्माता से रेल द्वारा पहुंचाई जाती है, तो खरीदार आश्वस्त हो सकता है कि उसे जम्मू से श्रीनगर तक पहले किसी और ने नहीं चलाया है। यह ग्राहकों और डीलरों, दोनों के लिए फायदेमंद है।

समाज के भीतर सेवा, दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति : बिरला

जयपुर, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि समाज के भीतर सेवा और दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही भविष्य को नई दिशा देती है।

श्री बिरला ने यहां शुक्रवार को राष्ट्रीय नाई महासभा द्वारा आयोजित प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह में कहा कि सेन समाज ने हमेशा सेवा, श्रम और समर्पण को सर्वोच्च धर्म मानते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। यह समाज शिक्षा, कौशल और संस्कारों के माध्यम से आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि पूरी संस्कृति और सामूहिक मूल्यों का सम्मान है। समाज के भीतर सेवा और दान की परंपरा उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और यही भविष्य को नई दिशा देती है।

उन्होंने कहा कि सेनजी महाराज ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि श्रम ही सर्वोच्च पूजा है और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म। वहीं, नारायणी माता आस्था और विश्वास की आधारशिला हैं, जिनके आशीर्वाद से समाज ने अपनी परंपराओं और संस्कारों को सदियों से जीवित रखा है। यही कारण है कि यह समाज हर दौर में चुनौतियों का सामना करते हुए राष्ट्र की सेवा में आगे रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय नाई महासभा की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि संगठन पूरे देश में रक्तदान शिविर, चिकित्सा सेवाएँ, नशा मुक्ति अभियान और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। छात्रवृत्ति, कोचिंग और करियर मार्गदर्शन जैसी योजनाएँ युवाओं को नई राह दे रही हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रतिभाएं मंच पर सम्मानित होती हैं तो उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास जागता है, जो समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाता है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सेनजी महाराज के आदर्शों और नारायणी माता की शिक्षाओं को जीवन का हिस्सा बनाएं। शिक्षा, कौशल और तकनीक को अपनाकर आत्मनिर्भर बनें और सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि जब समाज का हर युवा सक्षम और आत्मनिर्भर होगा, तभी सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव होगा।

पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वामी चैतन्यानंद को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में अदालत ने स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 दिनों के लिए स्वामी चैतन्यानंद को न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। आरोपी बाबा ने जेल में डॉक्टर की पर्ची के हिसाब से दवा और बिना लहसुन-प्याज वाले भोजन दिए जाने की इजाजत के लिए अर्जी दाखिल की। स्वामी चैतन्यानंद की याचिका पर पटियाला हाउस कोर्ट 4 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे फैसला सुनाएगा। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने

छात्राओं से छेड़खानी के आरोपी स्वामी चैतन्यानंद को आगरा से गिरफ्तार किया था। चैतन्यानंद पर 17 छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप है। पुलिस के अनुसार, चैतन्यानंद पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की छात्रवृत्ति योजना के तहत पोस्ट-ग्रेजुएट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स में पढ़ने वाली छात्राओं को निशाना बनाने का आरोप है। 4 अगस्त को भारतीय वायु सेना मुख्यालय से शिकायत मिलने के बाद आरोपी फरार हो गया था।

जांच में खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद रात के समय छात्राओं को अपने कमरे में बुलाता था और उनकी ग्रेड कम करने या फेल करने की धमकी देकर उनके साथ जबरदस्ती करता था। पुलिस ने संस्थान की तीन वार्डनों के बयान दर्ज किए हैं, जिन पर चैतन्यानंद की मदद करने और आपत्तिजनक संदेशों को डिलीट करने का आरोप है। लगभग 50 छात्राओं के फोन से बरामद वॉट्सऐप चैट से 16 सालों तक चले यौन शोषण के सबूत मिले हैं, जिनमें अश्लील संदेश और जबरन शारीरिक संपर्क की घटनाएं शामिल हैं।

इससे पहले, अगस्त की शुरुआत में 17 छात्राओं ने दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें चैतन्यानंद पर ईडब्ल्यूएस श्रेणी की छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चैतन्यानंद पिछले दो दशकों से महिलाओं का शोषण कर रहा था, और 2009 व 2016 में भी छेड़खानी के मामलों में वह बच निकला था।

इस बार मामला तब सामने आया, जब 17 छात्राओं ने अगस्त में शिकायत दर्ज कराई। उस समय चैतन्यानंद लंदन में था, लेकिन उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली। उसने दिल्ली हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया।

जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि चैतन्यानंद की लाल रंग की लग्जरी वॉल्वो कार से कई फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गईं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का फर्जी लोगो लगा था। जांच में पुष्टि हुई कि ये नंबर प्लेट यूएन द्वारा जारी नहीं की गई थीं और आरोपी ने खुद इन्हें बनाया था। कार को जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

वैष्णव ने हिरोमासा के साथ सूरत में हाई-स्पीड रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की

सूरत, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन एवं पर्यटन मंत्री हिरोमासा नाकानो के साथ गुजरात के सूरत में हाई-स्पीड रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी सूचना के मुताबिक सूरत हवाईअड्डे पहुचने पर श्री हिरोमासा का पारंपरिक गरबा से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद श्री हिरोमासा श्री वैष्णव के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) निर्माण स्थल पहंचे। यहां दोनों मंत्रियों ने परियोजना ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी जैसे बिंदुओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की रफ्तार की सराहना की। जापानी मंत्री का यह दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना (बुलेट ट्रेन) को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दर्शाता है।

करूर भगदड़ : मद्रास हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच से किया इनकार

राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव

चेन्नई , 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक रैलियों के लिए सख्त एसओपी का सुझाव दिया। साथ ही, कोर्ट ने अभिनेता-राजनेता विजय की करूर रैली में पिछले महीने हुई भगदड़ की सीबीआई जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया। करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। एम धंदापानी और एम जोतिरमन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर कार्यवाही करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को यह छूट दी कि यदि जांच ठीक से नहीं की जाती है तो वह अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता के अधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस अदालत को राजनीतिक अखाड़े की तरह न समझें।

कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़ित व्यक्ति इस अदालत में आते हैं, तो हम उन्हें बचाएंगे। अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि पहले वह करूर में 27 सितंबर की घटना की जांच को उसके वर्तमान प्रारंभिक चरण से आगे बढ़ने दें।

भाजपा नेता ने घटना की सीबीआई से जांच कराने के लिए हाई कोर्ट से निर्देश मांगा था और दावा किया था कि ये मौतें कथित सरकारी उदासीनता के कारण हुई हैं।

हाई कोर्ट ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कुछ याचिकाओं में पीड़ितों के लिए घोषित मुआवजे में वृद्धि की मांग की गई थी।

पीठ ने रैलियों या बैठकों के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और राज्य या राष्ट्रीय राजमार्गों के निकट आयोजनों की अनुमति न देने के तमिलनाडु सरकार के सुझाव पर गौर किया।

अदालत ने सुझाव दिया कि भविष्य में जब ऐसी राजनीतिक रैलियां या बैठकें निर्धारित स्थानों पर आयोजित की जाएं तो सरकार और राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां पेयजल और स्वच्छता की उचित व्यवस्था हो।

पीठ ने यह भी कहा कि भगदड़ की संभावना को कम करने के लिए निकास मार्ग और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

टीवीके पार्टी की रैली में हुई भगदड़ ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस घटना को लेकर पुलिस ने पार्टी के राज्य महासचिव बूसी आनंद पर मामला दर्ज किया है।

विजय ने इस दुखद घटना के पीछे साजिश का आरोप लगाया, जबकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विरोधी दलों पर त्रासदियों का फायदा उठाकर चुनावी लाभ लेने का आरोप लगाया।

मुक्त विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाएगा आरएसएस का इतिहास

युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव जगाने की पहल

प्रयागराज, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरए-सएस) के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एक अनोखी पहल की है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ने स्नातक और स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम में आरएसएस का इतिहास पढ़ाने की घोषणा की है। कुलपति ने कहा कि इससे देश के युवाओं में स्वदेशी विचारधारा के साथ ही राष्ट्रीयता के प्रति भावना जाग्रत होगी।

इस तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का इतिहास उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आरए-सएस के इतिहास को स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की घोषणा गांधी जयंती के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच एक गहरा संबंध है। आरएसएस की विचारधारा में भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्व-पूर्ण स्थान है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आरएसएस की दृष्टि में भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक या दार्शनिक विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मूल्य भी शामिल हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। आरएसएस भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं वसुधैव कुटुंबकम, सहिष्णुता और विविधता तथा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी विचारों को बढ़ावा देने के लिए इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय समाज को मजबूत और एकजुट करना है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि भारतीय जीवनशैली परंपरागत मूल्यों, सामाजिक समरसता, परस्पर स्नेह एवं आत्मीयता पर आधारित है। मानवीय मूल्यों के विकास एवं आदर्श के उन्नयन में भारतीय जीवन शैली की महत्वपूर्ण उपादेयता है।

अयोध्या की रामलीला ने रचा नया इतिहास, 62 करोड़ दर्शकों तक पहुंची

50 देशों में प्रसारित, 250 फिल्मी कलाकारों ने निभाए किरदार

अयोध्या, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या ने एक बार फिर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष प्रयासों और मार्गदर्शन में अयोध्या की रामलीला आज विश्व की सबसे बड़ी और भव्य रामलीला बन चुकी है।

डिजिटल क्रांति के दौर में यह आयोजन केवल भारत तक सीमित न रहकर विश्वव्यापी सांस्कृतिक उत्सव में बदल गया है। इस वर्ष 50 से अधिक देशों में ऑनलाइन माध्यमों से प्रसारित हुई इस रामलीला को कुल 62 करोड़ से अधिक रामभक्तों ने देखा।

दिल्ली और मुंबई से आए 250 से अधिक फिल्मी कलाकारों ने इस रामलीला को भव्य स्वरूप दिया। थ्री-डी तकनीक और आधुनिक मंच सज्जा ने इस धार्मिक आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया।

न केवल मंच पर बल्कि पर्दे पर भी यह आयोजन एक नया इतिहास रच रहा है। रामलीला को अधिक से अधिक रामभक्तों तक पहुँचाने के लिए लाइव प्रसारण पर ही इस वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया गया। यह प्रसारण आराधना टाटा प्ले, शेमारू मी, वीआईऐप, एयरटेल, शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेजों और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हुआ। अकेले शेमारू भक्ति यूट्यूब चैनल पर 8 करोड़ से अधिक लोगों ने इसे देखा।

गौरतलब है कि कोरोना काल से शुरू हुई अयोध्या की डिजिटल रामलीला ने हर वर्ष दर्शकों के नए कीर्तिमान बनाए हैं। इस सपने को साकार करने में उत्तर प्रदेश सरकार की अहम भूमिका रही। 2020 में जब रामलीला शुरू हुई थी, उस समय के पर्यटन व संस्कृति मंत्री नीलकंठ तिवारी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया था, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे वैश्विक स्तर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त किया। रामलीला समिति के संस्थापक सुभाष मलिक और शुभम मलिक ने इस आयोजन को डिजिटल क्रांति का प्रतीक बना दिया।

रामनगरी अयोध्या में मंचित यह रामलीला अब केवल भारत की नहीं रही बल्कि पूरी दुनिया की रामलीला बन चुकी है। भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, म्यांमार, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, बहरीन, कुवैत, मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, केन्या, नाइजीरिया, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड्स, रूस, कनाडा, अमेरिका और ब्राज़ील जैसे देशों में करोड़ों रामभक्तों ने इसे देखा।

अयोध्या की रामलीला ने साबित कर दिया कि श्रीराम की कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि विश्व को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। योगी सरकार के सहयोग और डिजिटल तकनीक के संगम ने रामलीला को विश्व स्तर पर पहुँचाकर भारतीय संस्कृति की अद्भुत ध्वजा फहराई है।

श्रीराम की नगरी अयोध्या में आयोजित भव्य रामलीला इस वर्ष सितारों की जगमगाहट से और भी खास बन गई। बॉलीवुड और टीवी जगत के दिग्गज कलाकारों ने अपने अद्भुत अभिनय से इस आयोजन को यादगार बना दिया।

मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री ने माता सीता की भूमिका निभाई। विंदू दारा सिंह ने अपनी दमदार अदाकारी से हनुमानजी का किरदार जीवंत कर दिया। खलनायकी अंदाज के लिए प्रसिद्ध शाहबाज खान ने रावण की भूमिका निभाई।

वरिष्ठ अभिनेता अनिल धवन ने विभीषण का किरदार निभाया। हास्य अभिनेता सुनिल पाल ने नारदमुनि बनकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके अलावा मनोज तिवारी, रवि किशन, राकेश बेदी, रजा मुराद, अशरानी, अवतार गिल, रितु शिवपुरी, शीबा और अरुण बख्शी ने भी अपने-अपने किरदारों से रामलीला को और भव्यता प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बनी इस रामलीला में मिस यूनिवर्स 2024 और 2025 ने भी विशेष प्रस्तुति देकर इस आयोजन को नई ऊंचाइयां दीं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष चिट्ठी लिखकर अयोध्या की रामलीला समिति को अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं भेजते हैं। इस परंपरा ने इस आयोजन के महत्व और पवित्रता को और बढ़ा दिया है।

ड्राइविंग माई ड्रीम्स से बेटियों को स्वावलंबी बनाने की पहल

ग्रामीण क्षेत्र से कॉलेज कैंपस तक बेटियों ने थामी स्टीयरिंग

प्रदेश भर में हुई अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश भर में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत ड्राइविंग माई ड्रीम्स कार्यक्रम के साथ हुई। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में आयोजित इस अभिनव पहल ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नया आयाम दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम में पहले दिन 3,000 से अधिक बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बेटियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विभाग का लक्ष्य पूरे महीने में 7,500 बालिकाओं को निशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देकर उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस दिलाना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

ड्राइविंग माई ड्रीम्स केवल वाहन चलाने का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों को पंख देने का सशक्त मंच है। प्रत्येक जनपद में दूरस्थ क्षेत्रों से चयनित 100-100 बालिकाओं और महिलाओं को न्यूनतम एक माह का ड्राइविंग कोर्स प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक संकेत, आपातकालीन परिस्थितियों में वाहन नियंत्रण और महिला सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। यह पहल बालिकाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के साथ-साथ दैनिक जीवन में स्वतंत्रता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों से ड्राइविंग प्रशिक्षण की प्रेरक झलकियां भी सामने आई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों ने पहली बार स्टीयरिंग संभालकर आत्मविश्वास की नई अनुभूति की तो वहीं महाविद्यालयों की छात्राओं ने इसे अपने करियर के लिए गेम-चेंजर बताया। कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षकों ने बताया कि बालिकाओं में सीखने की ललक और उत्साह देखकर यह स्पष्ट होता है कि वे इस पहल से अपने जीवन में बड़ा परिवर्तन लाएंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत ड्राइविंग माई ड्रीम्स बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का एक क्रांतिकारी कदम है। यह कार्यक्रम केवल ड्राइविंग सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि बेटियों को उनके सपनों की उड़ान देने का संकल्प है। वहीं विभाग की निदेशक संदीप कौर ने बताया कि आज पूरे प्रदेश में जिस तरह बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया, उससे यह संदेश गया है कि उत्तर प्रदेश में अब बेटियां हर राह पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगी।

मिशन शक्ति 5.0 ने 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक 13.50 लाख लोगों तक पहुंच बनाकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया है। कन्या पूजन, नुक्कड़ नाटक और अब ड्राइविंग प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों ने बेटियों को सम्मान और स्वावलंबन की नई राह दिखाई है। यह पहल न केवल बेटियों की व्यक्तिगत प्रगति को बल दे रही है, बल्कि उत्तर प्रदेश को सामाजिक और आर्थिक उन्नति के पथ पर अग्रणी बना रही है। ड्राइविंग माई ड्रीम्स यूपी की बेटियों की नई उड़ान का प्रतीक है, जो मिशन शक्ति के विजन को साकार कर रहा है।

बरेली बवाल में आईएमसी के मीडिया प्रभारी समेत दो गिरफ्तार

बरेली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी और फैजान सकलैनी को आज गिरफ्तार कर लिया गया। मुनीर इदरीसी काफी समय से इत्तेहादे मिल्लत कौंसिल का मीडिया प्रभारी है। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि शुक्रवार को मुनीर भागने की तैयारी में था, तभी उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि बवाल कराने के लिए उसी ने भड़काऊ पोस्ट डाली थी।

नौमहला में जहां पर ज्ञापन और प्रदर्शन के लिए आईएमसी ने जगह तय की थी, वहां आज भारी पुलिस बल मौजूद रहा। नावल्टी चौराहा से लेकर नौमहला मस्जिद और इस्लामिया मार्केट तक सिर्फ पुलिस ही दिखाई दी। नौमहला मस्जिद में लगभग दो बजे से दो-दो, चार-चार नमाजी आना शुरू हो गए थे। इस बार मस्जिद का पूरा गेट नहीं खोला गया। गेट की खिड़की के रास्ते नमाजी मस्जिद में दाखिल होते रहे और नमाज के बाद भी उसी खिड़की से एक-एक करके बाहर आते रहे। इस तरह बिना भीड़ के लोग अपने घरों और कारोबार पर वापस होते रहे। अलबत्ता नौमहला का मार्केट और इस्लामिया मार्केट की अधिकांश दुकानें भी बंद रहीं।

इसी तरह करोलान का वह इलाका जहां लाठीचार्ज हुआ था, वहां की मस्जिद में लोग बारी-बारी से आते रहे और नमाज के बाद वापस होते रहे। इस जगह की भी मस्जिद के आसपास के मार्केट की अधिकांश दुकानें बंद रहीं। खलील स्कूल के तिराहे और बैरियर से मस्जिद तक फोर्स तैनात रही। पिछले शुक्रवार को हुए बवाल में कुमार टॉकीज के पास भी लाठीचार्ज हुआ था, यहां भी भारी फोर्स तैनात रही। इसके अलावा बिहारीपुर मस्जिद, बीबीजी मस्जिद सहित मलूकपुर, जसोली, जखीरा, सराय खाम जामा मस्जिद, अरबिया काशीफुल उलूम मस्जिद, सुनहरी मस्जिद, बांस मंडी, कुतुबखाना की मस्जिदों में अमन के साथ नमाज अदा की गई। इसके बाद नमाजी वापस हो गए।

जुमे की नमाज में किसी भी मस्जिद से इमामों की ओर से कोई भी विवादित या जज्बाती बयान नहीं किया गया। बल्कि शनिवार को मनाई जाने वाली ग्यारहवीं शरीफ के संबंध में गौस पाक हजरत अब्दुल कादिर जिलानी के संबंध में तकरीर की। उनकी करामात और किरदार पर रोशनी डालते हुए अमल करने की ताकीद की। साथ ही, इस्लाम पर चलने की ताकीद करते हुए रसूले पाक के बताए रास्ते पर चलने की नसीहत की। खासतौर से शहर में अमन बरकरार रखने के लिए मुस्लिमों से अपील करते हुए तमाम नसीहतें भी दीं।

बहराइच हिंसा मामले में 8 उपद्रवी एनएसए में गए जेल

बहराइच, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिले के 8 कुख्यात अपराधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेने का आदेश दिया गया है।

यह सख्त कार्रवाई बहराइच में हुई हिंसा की घटना के एक साल बाद की गई है। 30 सितंबर को पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने यह फैसला लिया। पुलिस अधीक्षक समेत बड़े अधिकारियों ने इस कार्रवाई की सिफारिश की थी। जिन अपराधियों पर एनएसए लगाया गया है, उनके नाम मारूफ अली, ननकऊ, नानमुन, मोहम्मद फहीम, मोहम्मद अफजल, मोहम्मद जीशान, जावेद, शोएब खान, और सैफ अली हैं। इन सभी पर हत्या, लूट, दंगा भड़काने और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इन दंगाइयों की हरकतों से इलाके में डर और अशांति फैली हुई थी। एनएसए के तहत इन्हें कम से कम 12 महीने तक जेल में रखा जाएगा। इस कार्रवाई से अपराधियों का हौसला टूटेगा और आम जनता को राहत मिलेगी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई अक्टूबर 2024 में दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान हरदी थाना क्षेत्र में हुई सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ी है, जिसमें एक हिंदू युवक रामगोपाल मिश्रा को पहले तलवारों से काटा गया फिर बाद में गोली मारी गई थी। प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि जो भी भविष्य में कानून तोड़ेगा, उसके खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन अपराधियों की संपत्तियों पर भी निगरानी रखी जा रही है ताकि कोई भाग न सके।

मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद के जरिए होगा महिलाओं की समस्या का समाधान

देवीपाटन मंडल में शुरू की गई अनूठी पहल

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा प्रदेश भर में महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बनाने एवं सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सीएम योगी के मार्गदर्शन में देवीपाटन मंडल में महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण उत्थान एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अनूठी पहल मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसकी शुरुआत रामनवमी के अवसर पर बेटियों के साथ संवाद से हुई। वहीं, हर सोमवार को देवीपाटन मंडल कार्यालय में विशेष रूप से महिलाओं और बेटियों की मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद कार्यक्रम में सुनवाई की जाएगी। इतना ही नहीं उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए एक विशेष टीम बनायी गयी है, जिसमें महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को निस्तारण करेंगी। इस पहल की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सराहना की। बता दें कि पूरे प्रदेश में देवीपाटन मंडल पहला मंडल है, जहां पर महिलाओं के लिए विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा रामनवमी के अवसर पर कार्यक्रम के तहत बेटियों को मंडलायुक्त ने अपने आवास पर पत्नी के साथ कन्या पूजन किया और उनका आर्शीवाद प्राप्त किया।

देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मंडल की बेटियों और महिलाओं को समाज के मुख्यधारा से जोड़ने, योगी सरकार की योजन-ाओं का लाभ देने, उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं सर्वांगीण विकास के लिए मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम की पहल की गयी है। इसके तहत हर सोमवार को महिलाओं और बेटियों के लिए विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा।

इन दौरान प्राथमिकता के आधार पर उनके सर्वांगीण विकास के साथ हर समस्या के समाधान पर विशेष फोकस किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को तीन भागों में विभाजित किया गया है। इसका पहला मुख्य अंग जनसुनवाई है। इसके तहत मंडल मुख्यालय में हर सोमवार को 12 बजे से 2 बजे महिलाओं एवं बच्चों की समस्याओं पर महिला अधिकारी के साथ कर्मचारी की उपस्थिति में विशेष सुनवाई की जाएगी। वहीं मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए यथासंभव महिला अधिकारी एवं कर्मचारी को नामित किया जाएगा। साथ ही आवश्यकता होने पर समस्या के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारी और जांच टीमें उसी दिन स्थलीय निरीक्षण के लिए भेजी जाएगी। इसके अलावा समस्या के निराकरण के लिए महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। महिला हेल्प डेस्क पर मोबाइल फोन कॉल एवं व्हाट्सएप मैसेज के जरिये भी शिकायतें प्राप्त की जाएंगी।

कार्यक्रम का दूसरा अंग सम्मान है। इसमें विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के उद्देश्य से बनायी गयी 3 थीम और 12 सेक्टरों के संबंध में समर्थ उत्तर प्रदेश.यूपी.जीओवी.इन पर मंडल में सबसे अच्छा फीडबैक देने वाली महिलाओं और बेटियों को मंडल स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही चिन्हित 12 सेक्टर्स में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को विकसित देवीपाटन मंडल-2047 के ब्रांड अंबैसेडर के रूप में प्रस्तुत करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का तीसरा अंग सशक्तिकरण है। इसमें मंडल स्तर पर सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं द्वारा मंडल में महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के लिए योगदान दिया जाएगा। मंडल प्रशासन की ओर से पात्र महिलाओं एवं बेटियों को प्राथमिकता के आधार पर शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्हे विधिसम्मत अधिकार दिलाने के लिए कार्य किये जाएंगे। महिलाओं को कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह, जीरो पावर्टी अभियान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान समेत विभिन्न योगी सरकार की योजनाओं से स्वावलंबी बनाया जाएगा।

मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद संवाद से सशक्तिकरण की ओर कार्यक्रम का शुभारंभ रामनवमी के अवसर पर किया गया, जिसमें मंडल कार्यालय में विभिन्न विद्यालयों की 20 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान उन्होंने नारी सशक्तिकरण तथा विकसित भारत 2047 को लेकर अपने विचार और सुझाव आयुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। कई छात्राओं ने महिला सुरक्षा, शिक्षा में समान अवसर, तकनीकी कौशल विकास, ग्रामीण क्षेत्रों में कैरियर मार्गदर्शन केंद्र तथा बेटियों के लिए विशेष प्रतिभा प्रोत्साहन योजनाओं जैसे नवोन्मेषी प्रस्ताव रखे।

उनके इन सुझावों पर आयुक्त सहित उपस्थित अधिकारियों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में श्रेष्ठ विचार एवं सुझाव प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। आयुक्त और उनकी पत्नी गरिमा भूषण ने विजेता बालिकाओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए। एससीपीएम कॉलेज की नंदिनी को प्रथम पुरस्कार 5000 रुपये, भैया राघव राम पाण्डेय श्री गांधी इंटर कॉलेज की आकांक्षा द्विवेदी को द्वितीय पुरस्कार 3000 रुपये तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की रूपा, कंपोजिट विद्यालय पथवालिया की महक और भैया राघव राम पाण्डेय श्री गांधी इंटर कॉलेज की हुनैजा को दो-दो हजार रुपये का तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागी छात्राओं को आकांक्षा समिति की ओर से एक-एक हजार रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली बेटियों का मंडलायुक्त आवास पर कन्या पूजन किया गया। आयुक्त दंपत्ति ने कन्या पूजन के बाद कन्याओं के पांव पखार कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद आयुक्त दंपत्ति ने कन्याओं को उपहार भेंट किये, जिसे पाकर बेटियों का चेहरा खिल उठा। मंडला आयुक्त ने कहा कि नवरात्रि शक्ति साधना का पर्व है और कन्याओं का सम्मान ही सबसे बड़ी आराधना है। आज की बेटियां हर क्षेत्र में शक्ति पुंज बनकर देश, प्रदेश और जिले का नाम रोशन कर रही हैं। शिक्षा, खेल, प्रशासन, विज्ञान और रक्षा जैसे क्षेत्रों में बेटियों ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं।

संपादकीय

कई 'रावण' जिंदा हैं!

रावण कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतले जला कर 'विजयादशमी' का त्योहार मनाया गया। आम आदमी प्रसन्न है। नई पोशाकें पहनी गईं, पटाखे छोड़े गए, मिठाइयां खाई गईं। यह खुशी किस बात की है। क्या वाकई असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई, रावणत्व पर रामत्व की जीत हुई? यह हमारा मुगालता है। कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा। आज विश्व में कई युद्ध जारी हैं और परमाणु युद्ध के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। धमकियां दी जा रही हैं। विमान, बॉम्बर आसमान में उड़ते दिखाई दे रहे हैं और समंदर में भी उथल-पुथल जारी है। इनके मायने क्या हैं? गाजा पट्टी के इलाके में इजरायल की सेना ने 65,000 से अधिक मासूमों, आम औरतों और बच्चों को मार दिया, लाखों को विस्थापित होना पड़ा, भुखमरी के आत्तनाद सुने जा सकते हैं और चारों ओर खंडहर, मलबे के ढेर दिखते हैं। यह विनाश किसने कराया और क्यों कराया? वह 21वीं सदी का 'राक्षस रावण' है, जो सिर्फ अपहरण के जरिए बहन के अपमान का प्रतिशोध नहीं लेता, बल्कि कई दुनियाओं का अस्तित्व ही मिट्टी में मिला देता है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन आज भी, साढ़े तीन साल बाद भी, यूक्रेन पर विनाशकारी हमले करवा रहे हैं। उनके आदेश पर, उनकी सेना, एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र को अस्तित्वहीन करने पर क्यों आमादा है? वहां भी आम लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। लोग विस्थापित होकर पड़ोस के देशों में शरण ले रहे हैं। हमले में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरस भी बाल-बाल बचे हैं। रोटी मयस्सर नहीं है, लेकिन विध्वंसकारी हथियारों की सप्लाई निरंतर जारी है। यह रूस का कुल विस्तारवाद और वर्चस्व की मानसिकता का 'रावण' है। यह 'रावण' असली रावण से कहीं ज्यादा क्रूर और अमानवीय है। प्रभु राम के उपस्थित होने के बावजूद असली रावण ने उनकी सेना का व्यापक नुकसान किया था। राम के अनुज लक्ष्मण, नियति के हनुमान की बदौलत, बाल-बाल बच पाए थे। मौजूदा कालखंड में अमरीका, यूरोप बनाम रूस, चीन के समीकरणों के तहत परमाणु युद्ध की धमकियां क्यों दी जा रही हैं? बहरहाल इनके अलावा, कई कुप्रवृत्तियां और धंधे भी 'रावण' के अवतार के समान हैं। रावण के तो पुतले जला कर नकली खुशियां मनाई जा सकती हैं, लेकिन सडक़ों पर पाशविक युवा सरेआम जो हत्याएं कर रहे हैं, 3-4 साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं, पत्नियां पति को टुकड़े-टुकड़े कर मार रही हैं, तो प्रेमी भी लव इन प्रेमिका के टुकड़े-टुकड़े कर कहीं जंगल में फेंक आते हैं। जेल में कैद रखने से क्या होगा? जिंदगी तो खत्म कर दी गई। भ्रष्टाचार ऐसी मनोवृत्ति है, जिससे अर्थव्यवस्था भी बर्बाद हो सकती है। किसी का भविष्य और करियर भी तबाह हो सकता है। न्याय की हत्या होती रहती है। हम ईमानदारी से क्यों नहीं जी सकते? यदि दशहरा बुराई और असत्य पर जीत का पर्व है, तो ऐसी मनोवृत्तियां हमारे व्यवहार, समाज, देश में क्यों हैं? साफ मायने हैं कि 'रावण' अभी नहीं मरा। वह हर भाव, कर्मकांड में आज भी जिंदा है। उसका शोक मनाएं और खुद को बदलने की कोशिश करें।

कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा।

कुछ अलग

सीजन ऑफ चमचागिरी

भाया! बरखा के सीजन की तरह चमचागिरी का भी अपना एक सीजन होता है। सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन, ट्रांसफर, डीपीसी की लिस्ट निकलने की आहट आने से ही इस बरखा के सीजन की शुरुआत होती है। मेहनत परिश्रम का सस्ता सा रेनकोट घर से लेकर चले थे, सो ठीक है। बढिया है। लेकिन, अगर प्रगति की परमानेंट खुशी चाहते थे तो चमचागिरी का बड़ा, काला, नकली पॉलिएस्टर का बड़ी डंडी वाला छाता लेकर घर से क्यों नहीं निकले थे? पत्नी चिल्लाई थी- 'अरे! सुनिए जी, छाता तो ले जाइए...वैसे भी अगले महीने आपका प्रमोशन ड्यू है।' ये बरखा का क्रिटिकल पीरियड सचमुच बहुत कुछ या तो दे जाता है या फिर सब कुछ बहाकर ले जाता है। पिछले दिनों आपने देख ही लिया। अब जैसे ही बॉस के मूड के बादल छाते दिखे, बस तभी अपना छाता खोलकर बॉस के सिर के साथ अटैच कर लेना। शेयरिंग की पावर में बहुत दम होता है। ऐसे में अपनी इस गजब की कारिस्तानी को समय पर अगर तुमने अप्लाई कर लिया, तो तुम्हारे वारे के न्यारे समझो। और भई! गर तुम्हारी रिश्तेदारी है ऊपर के टॉप फ्लोर तक, तो इस सीजन की बुरी मार से तुम बढिया से बच सकते हो। तब तो न कोई ट्रांसफर और न कोई डिमोशन। बॉस को बरखा के सीजन में जुकाम होने पर। बॉस की बहती नाक...जेब से निकालो रुमाल...तुरंत मेज के नीचे से...बॉस की तरफ खिसका दो। मात्र इस एक सक्सेसफुल एक्शन से आउट-ऑफ दि वे एक तगड़ा प्रमोशन पक्का और अगर तुमने कहीं एक कदम और आगे बढक़र अपने हाथों से बॉस की नाक का पलीदा भी खुद ही पोंछ दिया, फिर तो इसका कमाल पूछो मती।

एसईआई और यूएनईपी की रिपोर्ट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का बढ़ रहा है प्रयोग

पेरिस जलवायु समझौता हुआ नाकाम

प्रमोद भार्गव

उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी।

जलवायु परिवर्तन की एक नई रपट ने चेतावनी दी है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं। अतएव कहा जा सकता है कि व्यतीत हो चुके समय की भरपाई के लिए आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन में और भी तेजी से कमी लानी होगी। भारत, अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया सहित 20 प्रमुख उत्पादकों को षामिल करते हुए किए गए विश्लेशण से पता चला है कि 17 देश अभी भी 2030 तक एक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अर्थात कोयला, तेल या गैस का उत्पादन दो साल पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा। रपट में बताया है कि 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 प्रतिशत अधिक होगा, तेल 31 और गैस का उत्पादन 92 प्रतिशत से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती की प्रतिबद्धता जताई थी। धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और षहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्श एक अंतरराश्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है की पिछली बैठक सीओपी 28वीं दुबई में संपन्न हुई थी। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता जताई थी। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईंसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की षुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की षुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुश्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराश्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राश्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो षहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराश्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में षामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीशण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की षैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्श के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई षहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा।

देश दुनिया से

संगीत-अध्यात्म एकाकार हो जाते थे उनकी ठुमरी में

भारतीय संगीत की परंपरा ऐसी है जिसमें हर स्वर केवल ध्वनि नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव होता है। यह अनुभव पीढ़ी-दर-पीढ़ी बहता आया है, जैसे गंगा की धारा कभी सूखती नहीं, वैसे ही राग-रागिनियों की धारा भी प्रवाहित रहती है। इसी प्रवाह में एक स्वरयोगी थे—पंडित छन्नूलाल मिश्र। जिनका जाना भारतीय संगीत-जगत के लिए एक गहरी रिक्तता है। वे केवल गायक नहीं थे, बल्कि संगीत के उस भावलोक के रक्षक थे, जहां शास्त्र और लोक एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं। मिश्र जी के निधन से ऐसा लगा मानो बनारस की गलियों से कोई दीप अचानक बुझ गया हो। लेखिन उनकी आवाज़ का उजाला कभी खत्म नहीं होगा। उनकी गायकी, उनकी ठुमरियां, उनके भजन और उनकी अमर रचनाएं पीढ़ियों तक सुनाई देती रहेंगी। पंडित छन्नूलाल मिश्र का जन्म उ.प्र. के आज़मगढ़ की साधारण भूमि पर हुआ। संगीत उनके परिवार की परंपरा नहीं थी। बचपन के दिनों में गांव के आंगन में गूंजते भक्ति गीत, मां-बहनों की मधुर स्वर-लहरियां और मंदिरों में उठते कीर्तन उनकी आत्मा में गहरे उतरते गए। यह वही बीज थे, जिन्होंने आगे चलकर उन्हें स्वर-साधना की ओर मोड़ा। पंडित छन्नूलाल का बचपन मिट्टी की सोंधी गंध और गांव की सहज संस्कृति में बीता। तभी उनकी गायकी में हमेशा मिट्टी की सुगंध रही। एक ऐसी सुगंध, जो श्रोता को सीधे उसकी जड़ों तक पहुंचा देती थी। गुरुजनों की शरण में पहुंचकर उन्होंने किराना घराने की बारीकियों को आत्मसात किया। यहां उन्होंने सीखा कि एक स्वर मात्र ध्वनि नहीं, बल्कि साधना है। किराना घराना स्वर की शुद्धता के लिए प्रसिद्ध है और मिश्र जी ने इसे जीवन भर अपने गले में संजोए रखा। लेकिन उनकी आत्मा को असली घर मिला बनारस में। बनारस की गलियां, घाट और मंदिर उनके जीवन का संगीत बन गए। पंडित मिश्र ने एक बार कहा कि 'बनारस की मिट्टी और गंगा का जल यदि गले में उतर जाए तो आवाज़ अपने आप पवित्र हो जाती है।' यह उनका अनुभव था। वे जब ठुमरी गाते, तो उसमें केवल सुर ही नहीं होते, बल्कि बनारस का समूचा वातावरण उतर आता। कल्पना कीजिए—गंगा की लहरों पर डूबते सूरज की किरणें, घाटों पर गूंजती आरती और गलियों से आती ठहाकों की आवाज़ें। यही बनारस है और यही बनारस उनकी ठुमरी में बसा रहता था। उनकी आवाज़ सुनकर श्रोता को लगता कि वह स्वयं गंगा किनारे बैठा है, जहां संगीत और अध्यात्म एकाकार हो जाते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत में ठुमरी को सबसे कोमल विधा माना जाता है। इसमें शृंगार का रस भी है और भक्ति का आह्वान भी। पंडित छन्नूलाल ने ठुमरी को केवल गाया नहीं, बल्कि जिया। उनके गायन में 'पुरब अंग की ठुमरी' की झलक सबसे अधिक मिलती थी। यह ठुमरी भोजपुरी लोकसंवेदना से उपजी थी, जिसमें लोक की मिठास और सहजता समाई रहती है। जब वे गाते, 'मोरे सैयां बुलावे अदरसिया...', तो श्रोता के हृदय में एक कंपन उठता। ऐसा लगता मानो यह गीत केवल गले से नहीं, आत्मा से निकला हो। वह सुरों को सिर्फ साधते नहीं थे, उन्हें आत्मा में जीते थे। पंडित छन्नूलाल की गायकी का सबसे अनोखा और अमर योगदान था, 'मसाने की होली।' यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि बनारस की संस्कृति का जीवंत दर्शन है। बनारस वह शहर है, जहां मृत्यु भी जीवन का उत्सव बन जाती है। जहां श्मशान भी साधना का स्थान है। जब होली जैसी रंगों की बौछार वाला पर्व इस संस्कृति से मिलता है तो जन्म लेती है- मसाने की होली। पंडित मिश्र की आवाज़ में जब यह गीत गूंजता, तो श्रोता खुद को श्मशान घाट पर पाता—जहां राख में भी रंग है और मृत्यु में जीवन का उल्लास। इस गीत ने यह सिद्ध कर दिया कि होली केवल गुलाल और रंगों की मस्ती नहीं है, बल्कि यह जीवन और मृत्यु की सीमाओं को पार कर लेने वाला उत्सव है। 'मसाने की होली' वर्षों से होली मिलन समारोहों, सांस्कृतिक मंचों और लोक उत्सवों का अभिन्न हिस्सा बनी हुई है। इसका श्रेय पंडित मिश्र को जाता है। पंडित छन्नूलाल की गायकी का सबसे बड़ा गुण यह था कि उन्होंने शास्त्रीय संगीत को जनमानस से जोड़ा। उनकी ठुमरियों में भोजपुरी और अवधी का रस होता था। यह लोकजीवन की आत्मा थी। जब वे इन भाषाओं में गाते, तो गांव-गली का श्रोता भी उनसे जुड़ जाता। फलतः वे हर घर-आंगन के गायक बन गए। पंडित छन्नूलाल सिर्फ गायक नहीं, बल्कि कथावाचक भी थे। उनके गायन में हमेशा संवाद की छटा होती थी। जब वे गाते, तो श्रोता को लगता कि जैसे कोई उनसे सीधे बातें कर रहा है। यही कारण था कि उनकी ठुमरियां कहानी जैसी प्रतीत होती थीं—कभी शृंगार की, कभी विरह की तो कभी भक्ति की। उनकी आवाज़ में भक्ति और शृंगार दोनों का सहज संगम था। वे भजन गाते तो लगता कि ईश्वर हमारे सामने खड़े हैं और ठुमरी गाते तो लगता कि प्रेमिका अपने प्रिय की बाट जोह रही है। पंडित मिश्र को वर्ष 2010 में भारत सरकार ने पद्म विभूषण से अलंकृत किया। उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्रेम था। पंडित मिश्र के शिष्य आज देश-विदेश में भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने ठुमरी को लोक से जोड़ा। आज जब पंडित छन्नूलाल हमारे बीच नहीं हैं, तो यह एक युग का अंत है। उनकी गायकी आने वाली पीढ़ियों के लिए दीपक की तरह मार्ग दिखाती रहेगी। जब भी गंगा किनारे कोई ठुमरी गाई जाएगी, जब भी कोई मंच पर 'मसाने की होली' गूंजेगी, तो लगेगा मानो पंडित मिश्र वहीं बैठे हों, अपनी मुस्कान के साथ, सुरों की तपस्या करते हुए। सच यही है—वे नहीं गए। वे तो हर ठुमरी, हर भजन और हर गली की गूंज बनकर अमर हो गए हैं।

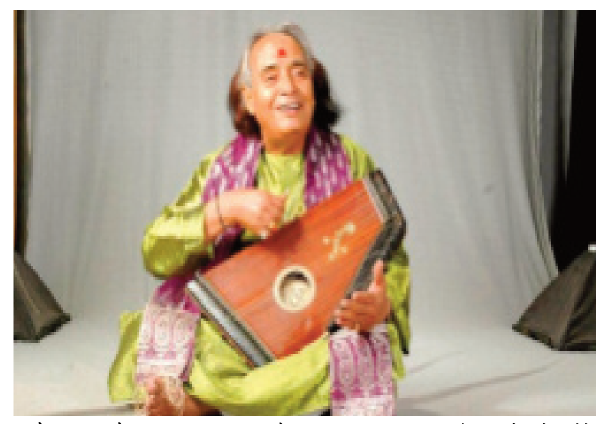

आप का नजरिया

चिकित्सा का मैत्री भाव

संकल्प तो अच्छा है, लेकिन फर्ज की कसौटी में सरकारी नौकरी न हो जाए। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोगी मित्र योजना एक जरूरत को पूरा कर सकती है, बशर्ते नौकरी के फितूर में यहां भी वेतन विसंगतियों का कॉडर न खुल जाए। यह सही है कि बड़े अस्पतालों खास तौर पर मेडिकल कालेजों में मरीज की तीमारदारी का हर अध्याय तकलीफ देता है। हिमाचल में सबसे लंबी कतारें अस्पतालों के ओपीडी कक्ष में, जबकि मेडिकल कालेजों के बिस्तर तक पहुंचने के लिए लगती हैं। ऐसे में रोगी मित्र योजना अगर बूढ़ों को असुविधा से बचाने, उन्हें डाक्टरों की प्राथमिक सूची तक पहुंचाने तथा चिकित्सा गाइड के रूप में आजमाने की एक व्यवस्था बनती है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। वैसे अस्पतालों में कार्यरत हर स्टाफ को यह बताने की जरूरत है कि रोगी और अस्पताल के बीच हर व्यक्ति एक कड़ी है। यहां डाक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक को रोगी मित्र बनने की आदत या नशा होना चाहिए। आश्चर्य होता है जब कोई मरीज आपातकालीन स्थिति में स्ट्रेचर जैसी वस्तु के लिए संघर्ष करते-करते मर जाता है या सप्ताहांत अस्पताल के बिस्तर तक कोई वरिष्ठ या विशेषज्ञ डाक्टर अवकाश के कारण नहीं आता। अस्पताल की सक्रियता का एक खास मैकेनिजम है। इस क्रम में रोगी मित्र के हवाले कितना फर्ज-कितना अस्पताल आता है यह देखना होगा। जाहिर है रोगी मित्र को चिकित्सा सेवा की लाठी बनते हुए अस्पतालों की कई सीढियां-कई कडियां जोडऩी पडेंग़ी। खास तौर पर मेडिकल कालेजों का बिखरा-बिखरा माहौल अगर रोगी मित्र के सहारे जुड़ जाए, तो इस प्रयोग को संजीवनी माना जाएगा, लेकिन अस्पतालों में तो समस्याओं के घोंसले लटके हुए हैं। फर्ज बड़ा है या काम की दावत, इस इम्तिहान में सिर्फ आंसर शीट बदल रही है। सबसे मुश्किल है किसी इंडोर मरीज के विभिन्न परीक्षणों से गुजरना। जो सेवा किसी निजी अस्पताल के बिस्तर तक पूरा स्टाफ पहुंचाता है, क्या वैसा माहौल रोगी मित्र के सहारे हो जाएगा। हाल यह है कि तीमारदार को अस्पताल की बैसाखियां ढोनी पड़ती हैं। उन्हें वार्ड कर्मचारियों के सहायक के रूप में अपना दर्द साझा करना पड़ता है। इसमें कोई शक नहीं कि अब हर घर में एक प्रशिक्षित तीमारदार होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि रोगी मित्रों की कुछ हद तक पोस्टिंग हर गांव में की जाए ताकि जब भी कोई गंभीर बीमार बड़े अस्पताल की ओर रुखसत करे, तो उसकी सेवाएं भी संलग्न हों। दरअसल अब मल्टीटास्क प्रशिक्षण की जरूरत है। निजी अस्पतालों में एंबुलेंस का चालक ही चिकित्सा सहायक व नर्स के रूप में मरीज को आक्सीजन की आपूर्ति व अन्य लाइफ सेविंग उपकरणों की दक्षता से संचालन कर सकता है, तो यही कार्य संस्कृति सरकारी अस्पतालों में भी आनी चाहिए। बेशक कई प्रयोग हो रहे हैं और व्यवस्था परिवर्तन की तर्ज पर सरकार काम करना चाहती है, लेकिन उच्च मानदंडों की अभिलाषा सरकारी कार्यसंस्कृति के पोखर में ठहर जाती है। बहरहाल रोगी मित्र जैसे सहयोगी से अस्पतालों की प्रबंधकीय शैली में अंतर आ सकता है, बशर्ते इस सारे कदमताल में केवल एक नौकरी बनकर कुछ कर्मचारी अस्पतालों में चस्पां न हो जाएं। 'रोगी मित्र' के जरिए सरकारी अस्पतालों की संवेदना बढ़ती है, कुछ हाथ बुजुर्गों के लिए बढ़ते हैं और चिकित्सकीय सेवाओं का अनुभव आत्मीयता से भर जाए, तो कौन नहीं चाहेगा कि ऐसे प्रयोग हर विभाग में कर्मचारियों में मैत्री तत्व विकसित करे।

वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच के लिए रोगी मित्र योजना एक जरूरत को पूरा कर सकती है, बशर्ते नौकरी के फितूर में यहां भी वेतन विसंगतियों का कॉडर न खुल जाए। यह सही है कि बड़े अस्पतालों खास तौर पर मेडिकल कालेजों में मरीज की तीमारदारी का हर अध्याय तकलीफ देता है। हिमाचल में सबसे लंबी कतारें अस्पतालों के ओपीडी कक्ष में, जबकि मेडिकल कालेजों के बिस्तर तक पहुंचने के लिए लगती हैं। ऐसे में रोगी मित्र योजना अगर बूढ़ों को असुविधा से बचाने, उन्हें डाक्टरों की प्राथमिक सूची तक पहुंचाने तथा चिकित्सा गाइड के रूप में आजमाने की एक व्यवस्था बनती है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। वैसे अस्पतालों में कार्यरत हर स्टाफ को यह बताने की जरूरत है कि रोगी और अस्पताल के बीच हर व्यक्ति एक कड़ी है। यहां डाक्टरों से लेकर पैरामेडिकल स्टाफ तक को रोगी मित्र बनने की आदत या नशा होना चाहिए। आश्चर्य होता है जब कोई मरीज आपातकालीन स्थिति में स्ट्रेचर जैसी वस्तु के लिए संघर्ष करते-करते मर जाता है या सप्ताहांत अस्पताल के बिस्तर तक कोई वरिष्ठ या विशेषज्ञ डाक्टर अवकाश के कारण नहीं आता।

दृष्टि कोण

सत्ता संघर्ष में एर्दोआन के उत्तराधिकारी का प्रश्न

एर्दोआन ख़ैरियत से नहीं हैं। एर्दोआन के करीबी लोगों में, उनके बाद के भविष्य को लेकर बहस फिर से तेज़ हो गई है। हालांकि पार्टी का एक हिस्सा दावा करता है कि राष्ट्रपति रेज़ेप तैय्यिप एर्दोआन खुद 2028 में पद छोड़ने का इरादा नहीं रखते, लेकिन पार्टी की अंदरूनी स्थिति उबाल पर है। वर्ष 2017 में एक जनमत संग्रह के बाद, तुर्की की सरकार संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली में बदल गई। तुर्की में संभावित उत्तराधिकारियों के नाम तेज़ी से चर्चा में आ रहे हैं। हकान फ़िदान 2010 से 2023 तक तुर्की ख़ुफ़िया एजेंसी के प्रमुख रहे हैं और अब विदेश मंत्री हैं। वह एर्दोआन के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक हैं, लेकिन राष्ट्रपति परिवार में उन्हें लेकर थोड़ी सावधानी बरती जाती है। इब्राहिम कालिन 2014 से तुर्की राष्ट्रपति के प्रेस सचिव और 2023 से राष्ट्रीय ख़ुफ़िया एजेंसी के प्रमुख हैं। उन्हें एक बुद्धिजीवी और शासन के सबसे करीबी विचारकों में से एक माना जाता है। बिलाल एर्दोआन राष्ट्रपति के बेटे हैं, मुख्य 'वंशवादी' उत्तराधिकारी और अखिल तुर्कवाद के दूत के रूप में दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी छवि कमज़ोर है। उनका अतीत निंदनीय रहा है, ख़ासकर 2013 के 'टेलीफ़ोन रिकॉर्ड' के दौरान 'लाखों लोगों के लापता होने के मामले' को लेकर। सेल्कुक बयारकतार एर्दोआन के दामाद हैं, जो बयारकतार ड्रोन के डिज़ाइनर हैं। वे तुर्की राष्ट्रवादियों के प्रतीक हैं। बेरात अल्बयारक एक और दामाद हैं, जो पूर्व वित्त और ऊर्जा मंत्री हैं, जिनके कार्यकाल में तुर्की में संकट शुरू हुआ था। लेकिन आर्थिक विफलता और घोटालों के बाद, उन्हें अपना पद खोना पड़ा। सुलेमान सोयलू एक पूर्व गृह मंत्री हैं जो सुरक्षा हलकों में प्रभावशाली हैं। लेकिन पेकर के घोटालों और आरोपों ने उनकी दावेदारी बहुत कमज़ोर कर दी। विदेश मंत्री हकान फ़िदान रूस के लिए सबसे अच्छा विकल्प लगता है। कठोर, लेकिन व्यावहारिक। सबसे विवादास्पद सेल्कुक बयारकतार हैं, जो रूसी संघ के ख़िलाफ़ पश्चिमी गठबंधन के पैरोकार हैं। वह साल 1994 था, जब एर्दोआन इस्तांबुल के मेयर बने, जबकि उनके अब कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू ने व्यवसाय प्रशासन संकाय से स्नातक किया। इमामोग्लू और एर्दोआन ने अपने राजनीतिक करियर को एक जैसे तरीक़े से बनाया है। दोनों इस्तांबुल के मेयर रहे हैं, और दोनों ही उस पद पर रहते जेल गए हैं। एर्दोआन 1994 में इस्तांबुल के मेयर बने, लेकिन पांच साल बाद एक राजनीतिक रैली में राष्ट्रवादी कविता — 'मीनारें हमारी संगीनें हैं और गुंबद हमारे हेलमेट हैं।' पढ़ने के बाद धार्मिक नफ़रत भड़काने के आरोप में उन्हें जेल भेज दिया गया। उस समय धर्मनिरपेक्ष अदालतों ने कविता को एक ख़तरे के रूप में देखा था। राष्ट्रपति बनने से पहले एर्दोआन प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने 20 से ज़्यादा वर्षों तक तुर्की पर कब्ज़ा बनाए रखा और वहां के लोकतंत्र पर अपनी पकड़ मज़बूत की। और एर्दोआन के ही रास्ते पर चलते हुए इमामोग्लू तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल के मेयर बने। इमामोग्लू लंबे समय से अपनी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के नेता रहे हैं और अब उन्हें एर्दोआन का सबसे मज़बूत प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। 19 मार्च, 2025 को, इस्तांबुल के मेयर और विपक्षी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एक्रेम इमामोग्लू को फ़र्ज़ी डिग्री, भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, रिश्वतखोरी, धन शोधन और आतंकवाद, विशेष रूप से पीकेके का समर्थन करने के संदेह में तुर्की पुलिस ने हिरासत में लिया था। तुर्की में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए, उम्मीदवार द्वारा उच्च शिक्षा पूरी कर ली होनी चाहिए। लेकिन 18 मार्च को, देश की विपक्षी पार्टी द्वारा इमामोग्लू को अपना राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करने और एर्दोआन के ख़िलाफ़ आधिकारिक चुनाव लड़ने से कुछ ही दिन पहले, उनकी डिग्री रद्द कर दी गई। इस गिरफ्तारी के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

गाजा युद्ध : हमास को ट्रंप शांति योजना मानने के लिए राजी करने में जुटा मिस्र

पेरिस, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाटी ने गुरुवार को कहा कि काहिरा, कतर और तुर्की के साथ मिलकर हमास को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमास ने इस योजना को ठुकराया, तो संघर्ष और अधिक बढ़ जाएगा।

पेरिस स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस में बोलते हुए अब्देलाटी ने कहा, हमें किसी भी पक्ष को यह बहाना नहीं देना चाहिए कि वे हमास को गाजा में नागरिकों की बर्बर हत्याओं का आधार बनाएं। यह सिर्फ 07 अक्टूबर की घटना तक सीमित नहीं है। अब यह बदले से आगे निकलकर जातीय सफाए और नरसंहार का रूप ले चुका है। अब बहुत हो चुका।

उन्होंने कहा कि स्पष्ट है, हमास को हथियार डालने होंगे और इजराइल को कोई ऐसा बहाना नहीं मिलना चाहिए जिससे वह अपना आक्रामक अभियान जारी रखे।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल की कार्रवाई में अब तक गाजा में 66,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

व्हाइट हाउस ने इस हफ्ते की शुरुआत में 20 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें तत्काल युद्धविराम, हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले इजराइल में कैद फिलिस्तीनियों की अदला-बदली, गाजा से चरणबद्ध इजराइली वापसी, हमास का निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय निकाय द्वारा संचालित एक संक्रमणकालीन सरकार का प्रावधान शामिल है। ट्रंप ने मंगलवार को हमास को इस योजना को मानने के लिए तीन से चार दिन का समय दिया है।

अब्देलाटी ने कहा कि मिस्र इस योजना को व्यवहारिक बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसके लिए और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा, इसमें अभी कई खामियां हैं, विशेषकर शासन और सुरक्षा व्यवस्था के मुद्दों पर। हम ट्रंप योजना और युद्ध समाप्त करने की उनकी दृष्टि का समर्थन करते हैं, लेकिन इसे लागू करने पर और बातचीत जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मिस्र फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन को कभी स्वीकार नहीं करेगा। विस्थापन का मतलब फिलिस्तीनी मुद्दे का अंत है। हम इसे किसी भी परिस्थिति में होने नहीं देंगे।

न्यूज ब्रीफ

भाषा आंदोलन कार्यकर्ता और रविंद्र अध्ययन के प्रतिष्ठित शोधकर्ता अहमद रफीक का 94 साल की उम्र में निधन

ढाका। भाषा आंदोलन कार्यकर्ता, कवि, निबंधकार और प्रतिष्ठित रवींद्र शोधकर्ता अहमद रफीक का 94 साल

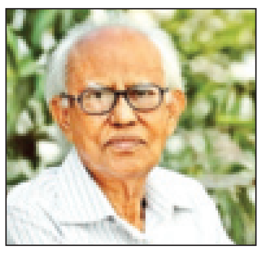

की उम्र में गुरुवार देर रात निधन हो गया। उन्होंने ढाका के बर्डेम जनरल अस्पताल के आईसीयू में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।वृद्धावस्था जनित बीमारियों से जूझ रहे अहमद रफीक को बुधवार दोपहर आईसीयू में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था। प्रमुख मीडिया समूह प्रोथोम आलो के मुताबिक 12 सितंबर, 1929 को शाहबाजपुर, ब्राह्मणबरिया में पैदा हुए रफीक ने 1952 के भाषा आंदोलन में भाग लिया और विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों के बीच इस आंदोलन के प्रमुख आंदोलनकारी बनकर उभरे। वह ढाका मेडिकल कॉलेज के एकमात्र छात्र थे जिनके खिलाफ 1954 में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। रफीक ने अपना लंबा जीवन लेखन, शोध और सांस्कृतिक गतिविधियों को समर्पित कर दिया था। 1958 में उन्होंने अपनी पहली पुस्तक शिल्पो सोंगस्कृति जीबोन (कला, संस्कृति और जीवन) प्रकाशित की। एकुशे पदक और बांग्ला अकादमी साहित्य पुरस्कार से सम्मानित रफीक ने सौ से अधिक पुस्तकों का लेखन और संपादन किया। रवींद्र अध्ययन में उनके योगदान को व्यापक रूप से मान्यता मिली और कोलकाता स्थित टैगोर शोध संस्थान ने उन्हें रवींद्र-तथोचारजो की उपाधि प्रदान की ।

अब रुस के अंदर घुसकर तेल रिफाइनरी, पावर प्लांट पर हमले करेगा यूक्रेन!

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध को नए मोड़ पर ले जाने वाला बड़ा कदम उठाया। कभी शांति वार्ता की बात करने वाले अमेरिका ने अब यूक्रेन को हर वह चीज देगा, जिससे उसे रूस से लड़ने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका अब यूक्रेन को रूस के अंदर स्थित ऊर्जा ढांचों—जैसे तेल रिफाइनरी, पाइपलाइन और पावर प्लांट को निशाना बनाने के लिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराएगा। यह पहली बार है जब वॉशिंगटन ने यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने में सहायता देने का फैसला किया है। खुफिया जानकारी के साथ यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें भी देगा अमेरिका इसका उद्देश्य रूस की ऊर्जा से कमाई को कमजोर करना है, जो युद्ध को जारी रखने का सबसे बड़ा आर्थिक स्रोत है। यह फैसला ट्रंप की ओर से रूस के खिलाफ हालिया सख्त रुख अपनाने के बाद सामने आया है। ट्रंप ने कुछ ही दिन पहले सोशल मीडिया पर लिखा था कि आर्थिक दबाव के चलते रूस मुश्किल में है और यूक्रेन यूरोपीय संघ के सहयोग से अपनी सभी जमीनें वापस ले सकता है।

दुनिया के पहले सबसे अमीर बने एलन मस्क, संपत्ति 500 अरब डॉलर तक पहुंची

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क 500 अरब डॉलर की नेट वर्थ का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले

व्यक्ति बन गए हैं। उनकी संपत्ति में बढ़त की वजह टेस्ला और स्वामित्व वाली अन्य कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा होना है। मस्क की संपत्ति सीधे तौर पर टेस्ला के शेयर से जुड़ी हुई है। 15 सितंबर तक कंपनी में उनकी हिस्सेदारी करीब 12.4 प्रतिशत थी। टेस्ला के शेयरों में 2025 में अब तक 14 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुके हैं। आखिरी कारोबारी सत्र में भी मस्क के नेतृत्व वाली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के शेयर में 3.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जिससे उनकी संपत्ति 8 अरब डॉलर से अधिक बढ़ी। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, मस्क की संपत्ति बुधवार को शाम 4:15 पर (अमेरिकी समय के अनुसार) 500.1 अरब डॉलर थी। हालांकि, शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव के चलते फिलहाल उनकी संपत्ति 499.1 अरब डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स में मस्क के बाद लैरी एलिसन का नाम आता है और उनकी संपत्ति करीब 350 अरब डॉलर डॉलर है, जो कि मस्क से करीब 150 अरब डॉलर कम है। टेस्ला के शेयर में तेजी की वजह, व्हाइट हाउस के कार्यों में समय बिताने के बाद मस्क की ओर से कंपनी पर फिर से फोकस करना है। बीते महीने टेस्ला बोर्ड के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने कहा था कि व्हाइट हाउस को महीनों देने के बाद मस्क फिर से टेस्ला को पूरा समय दे रहे हैं। इसके कुछ समय बाद मस्क ने टेस्ला के एक अरब डॉलर के शेयर खरीदने का ऐलान किया था, जिससे निवेशकों का विश्वास फिर से कंपनी पर और बढ़ा।

ढोंगी पाकिस्तान को बलूचिस्तान और पीओके को लेकर खुद के गिरेबान में झांकने की है जरूरत

जिनेवा,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते कुछ वक्त से एक ओर बलूचिस्तान और पीओके की आम-जनता पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन कर रही है। तो दूसरी ओर पाकिस्तान है कि उसे अपने घर के अंदर झांकने की फुर्सत ही नहीं है। बल्कि वो दूसरों को मानवाधिकार के मामले में उपदेश देने की कोशिश कर रहा है। ताजा मामला जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60 वें सत्र की 34वीं बैठक से जुड़ा हुआ है। जिसमें पाकिस्तान ने एक बार फिर से भारत को उपदेश देने की कोशिश की। लेकिन भारतीय राजदूत मोहम्मद हुसैन ने बड़े ही कड़े अंदाज में ऐसे अपने देश का पक्ष रखा कि जिससे पड़ोसी दुश्मन देश की बोलती बंद हो गई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों के मामले में अपने खुद के खराब रिकॉर्ड के बावजूद पाकिस्तान जैसा देश दूसरे देशों को कैसे उपदेश दे सकता है दूसरों के बारे में किसी भी तरह का गलत-भ्रामक प्रचार करने से पहले पाकिस्तान को अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले में अपनी स्थिति को जांचना-परखना चाहिए। बताते चलें कि परिषद की इस बैठक में मौजूद अन्य लोगों ने भी पाकिस्तान को मामले पर उसकी हकीकत दिखाई और जरूरी टिप्पणी भी की। हुसैन का ये जवाब पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र से जुड़े हुए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ लगातार किए जा रहे दुष्प्रचार से उसकी छवि खराब करने की कोशिशों पर तुरंत नकेल कसने के लिए दिया गया था। जिसमें उन्होंने कहा कि यह सब कुछ ऐसे समय में और अधिक हास्यास्पद लगता है। जब मानवाधिकार और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले में पड़ोसी दुश्मन देश के खुद के हालात ठीक नहीं हैं और वह दूसरों को उपदेश देने में लगा हुआ है। बैठक में मौजूद भू-राजनीतिक शोधकर्ता जोश बोज ने बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले को उठाया और कहा कि भारत की लगातार की जाने वाली आलोचना के बीच पाकिस्तान अपने बेहद संवेदनशील समुदाय की आवाज को दबाने में लगा हुआ है। जबकि इनके प्रति उसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की 2025 की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि इसके मुताबिक, पाकिस्तान में ईशनिंदा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

पाक सरकार और सेना लोगों की दबा रही आवाज, ढा रही जुल्मः मीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन लगातार जारी है और इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। वही पुलिस ने गोलियां चलाई जिस कारण 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। बुधवार रात भी प्रदर्शन जारी रहा। जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने अपनी लंबित मांगों को लेकर इस हड़ताल का आह्वान किया था। हड़ताल के दौरान विरोधी समूहों ने एक साथ प्रदर्शन किए और एक-दूसरे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़प में तीन पुलिसकर्मियों की जान चली गई और कई घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आवामी एक्शन कमेटी के वरिष्ठ नेता शौकत नवाज मीर ने इस बार इस्लामाबाद और पाक सेना पर सीधा वार किया है। मीर ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और सेना लोगों की आवाज दबा रही है और जुल्म ढा रही है। मीर का कहना है कि सत्ता में बैठे लोग केवल अमीरों और खास वर्ग को फायदा पहुंचा रहे हैं, जबकि आम कश्मीरी लगातार दबाव और दमन झेल रहा है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पहलगाम आतंकी हमले से पहले हिंदुओं को 'काफिर' कहा था। मीर ने इस बयान को पाकिस्तान की ढोंगभरी सोच का सबूत बताया। पीओके में प्रदर्शन जारी, हिंसा तीन पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल जम्मू और कश्मीर जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में पिछले कुछ हफ्तों से विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि भ्रष्टाचार पर लगाम और सेना की ज्यादतियों का अंत। इस संगठन ने सरकार को 38 सूत्री मांगपत्र भी सौंपा है, जिसमें नेताओं और अफसरों की विशेष सुविधाएं खत्म करने की बात कही गई है। लोगों की आवाज को दबाने पीओके प्रशासन ने अनिश्चितकालीन लॉकडाउन लगा दिया है। मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। हालात तनावपूर्ण हैं कि सुरक्षा बलों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आरोप लगे हैं। इससे जनता का गुस्सा और भड़क गया है।

अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर पुतिन ने की मोदी के नेतृत्व की तारीफ, भारत-रूस व्यापार असंतुलन कम करने पर बल

सोची (रूस),03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस-भारत हमेशा एक-दूसरे की संवेदनशीलता को ध्यान रखते आए हैं।दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या किसी तरह का तनाव नहीं रहा।उन्होंने अपनी सरकार को भारत के साथ व्यापार असंतुलन कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने अमेरिकी दबावों के बावजूद भारत के रूस से तेल खरीद जारी रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने दिसंबर में प्रस्तावित अपने भारत दौरे से पहले महत्वपूर्ण बयान दिया है। गुरुवार शाम दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा और भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के वलदाई डिस्कशन क्लब के पूर्ण अधिवेशन में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस और भारत के बीच व्यापार असंतुलन कम करने की जरूरत है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने अमेरिकी दबावों के बीच रूस से तेल आयात जारी रखकर अपनी संप्रभुता को मजबूत किया है।

रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन ने रूस और भारत के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि दोनों देशों को सभी उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए कुछ निश्चित दिशा में काम करने की जरूरत है। पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच लगभग 63 अरब डॉलर का व्यापार है जबकि बेलारूस में यह 50 अरब डॉलर है। साफ है कि यह दोनों देशों के संभावित अवसरों के अनुरूप नहीं है। हमें अपने अवसरों का लाभ उठाने के लिए सभी प्रकार की बाधाओं को हल करने की आवश्यकता है।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस, भारत से और अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयाँ खरीद सकता है।भारत से और अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने रूसी सरकार को भारतीय समकक्षों को सहयोग के सबसे बेहतर क्षेत्रों और व्यापार व अन्य क्षेत्रों में असंतुलन को कम करने के तरीकों पर विचार करने का निर्देश दिया है।

तालिबान के जरिए पाकिस्तान को घेरने की तैयारी

काबुल । अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी अगले हफ्ते भारत दौरे पर नई दिल्ली आएंगे। तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी नेता की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी। अमीर खान मुत्तकी 9 अक्तूबर को नई दिल्ली आएंगे। उनका ये दौरा 16 अक्तूबर तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुत्तकी पिछले महीने नई दिल्ली आने वाले थे, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रतिबंधों के तहत उन पर लगे यात्रा प्रतिबंध के कारण उनकी यात्रा रद्द कर दी गई थी। सुरक्षा परिषद ने 30 सितंबर को दी यात्रा की मंजूरी अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा की मंजूरी दे दी है। सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1988 (2011) के तहत तालिबान से जुड़े कुछ लोगों पर यात्रा प्रतिबंध लागू हैं। हालांकि, परिषद के पास आधिकारिक कर्तव्यों या चिकित्सा कारणों से तालिबानी नेताओं को यात्रा प्रतिबंध में छूट देने का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बयान में बताया कि 30 सितंबर 2025 को सुरक्षा परिषद समिति ने अमीर खान मुत्तकी की नई दिल्ली यात्रा की मंजूरी दी। अफगानी मीडिया ने बताया कि मुत्तकी 6 अक्तूबर को मॉस्को फॉर्मेट वार्ता के सातवें दौर में भाग लेने के लिए पहले मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे भारत आएंगे।

इजरायल ने कहा-तत्काल खाली कर दें गाजा, जो रहेंगे उन्हे आतंकी मानेंगे

गाजा,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजरायल ने चेतावनी देते हुए साफ कहा कि गाजा पट्टी को तत्काल खाली कर दें। जो लोग यहां रहेंगे वे आतंकी माने जाएंगे। इस चेतावनी से स्पष्ट हो गया है कि गाजा में हमले बढ़ेंगे और वहां रहने वाले लोगों की जान को खतरा हो सकता है। यह चेतावनी उस वक्त आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास का कोई जवाब नहीं आया। उधर ट्रंप ने चेताते हुए कहा था कि अंजाम बुरा हो सकता है। फिलिस्तीनियों को गाजा शहर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि यह उनके लिए 'अंतिम अवसर' है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शहर में रुकेंगे, उन्हें आतंकवादियों का समर्थक माना जाएगा और उन्हें इजरायल के ताजा हमलों का सामना करना पड़ेगा। इस बीच गाजा के स्थानीय अस्पतालों ने जानकारी दी है कि इजरायल द्वारा बुधवार को किए गए हमलों में कम से कम 16 फिलिस्तीनी मारे गए।

ये घटनाक्रम ऐसे समय हुए हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को इजरायल में किये गए हमले के बाद शुरू युद्ध को समाप्त कराने के लिए 20 सूत्र नया प्रस्ताव पेश किया है और फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन उस पर विचार कर रहा है। पिछले महीने इजरायल द्वारा गाजा पर कब्जा करने के लिए शुरू किए गए बड़े हमले के बाद से लगभग चार लाख फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। लेकिन हजारों लोग अब भी वहां हैं, जिनमें से कई इतने कमजोर हैं कि दक्षिणी हिस्से में स्थित शिविरों तक नहीं जा सकते।

इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह उन गाजा निवासियों के लिए अंतिम अवसर है जो दक्षिण की ओर जाना चाहते हैं और हमास आतंकवादियों को गाजा शहर में अलग-थलग छोड़ना चाहते हैं। जो लोग गाजा में रहेंगे उन्हें आतंकवादी और आतंकवाद समर्थक माना जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक केंद्र में थे।

चीन नहीं खरीद रहा अमेरिका से सोयाबीन, ट्रंप टेंशन में अब करेंगे जिनपिंग से मुलाकात

वाशिंगटन,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जल्द मुलाकात करने वाले हैं। दरअसल अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते कारोबारी तनाव के बीच ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वे अगले चार हफ्तों में जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में सोयाबीन पर खास चर्चा हो सकती है। अमेरिका-चीन के बीच हाल के महीनों में टैरिफ वॉर तेज हुआ है। वॉशिंगटन ने चीनी माल पर 145फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ाया था, जिसके बाद बीजिंग ने भी काउंटर-टैरिफ और एक्सपोर्ट कंट्रोल लगाकर जवाब दिया। मई में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद हालात कुछ सुधरे थे और अमेरिका ने अधिकतर शुल्क घटाकर 30फीसदी कर दिए थे। फिलहाल अमेरिकी टैरिफ 55फीसदी के आसपास है।

वहीं अब डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि चीन के अमेरिकी सोयाबीन नहीं खरीदने से अमेरिकी किसानों को बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन इस कदम का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए कर रहा है। ट्रंप ने लिखा हमारे देश के सोयाबीन किसानों को नुकसान हो रहा है क्योंकि चीन सिर्फ मोलभाव के लिए उनकी फसलें नहीं खरीद रहा। उन्होंने कहा कि टैरिफ से इकट्ठा हुई रकम का कुछ हिस्सा किसानों को नुकसान की भरपाई के लिए दिया जाएगा।

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने उस व्यापार समझौते को लागू नहीं किया, जिसमें चीन को अरबों डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने थे। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि जिनपिंग के साथ होने वाली बैठक में सोयाबीन और अन्य फसलों पर बातचीत होगी और किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, मैं अपने किसानों को कभी निराश नहीं करूंगा।

डेल्टा एयरलाइन के विमान आपस में टकराए, एक का पंख तो दूसरे की नोज टूटी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बुधवार रात ला गार्डिया एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स आपस में टकरा गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक डेल्टा रीजनल जेट गेट की ओर बढ़ रहा था, जबकि उसी समय दूसरी डेल्टा फ्लाइट लैंडिंग के बाद गेट की तरफ आ रही थी। इसी दौरान दोनों के रास्ते टकरा गए और अचानक रीजनल जेट का पंख दूसरी फ्लाइट की नोज से जा टकराया। टक्कर से रीजनल जेट का पंख टूटकर गिर गया। यात्रियों में मचा हड़कंप, सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीरें वायरल एटीसी के ऑडियो के हवाले से कहा गया है कि पायलट्स ने स्थिति को तुरंत रिपोर्ट किया, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। इस टक्कर के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों को अचानक जोर का झटका लगा और लोग डर के मारे उठ खड़े हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि बड़ा नुकसान नहीं हुआ। एक यात्री के घायल होने की खबर है। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है। फोटो में साफ दिख रहा है कि एक विमान का पूरा पंख गायब है, जबकि दूसरी फ्लाइट का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिस विमान ने टक्कर मारी है उस पर नंबर 15480 साफ नजर आ रहा है।

मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में जीता रजत पदक

फोर्डे (नॉर्वे),03 अक्टूबर (एजेंसियां) । आभारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर देश को तीन साल बाद इस प्रतियोगिता में पदक दिलाया।

चानू ने कुल 199 किग्रा (84 किग्रा स्नैच + 115 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का भार उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनका 2022 के बाद पहला विश्व चैंपियनशिप और पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के बाद दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय इवेंट था।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा से शुरुआत की और कांस्य पदक सुनिश्चित किया, लेकिन 87 किग्रा पर दो बार असफल रहीं। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109 किग्रा और 112 किग्रा सफलतापूर्वक उठाने के बाद 115 किग्रा का भार उठाकर रजत पदक पक्का किया।

इस स्पर्धा का स्वर्ण उत्तर कोरिया की मौजूदा चैंपियन री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91 किग्रा स्नैच + 122 किग्रा क्लीन एंड जर्क) के साथ जीता, जिसमें क्लीन एंड जर्क विश्व रिकॉर्ड भी शामिल है। थाईलैंड की थान्याथोन सुखचारोएन ने 198 किग्रा (88 किग्रा + 110 किग्रा) उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मीराबाई चानू का विश्व चैंपियनशिप करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2017 में ऐनाहाइम में 194 किग्रा उठाकर स्वर्ण जीता था और कर्णम मल्लेश्वरी (1995) के बाद भारत की पहली विश्व चैंपियन बनी थीं। 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता, जबकि 2023 में चोट से बचने के लिए उन्होंने प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था।

इस रजत पदक के साथ भारत का वेटलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में कुल पदक आंकड़ा 18 हो गया है, जिसमें सभी पदक महिलाओं ने जीते हैं — 3 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य।

चानू ने पिछले महीने अहमदाबाद में हुए कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में 193 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता था और 2026 ग्लास्गो कॉमनवेल्थ खेलों के लिए सीधी क्वालिफिकेशन भी हासिल की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान को हराकर विश्वकप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम

कोलंबो। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम ने महिला विश्वकप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी विश्वकपक अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं भारतीय टीम तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलियाई टीम है। अंक तालिका पर नजर डालें तो अभी तीनों ही टीमों के 2-2 अंक है, मगर बेहतर नेट रन रेट के कारण ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश की टीमें भारतीय टीम से आगे हैं। वहीं श्रीलंकाई टीम 6ठे, पाकिस्तान 7वें और न्यूजीलैंड सबसे नीचे 8वें नंबर पर है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए पाकिस्तान की टीम ने 38.3 ओवर में ही 129 रनों पर आउट हो गयी। पाक टीम की एक भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। बांग्लादेश की ओर से शोर्ना अख्तर ने 3.3 ओवर में ही 5 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 130 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश का पहला विकेट शुरुआत में ही गिर गया।

भारतीय ए महिला हॉकी टीम चीन दौरे के लिए तैयार, मनीषा चौहान होंगी कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय ए महिला हॉकी टीम चीन दौरे के लिए तैयार है। इस दौरान टीम 13 से 21 अक्टूबर

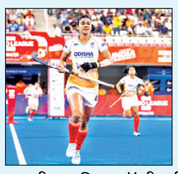

2025 तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज़ खेलेगी। सभी मुकाबले डालियान स्थित लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में खेले जाएंगे। यह दौरा भारतीय महिला हॉकी की नई पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव दिलाने और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल से रूबरू कराने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय ए टीम 13 से 21 अक्टूबर तक लियाओनिंग के खिलाफ खेलेगी पांच मैचों की सीरीज भारतीय ए और लियाओनिंग टीम के बीच मुकाबले 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इस दौरे को भारतीय महिला हॉकी कार्यक्रम के विकास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को नए माहौल में ढालना और उन्हें उच्च स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान को सौंपी गई है, जो अपने नेतृत्व और रणनीतिक समझ के लिए जानी जाती हैं। टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी भारतीय महिला हॉकी टीम के एनालिटिकल कोच डेव स्मोलेनर्स संभालेंगे। डेव स्मोलेनर्स ने कहा, हमने एक संतुलित और युवा टीम तैयार की है, जिसमें अपार संभावनाएं हैं। चीन दौरा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमताएं दिखाने, नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर है। मुझे विश्वास है कि यह खिलाड़ी दृढ़ संकल्प और टीमवर्क के साथ इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे। भारत ए महिला टीम (19 सदस्यीय) – चीन दौरे के लिए, गोलकीपर :– बंसरी सोलंकी, माधुरी किंडो। डिफेंडर :– मनीषा चौहान (कप्तान),अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री,महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग।, मिडफील्डर :– सुजाता कुजुर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजुर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दिपि मोनिका टोप्पो।, फॉरवर्ड :– अलबेला रानी टोप्पो, ऋतिका सिंह, अन्नु, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपदकर, सेलेस्टिना होरो।

ऋषभ गोल्फ खेलते दिखे

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौर में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल गोल्फ खेलकर समय बिता रहे हैं। ऋषभ का गोल्फ खेलते हुए का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उन्हें अभी तक फिटनेस हासिल नहीं करने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभी उनकी जगह पर युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर एक तौर पर रखा गया है। ऋषभ जुलाई में इंग्लैंड दौरे के समय ही पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में एक लिखा : गेंद हर जगह गई। सिवाय इसके की जहां उसे चाहिए था। वीडियो में वह गेंद को पुट करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं अंत में होल में डालने के बाद उत्साहित नजर आये। वह चोटिल होने के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाये।

पदक तालिका में ब्राज़ील शीर्ष पर मज़बूत, डेब्रुनर ने जीता चौथा स्वर्ण

नई दिल्ली,03 अक्टूबर (एजेंसियां) । ब्राज़ील की एंटोनिया कायला दा सिल्वा बारोस ने गुरुवार को 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर टी20 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 4 मिनट 19.22 सेकंड में दौड़ पूरी कर पोलैंड की दिग्गज एथलीट और छह बार की विश्व चैंपियन बारबरा बिएगानोव्स्का-जजाक को पछाड़ दिया। बारोस की यह जीत और भी खास रही क्योंकि उन्होंने अंतिम लैप से पहले ही बढ़त बना ली थी। टोक्यो 2020 पैरा ओलंपिक खेलों में साथी ब्राज़ीलियाई एथलीट एडनेउसा डी जीसस सैंटोस डॉर्टा की गाइड रनर रह चुकीं बारोस ने इस उपलब्धि से अपने करियर में नया मुकाम हासिल किया। ब्राज़ील की एक और खिलाड़ी वाना ब्रिटो ओलिवेरा ने महिलाओं की शॉट पुट एफ32 स्पर्धा में भी विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। इन सफलताओं के साथ ब्राज़ील ने 12 स्वर्ण, 16 रजत और 7 कांस्य पदक लेकर पदक तालिका में अपना दबदबा बनाए रखा। वहीं चीन (8-10-9) अब बाकी तीन दिनों में कड़ी चुनौती के सामने है।

हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रुनर ने गुरुवार को महिलाओं की 100 मीटर टी53 में चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अब तक 100 मीटर से लेकर 5000 मीटर तक सभी इवेंट्स में बाज़ी मारी है। भारत की ओर से पैरिस 2024 पैरा ओलंपिक चैंपियन धरमबीर नैण (36 वर्ष) और अतुल कौशिक (29 वर्ष) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत के खाते में दो और पदक जोड़े। लेकिन लगातार दूसरे दिन स्वर्ण पदक से वंचित रहने के कारण मेज़बान भारत चौथे स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर चला गया है। अब तक भारत के पास 4 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक हैं।

कोलंबिया की करेन टी पालोमेके एम ने महिलाओं की 200 मीटर टी38 स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर अपनी टीम को छठे स्थान पर पहुंचाया। इटली और स्विट्ज़रलैंड ने भी गुरुवार को अपने-अपने पांचवे स्वर्ण पदक जीते।

धरमबीर नैन ने आखिरी प्रयास में 29.71 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर बढ़त बनाई, लेकिन सर्बिया के अलेक्ज़ांडर रेडिसिक ने 30.36 मीटर थ्रो कर स्वर्ण छीन लिया। वहीं, पैरिस 2024 के रजत विजेता प्रणव सूरमा नौ खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में पाँचवें स्थान पर रहे।

अतुल कौशिक का कांस्य भी काफ़ी नाटकीय अंदाज़ में पक्का हुआ। उज़्बेकिस्तान के योरकिनबेक ओदिलव ने पाँचवे प्रयास में 45.05 मीटर फेंका और आखिरी थ्रो सेक्टर से बाहर चला गया। इससे 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को राहत मिली कि कांस्य उनके नाम रहेगा।

दिन में भारत के दो खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए। सुबह डिस्कस थ्रो एफ37 में हनी और शाम को 400 मीटर में दिलीप महादु गावित चौथे स्थान पर रहे। 22 वर्षीय गावित ने 48.61 सेकंड का समय निकाला लेकिन अंतिम 100 मीटर में अपनी गति बरकरार नहीं रख सके।

बारिश के कारण पुरुषों की लॉन्ग जंप टी64 और शॉट पुट एफ46 फ़ाइनल को स्थगित करना पड़ा। हालांकि आयोजकों ने प्रयास कर डिस्कस थ्रो टी57 और क्लब थ्रो एफ51 फ़ाइनल को दोबारा शुरू कर पूरा कराया।

नामीबिया और जिम्बाब्वे ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

हरारे। नामीबिया और जिम्बाब्वे ने गुरुवार को यहां खेले गए अफ्रीकी क्वालिफायर के सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर 2026 टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह विश्व कप अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में आयोजित होगा। नामीबिया ने तंजानिया को 63 रन से हराया। टीम के स्टार ऑलराउंडर जे.जे. स्मिट ने 43 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए और गेंदबाजी में 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट भी लिए। दूसरे सेमीफाइनल में मेज़बान जिम्बाब्वे ने केन्या को सात विकेट से पराजित किया। 123 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रायन बेनेट ने सिर्फ 25 गेंदों पर 51 रन की तूफ़ानी पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इन जीतों के साथ नामीबिया और जिम्बाब्वे दोनों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब दोनों टीमें शनिवार को अफ्रीकी क्वालिफायर के फाइनल में आमने-सामने होंगी। अब तक 20 में से 17 टीमों ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि शेष तीन स्थान एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्वालिफायर से तय होंगे, जो अगले सप्ताह ओमान में शुरू होंगे।

बांग्लादेश ने रोमांचक मुकाबले में अफगानिस्तान को हराया, सीरीज़ में 1-0 की बढ़त

शारजाह,03 अक्टूबर (एजेंसियां) । बांग्लादेश ने राशिद खान की शानदार गेंदबाज़ी के बावजूद तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के पहले मुकाबले में गुरुवार देर रात अफगानिस्तान को 4 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बना ली।

लक्ष्य 152 रनों का था, जहां बांग्लादेश ने शुरुआती जोड़ी के शानदार अर्धशतकों के दम पर मजबूत शुरुआत की लेकिन बीच में राशिद ने मैच का रुख बदल दिया।

बांग्लादेश ने पारी की शुरुआत संभलकर की और पहले तीन ओवरों में सिर्फ 14 रन बनाए। इसके बाद तंजीद हसन तमीम और परवेज हुसैन इमरान ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए पावरप्ले में 50 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाज़ों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और टीम का स्कोर 10 ओवर में बिना विकेट खोए 95 पर पहुंचा दिया।

ऐसा लग रहा था कि मैच एकतरफा हो जाएगा, लेकिन फरीद अहमद ने अफगानिस्तान को पहला झटका दिया और इसके बाद राशिद खान ने घातक स्पेल डालते हुए मैच को रोमांचक बना दिया। राशिद ने एक ही ओवर में तंजीद और सैफ ह़सन को आउट किया और फिर अपने आखिरी ओवर में दो और विकेट झटके। इस दौरान बांग्लादेश 109/0 से अचानक 118/6 पर पहुंच गया।

हालांकि, नुरुल हसन और रिशत हुसैन ने संभलकर बल्लेबाज़ी की और अहम मौकों पर बाउंड्री लगाई। आखिर में नुरुल हसन ने लगातार दो छक्के लगाकर 19वें ओवर में ही जीत दिला दी।

इससे पहले अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 151/9 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि मोहम्मद नबी ने 38 रन की तेज़ पारी खेली। आखिरी ओवरों में नबी और शरफुद्दीन अशरफ की पारियों की बदौलत टीम 150 से आगे पहुंची।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

अफगानिस्तान – 151/9, 20 ओवर (रहमानुल्लाह गुरबाज़ 40, मोहम्मद नबी 38; रिशत हुसैन 2/33)

बांग्लादेश – 153/6, 18.4 ओवर (परवेज हुसैन इमरान 54, तंजीद हसन तमीम 51; राशिद खान 4/18)।

चीन ओपन टेनिस में खेलती हुई कोको गाफ

बीजिंग में चीन ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की कोको गाफ।

नेशनल पिकलबॉल टूर्नामेंट के लिए इंदौर में राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता

100 से अधिक खिलाड़ी होंगे शामिल; 14 से 60+ आयु वर्ग तक के होंगे एकल और युगल मुकाबले

इंदौर,03 अक्टूबर (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा नेशनल पिकलबॉल टूर्नामेंट के लिए राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन 3 और 4 अक्टूबर को पीपल्याहाना स्थित साफ्ट सर्व कोर्ट पर किया जा रहा है। यह चयन प्रतियोगिता बेंगलुरु में 13 से 16 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए है, जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के तत्वावधान में होगा।

टूर्नामेंट का शुभारंभ 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मालवा काउंटी के डायरेक्टर कुलभूषण मित्तल कुक्की करेंगे। मालवा काउंटी की सहभागिता में आयोजित इस स्पर्धा में 100 से अधिक खिलाड़ी पूरे प्रदेश के ग्वालियर, धार, खंडवा, खरगोन, रतलाम, मंदसौर सहित विभिन्न जिलों से शामिल होंगे।

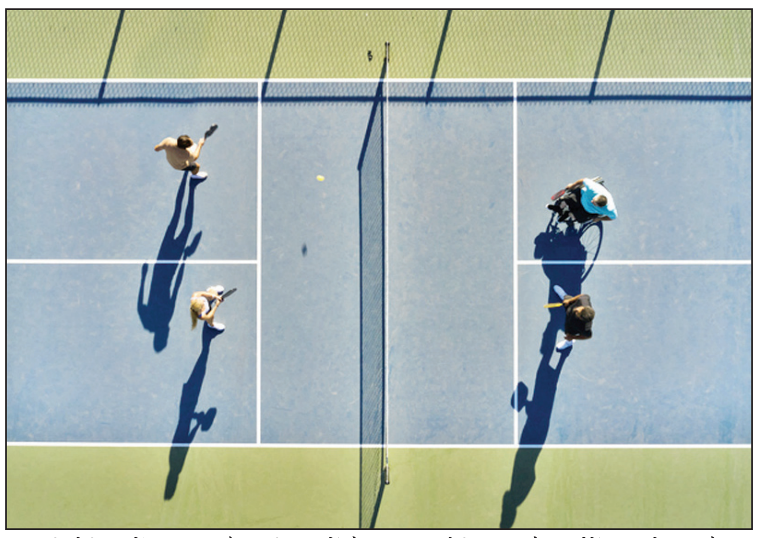

प्रतियोगिता में बालक और बालिकाओं के लिए 14, 16 एवं 18 वर्ष आयु के एकल और युगल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अलावा, महिलाओं और पुरुषों के लिए भी ओपन मुकाबले (30+, 40+, 50+ और 60+ आयु वर्ग) आयोजित किए जाएंगे।

एसोसिएशन के टूर्नामेंट डायरेक्टर केशव पाटीदार ने बताया कि इन मुकाबलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित नेशनल टूर्नामेंट में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिपः एरेल मिडलटन ने अनुभवी चीनी स्टार याओ जुआन को हराया

नई दिल्ली,03 अक्टूबर (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका की युवा एरेल मिडलटन ने शुक्रवार को यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अनुभवी चीनी स्टार याओ जुआन का दबदबा तोड़ दिया।

दोनों एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत ज़ोरदार थी और एरेल मिडलटन ने बिना समय गंवाए चुनौती पेश की। 12.38 मीटर के प्रयास से उन्होंने शुरुआती राउंड के बाद पोल पोज़िशन बरकरार रखी। चीनी दिग्गज ने सर्कल में अपनी दूसरी बार 12.42 मीटर थ्रो के साथ जवाब दिया और 12.82 मीटर के प्रयास के साथ बढ़त बढ़ा दी।

पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में स्न64 में रजत पदक जीतने वाली 17 वर्षीय लंबी कद-काठी वाली एरेल मिडलटन हार मानने को तैयार नहीं थीं। उन्होंने अपनी चौथी बार 12.95 मीटर थ्रो करके खुद को पूरी तरह से तैयार कर लिया। उन्होंने 12.93 मीटर से ज़्यादा की एक और बड़ी थ्रो फेंकी जिससे पता चला कि उनका पिछला प्रयास कोई क्षणिक सफलता नहीं थी।

लगभग 25 साल पहले प्रतिस्पर्धा शुरू करने वाली और छह पैरालंपिक खेलों के स्वर्ण और 10 विश्व चैंपियनशिप खिताबों के साथ दबाव से निपटने में माहिर 44 वर्षीय याओ जुआन ने अपने अंतिम प्रयास में अपना सब कुछ झोंक देने से पहले दो प्रयास फ़ाउल किए। इसका परिणाम सुबह का उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो- 12.52 मीटर रहा, जिससे अमेरिकी खिलाड़ी को स्वर्ण पदक मिला।

मिडलटन की जीत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को ज़्यादा रजत पदकों के साथ तालिका में भारत से आगे निकलने में मदद की। अमेरिका 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि भारत के 4 स्वर्ण, 5 रजत और 2 कांस्य पदक हैं और वह आठवें स्थान पर खिसक गया है।

भारत की पाँचवें स्वर्ण पदक की उम्मीदें सिमरन पर टिकी हैं, जिन्होंने सेमीफ़ाइनल में 12.08 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर टी12 फ़ाइनल में आसानी से प्रवेश किया। उमर सैफी को अपना मार्गदर्शक बनाकर दौड़ते हुए, उन्होंने अपनी ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया और स्पेन की नागोर फोल्गाडो गार्सिया की कड़ी चुनौती को हराकर शुक्रवार शाम के फाइनल में जगह बनाई।

इस बीच, ब्राज़ील 12 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चीन को पोलैंड के एथलीटों के कड़े प्रदर्शन से जूझना पड़ा। फॉस्टिना कोटलोवस्का द्वारा 10.88 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ महिलाओं की शॉट पुट स्न64 स्पर्धा का खिताब जीतने के बाद दोनों देशों के खाते में 8-8 स्वर्ण पदक हैं।

भारत इस दौर में विनिर्माण क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने का संकल्प ले

चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने महिंद्रा ग्रुप की 80वीं वर्षगांठ पर दिया बयान

नई दिल्ली,03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि मौजूदा अस्थिर समय भारत के लिए तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने का बड़ा अवसर लाया है। उन्होंने कहा कि देश को इस दौर में विनिर्माण क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने का संकल्प लेना चाहिए। यह बयान उन्होंने महिंद्रा ग्रुप की 80वीं वर्षगांठ पर दिया। साल 1945 में स्थापित यह समूह आज 100 से ज्यादा देशों में 3,24,000 कर्मचारियों के साथ दुनिया का प्रमुख बहुराष्ट्रीय समूह बन चुका है।

आनंद महिंद्रा ने कहा कि महिंद्रा ग्रुप की नींव उस समय रखी थी जब भारत आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था। उस दौर में संस्थापकों का मकसद था देश के विकास में योगदान देना, उद्योग खड़ा करना और रोजगार पैदा करना। आज 80 साल बाद कंपनी उसी सोच के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता भारत के लिए एक नया अवसर है, जिसमें देश तकनीकी और विनिर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम रख सकता है।

महिंद्रा ग्रुप का मानना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण जरूर हैं, लेकिन भारत के पास वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनने का अवसर भी है। बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, विशाल युवा कार्यबल और सरकार की अनुकूल नीतियां इस दिशा में भारत को मजबूती देती हैं। आने वाले समय में भारत सिर्फ उपभोक्ता ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग का निर्माता बनकर उभरेगा।

महिंद्रा समूह के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने कहा कि कंपनी आज भी अपने संस्थापकों के मूल सिद्धांतों- उद्यमिता, ईमानदारी, विविधता और भारत के भविष्य के प्रति निडर आशावाद को आगे बढ़ा रही है। इन्हीं मूल्यों की वजह से समूह आज नवाचार, समुदाय सशक्तिकरण और सकारात्मक वैश्विक बदलाव की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में महिंद्रा ग्रुप भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की यात्रा में अहम भूमिका निभाएगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में तेजी, समझौते की उम्मीद, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भारत के रुख को बताया व्यावहारिक

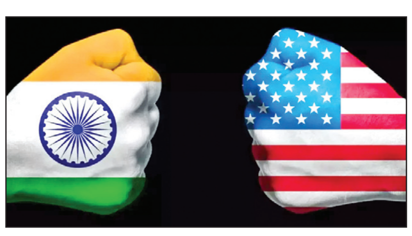

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं ने रफ्तार पकड़ ली है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने भारत के दृष्टिकोण को व्यावहारिक बताते हुए कहा कि दोनों देश पारस्परिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। न्यूयॉर्क इकोनॉमिक क्लब में अनौपचारिक चर्चा के दौरान ग्रीर ने संकेत दिए कि बातचीत सकारात्मक दिशा में है। उन्होंने कहा कि हम पहले दिन से ही भारतीयों के साथ व्यापार के मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। 50 फीसदी टैरिफ में से आधा व्यापार से जुड़ा है और इस पर हम समझौते की कोशिश कर रहे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ग्रीर के बीच 22 सितंबर को हुई बैठक के बाद यह बयान सामने आया है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने समझौते के संभावित ढांचे पर चर्चा की और जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद जताई। रूसी तेल खरीद को लेकर लगे 25 फीसदी अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ पर भी चर्चा हुई। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका भारत पर कुछ थोप नहीं रहा, बल्कि यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में सहयोग चाहता है। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों में बदलाव कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी भारत को महत्वपूर्ण साझेदार बताया और संकेत दिए कि अमेरिका टैरिफ में राहत पर विचार कर सकता है। यह बातचीत दर्शाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रणनीतिक और ऊर्जा सुरक्षा जैसे विषयों से भी गहराई से जुड़े हैं।

नौ महीने में ही एफआईआई ने निकाले 2 लाख करोड़

नई दिल्ली। साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए एक चुनौतीपूर्ण साल बन गया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की है जो अब तक का सबसे बड़ा आउटफ्लो है। पिछले साल 2024 भी एफआईआई ने करीब 1.21 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे, लेकिन 2025 में ये आंकड़ा कई गुना बढ़ गया है। साल के खत्म होने में अभी तीन महीने बाकी हैं, ऐसे में और बिकवाली की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। एफआईआई की इस आक्रामक निकासी के पीछे कई बड़े कारण हैं। भारत में कॉरपोरेट अर्निंग्स कमजोर हुई हैं, जबकि स्टॉक्स का वैल्यूएशन महंगा बना हुआ है। साथ ही रुपया कमजोर होने से करेंसी रिस्क बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर भूराजनीतिक तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों ने भी अनिश्चितता को बढ़ाया है। इसके अलावा सेबी द्वारा 2024 में लागू किए गए सख्त नियमों जैसे हाई-रिस्क एफपीआई को अंतिम लाभार्थी बताने से कुछ विदेशी फंड्स ने पारदर्शिता से बचने के लिए बाजार से पैसे निकाल लिए। इस संकट के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार को सहारा दिया है।

भारत में पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध नया कानून 2 अक्टूबर से लागू, ऑनलाइन गेम्स खेलने पर लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एंड रेगुलेशन एक्ट, 2025 को 2 अक्टूबर से देशभर में लागू कर दिया है। इस नए कानून के तहत पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति या कंपनी इस नियम का उल्लंघन करती है, तो उस पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सरकार का कहना है कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन जुए से जुड़े सामाजिक और मानसिक जोखिमों को कम करना है। हाल के वर्षों में ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान उठाने के कारण कई युवाओं द्वारा आत्महत्या जैसे कदम उठाने की घटनाएं सामने आई थीं। इसके अलावा, सरकार को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग की गतिविधियों में भी इन प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल की जानकारी मिली थी। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह फैसला समाज की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने कहा कि गेमिंग कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी, लेकिन सुधार नहीं होने के कारण यह कदम उठाना पड़ा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बच्चों के खिलाफ...

और 7,397 पीड़ित, जबकि राजस्थान में 6,180 मामले और 6,237 पीड़ित सामने आए। ये आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराधों में सबसे आगे ये पांच राज्य रहे।

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े मामलों में, जो प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज (पॉक्सो) एक्ट के तहत दर्ज हुए, कुल 67,694 मामले और 68,636 पीड़ित सामने आए। इनमें सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए, जहां 8,706 घटनाएं और 8,966 पीड़ित थे। इसके बाद महाराष्ट्र में 8,639 मामले और 8,761 पीड़ित, मध्य प्रदेश में 6,517 मामले और 6,559 पीड़ित, तमिलनाडु में 4,581 मामले और 4,728 पीड़ित, जबकि कर्नाटक में 3,878 मामले और 3,992 पीड़ित दर्ज किए गए। ये पांच राज्य पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज अपराधों में सबसे ऊपर रहे।

साल 2023 में पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 को आईपीसी की धारा 376 के साथ मिलाकर देखे तो कुल 40,434 मामले दर्ज हुए, जिनमें 40,846 पीड़ित थे। इनमें से ज्यादातर मामले लड़कियों से जुड़े थे। 40,046 मामले और 40,423 पीड़ित। वहीं, लड़कों से जुड़े 388 मामले दर्ज हुए, जिनमें 423 पीड़ित शामिल थे। इसी तरह, पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और 10 को आईपीसी की धारा 354 के साथ मिलाकर देखें तो कुल 22,444 मामले दर्ज हुए, जिनमें 22,868 पीड़ित थे। इनमें से 22,149 मामले लड़कियों से जुड़े थे, जिनमें 22,557 पीड़ित थीं, जबकि 295 मामले लड़कों से जुड़े थे, जिनमें 311 पीड़ित दर्ज किए गए।

साल 2023 में बच्चों से जुड़े कई गंभीर मामले पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज किए गए। पॉक्सो की धारा 12 और आईपीसी की धारा 509 के तहत कुल 2,826 मामले दर्ज हुए, जिनमें 2,910 पीड़ित थे, जिनमें से 2,778 मामले लड़कियों और 48 मामले लड़कों से जुड़े थे। वहीं, पॉक्सो की धारा 14 और 15 को आईपीसी की धारा 376, 354 और 509 के साथ मिलाकर देखें तो 722 मामले दर्ज हुए, जिनमें 727 पीड़ित थे, जिनमें से 698 मामले लड़कियों और 24 मामले लड़कों से जुड़े थे।

पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की धारा 377 के तहत 734 मामले दर्ज हुए, जिनमें 745 पीड़ित थे, इसमें 48 मामले लड़कियों और 686 मामले लड़कों से जुड़े थे। इसके अलावा, पॉक्सो की धारा 17 से 22 के तहत 534 मामले दर्ज हुए, जिनमें 540 पीड़ित थे, जिनमें से 513 मामले लड़कियों और 21 मामले लड़कों के थे। साल 2023 में बाल विवाह प्रतिबंध कानून के तहत भी 6,038 मामले दर्ज हुए, जिनमें 6,051 बच्चे पीड़ित बने। ये आंकड़े बच्चों के खिलाफ अपराधों और बाल संरक्षण की गंभीरता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

साल 2023 में साइबर अपराध/सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत बच्चों से जुड़े 1,681 मामले दर्ज हुए, जिनमें 1,736 पीड़ित थे। इसमें 1,499 मामले और 1,536 पीड़ित ऐसे थे जो बच्चों को यौन कृत्यों में दिखाने वाले सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण से जुड़े थे। सभी अपराधों को मिलाकर देखें तो बच्चों के खिलाफ कुल 1,77,335 मामले और 1,86,521 पीड़ित दर्ज किए गए। राज्यों की स्थिति देखें तो मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 22,393 मामले और 23,149 पीड़ित, महाराष्ट्र में 22,390 मामले और 23,555 पीड़ित, उत्तर प्रदेश में 18,852 मामले और 19,362 पीड़ित, राजस्थान में 10,577 मामले और 10,684 पीड़ित और असम में 10,174 मामले और 10,404 पीड़ित दर्ज किए गए। ये पांच राज्य बच्चों के खिलाफ अपराधों में सबसे आगे रहे।

साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों के निपटान की स्थिति भी सामने आई। पुलिस द्वारा निपटाए गए मामलों की संख्या साल के अंत तक कुल 1,74,667 रही। इसमें 158 मामले जांच के दौरान रद्द किए गए, 65 मामले ठहराए गए और 82,930 मामले जांच के लिए लंबित रहे। अदालतों द्वारा निपटाए गए मामलों के अनुसार, कुल 57,424 ट्रायल पूरे किए गए, जबकि 63,335 मामले अदालतों द्वारा निपटाए गए और 5,90,755 मामले ट्रायल के लिए लंबित रहे। अभियुक्तों के निपटान के आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों के खिलाफ अपराधों में कुल 19,371 लोग दोषी पाए गए, जिनमें 19,135 पुरुष और 236 महिलाएं शामिल थीं। वहीं, 3,290 लोग बरी किए गए (3,227 पुरुष और 63 महिलाएं) और 47,025 लोग (45,839 पुरुष और 1,186 महिलाएं) आरोपमुक्त हुए।

साल 2023 में पॉक्सो एक्ट के तहत बच्चों के पीड़ितों की उम्र और अपराधियों के संबंध से जुड़े आंकड़े सामने आए। 6 साल से कम उम्र के बच्चों में 28 लड़के और 734 लड़कियां शामिल थीं, कुल 762 पीड़ित बने। 6 से 12 साल के बच्चों में 141 लड़के और 3,088 लड़कियां, कुल 3,229 पीड़ित थे। 12 से 16 साल के समूह में 157 लड़के और 15,287 लड़कियां, कुल 15,444 पीड़ित बने। 16 से 18 साल की उम्र में 97 लड़के और 21,314 लड़कियां, कुल 21,411 पीड़ित थीं। सभी उम्र के बच्चों को मिलाकर कुल 423 लड़के और 40,423 लड़कियां, यानी 40,846 पीड़ित हुए। पीड़ितों के अपराधियों के संबंध की जानकारी देखें तो 39,076 मामले ऐसे थे जहां आरोपित पीड़ित को जानता था। इसमें 3,224 मामले परिवार के सदस्य, 15,146 मामले परिवार के दोस्त, पड़ोसी, नियोक्ता या अन्य परिचित व्यक्ति और 20,706 मामले दोस्तों, ऑनलाइन दोस्तों या विवाह के बहाने रहने वाले साथी से जुड़े थे। इसके अलावा, 1,358 मामले ऐसे थे जिनमें अपराधी अज्ञात थे या पहचाने नहीं जा पाए। कुल मिलाकर 40,434 मामले दर्ज हुए।

एनसीआरबी 2023 के आंकड़े यह साफ करते हैं कि बच्चों के खिलाफ अपराध भारत में अब भी गहरी और जड़ें जमाई समस्या बनी हुई है। अपहरण से लेकर साइबर शोषण तक सभी श्रेणियों में लगातार वृद्धि यह दर्शाती है कि मजबूत कानूनों के बावजूद बच्चे अब भी बेहद असुरक्षित हैं। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य लगातार अपराधों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जो प्रभावी कानून प्रवर्तन और जनता में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को उजागर करता है। नीतियों से आगे, असली चुनौती यह है कि मामलों की त्वरित सुनवाई हो और सबसे छोटे नागरिकों के लिए सार्थक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

ऑपरेशन सिंदूर में ...

और यह कहां और कैसे उपलब्ध है। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने कहा, जहां तक एलसीए एमके2 का सवाल है, मेरे हिसाब से, एलसीए एमके2 और एमके1ए का ही विस्तार है। दोनों एक ही श्रेणी के विमान हैं, लेकिन एमके2 ज्यादा हथियार ले जाने में सक्षम होगा। यह रेंज और सहनशक्ति के मामले में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाएगा। यह बड़े हथियार ले जाने में सक्षम होगा। इसलिए यह हमारी योजना में बहुत महत्वपूर्ण है। एसयू-57 के सवाल पर वायुसेना प्रमुख ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हमें सभी विकल्पों पर विचार करना होगा, और रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायु सेना में किसी भी हथियार प्रणाली को शामिल करने की एक निश्चित प्रक्रिया है, और उसी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इसलिए जो भी आएगा वह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन सी जरूरतें पूरी होती हैं और हमारे लिए क्या सबसे अच्छा है।

दूसरी तरफ, बीकानेर में भारतीय थलसेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। श्रीगंगानगर जिले के घड़साना के गांव 22 एमडी में आर्मी छावनी पहुंचे सेना प्रमुख ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे और कुछ इस तरह की कार्रवाई करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी जिंदगी से इस तरह से जुड़ गया है कि जब तक हम जीवित रहेंगे, तब तक यह हमारे साथ रहेगा। अगर पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे में (भूगोल में) अपनी जगह बनाए रखनी है, तो पाकिस्तान जो आतंकवाद को सरंक्षण दे रहा है, उसे अब आतंकवाद को रोकना पड़ेगा। सेना प्रमुख ने जवानों से कहा कि अब आप अपनी पूरी तैयारी करके रखें, अगर भगवान ने चाहा तो जल्द ही ये मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस देश की कोई भी महिला अपनी मांग में सिंदूर लगाती है तो उस समय वो भारतीय सेना के जवानों को याद करती है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बार आतंकवाद के खिलाफ जो ऑपरेशन सिंदूर किया गया है, पूरे ऑपरेशन का नाम एक ही रखा गया था, जबकि इससे पहले जो भी ऑपरेशन किए गए हैं, उनके नाम अलग-अलग हुआ करते थे।

सेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला होने के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, उस समय पूरा विश्व भारत के साथ जुड़ गया था। पूरे विश्व ने इस आतंकी हमले की निंदा की थी। उन्होंने कहा- भारत ने पाकिस्तान में 9 टारगेट हिट किए थे, इनमें से 7 आर्मी ने और 2 वायु सेना की ओर से हिट किए गए थे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यह भी कहा कि जिन आतंकी ठिकानों को भारत ने खत्म किया था, उनका सबूत भी पूरी दुनिया को दिखाया है। अगर भारत सबूत नहीं दिखाता तो पाकिस्तान इन सबको छुपा लेता। उन्होंने कहा कि इस बार भारत पूरी तैयारी के साथ है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में अच्छा काम करने वाले सेना के तीन अधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीएसएफ की 140वीं बटालियन के कमांडेंट प्रभाकर सिंह, राजपूताना राइफल्स के मेजर रितेश कुमार और हवलदार मोहित गैरा को सम्मानित किया गया।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद प्रायोजन बंद करना होगा, अन्यथा वह विश्व मानचित्र पर अपनी जगह खो सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और सैनिकों को भविष्य के लिए तैयार रहने को कहा। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे अपनी धरती पर आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। जनरल द्विवेदी ने सैनिकों को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत अब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाए गए संयम को दोहराएगा नहीं।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पूरी दुनिया को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के सबूत दिए। उन्होंने बताया कि यदि भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते, तो पाकिस्तान इन तथ्यों को छिपा लेता। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतर नौ लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें से सात सेना ने और दो वायुसेना ने नष्ट किए। जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य केवल आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि आम पाकिस्तानी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना।

सेना प्रमुख ने सैनिकों से पूरी तरह तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि अब अपने आप को पूरी तरह तैयार रखें, यदि भगवान ने चाहा, तो मौका जल्द आएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत इस बार पहले जैसा संयम नहीं दिखाएगा और ऐसी कार्रवाई करेगा, जो पाकिस्तान को अपनी स्थिति पर विचार करने के लिए मजबूर कर दे। सीमा के पास रहने वाले लोगों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत इन लोगों को आम नागरिकों के बजाय सैनिकों के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि वे हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध में खड़े हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आने वाला संघर्ष सिर्फ सेना का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। उन्होंने 1965 और 1971 के युद्धों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी आम नागरिकों ने सैनिकों का साथ दिया था।

सेना प्रमुख ने सीमा पर रहने वाली जनता के उत्साह की सराहना की और कहा कि उनका जोश सैनिकों का मनोबल बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि वे आगे भी हमारे साथ खड़े रहें। मैं उनकी भावना के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने भारत का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, क्योंकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को प्रायोजित किया जा रहा था।

पाकिस्तान...

इस दौरान रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी के भारत पर लगाए आरोपों पर कहा कि ये पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में नाकाम रही है और अपनी नाकामी छिपाने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ रही है। बेहतर होगा कि वे आत्मचिंतन करें और चटगांव हिल ट्रैक्ट्स में अल्पसंख्यकों पर हमलों और अवैध कब्जों की जांच कराएं।

अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में रणधीर जायसवाल ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को 9 से 16 अक्टूबर तक नई दिल्ली आने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से यात्रा की अनुमति मिली है। रणधीर जायसवाल ने इस दौरान कहा कि भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू करने पर वाणिज्यिक गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। यह दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने की दिशा में अहम कदम है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 3 अक्टूबर भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ की तारीख होती है। 2000 में यह साझेदारी बनी थी। उन्होंने कहा कि भारत-रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दोनों देश व्यापार, निवेश, रक्षा, विज्ञान और तकनीक जैसे हर क्षेत्र में रिश्तों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी देंगे ...

इसके अलावा, प्रधानमंत्री बिहार की मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना में बदलाव करके फिर से शुरू करेंगे। इसके तहत 5 लाख स्नातकों (ग्रैजुएट) को 2 साल तक हर महीने 1000 रुपए भत्ता मिलेगा। साथ ही, वह बिहार में जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगे। यह युवाओं को इंडस्ट्री के लायक शिक्षा देगा। वह बिहार के 4 विश्वविद्यालयों में नई शैक्षणिक और रिसर्च सुविधाओं की आधारशिला भी रखेंगे। पटना के पास बिहटा में एनआईटी पटना के नए कैंपस का उद्घाटन भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री देश भर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बने 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करेंगे। ये प्रयोगशालाएं नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में बनाई गई हैं।

टाटा और एयरबस...

दोनों को बल मिलेगा। एच125 हेलीकॉप्टर का सैन्य संस्करण एच125एम भी भारत में तैयार किया जाएगा, जिसमें उच्च स्तर के स्वदेशी पुर्जे शामिल होंगे। इसे पुराने चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों का आदर्श उत्तराधिकारी माना जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से भारत की आत्मनिर्भर पहल को नई ऊंचाई मिलेगी और भारतीय एविएशन सेक्टर वैश्विक स्तर पर एक बड़ी ताकत बनकर उभरेगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का इरादा एच125 हेलीकॉप्टरों की मैनुफैक्चरिंग और टेस्टिंग करने का है, जिसमें स्ट्रक्चरल मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स और कंपोनेंट को एक पूर्ण हेलीकॉप्टर में संयोजित करना, एकीकृत करना, परीक्षण करना और ग्राहकों को हेलीकॉप्टर की डिलीवरी से पहले जरूरी फाइनल उड़ान टेस्ट शामिल हैं। एच125 एफएएल टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की ओर से भारत में निर्मित दूसरा एयरबस विमान असेंबली प्लांट है, इससे पहले गुजरात के वडोदरा में सी295 मिलिट्री एयरक्राफ्ट मैनुक्चरिंग प्लांट था।

एच125 हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे भरोसेमंद हेलिकॉप्टरों में से एक है। यह ऊंचाई वाले और कठिन इलाकों में आसानी से उड़ान भर सकता है। इसने माउंट एवरेस्ट पर भी लैंडिंग की है, जो इसकी ताकत और तकनीक का सबूत है। इसका इस्तेमाल मेडिकल इमरजेंसी, राहत-बचाव, पुलिस, टूरिज्म और पैसेंजर ट्रांसपोर्ट जैसे कामों में किया जाता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स इस हेलिकॉप्टर के सभी पार्ट्स का असेंबली, टेस्टिंग और फाइनल उड़ान की जांच भारत में ही करेगा। पहले मेड इन इंडिया एच125 हेलिकॉप्टर की डिलीवरी 2027 की शुरुआत में होगी। इसके बाद इसे दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी निर्यात किया जाएगा।

भविष्य में इस हेलिकॉप्टर का मिलिट्री वर्जन एच125एम भी भारत में ही तैयार किया जाएगा, जिसमें देश में बने कंपोनेंट्स और तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल होगा। एयरबस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर जुर्गन वेस्टरमेयर ने कहा कि भारत हेलीकॉप्टरों के लिए एक आदर्श देश है। उन्होंने कहा कि मेड इन इंडिया हेलीकॉप्टर देश के निर्माण कार्यों में एक जरूरी टूल साबित होगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकर्ण सिंह ने कहा कि वे भारत की पहली निजी कंपनी बनकर खुश हैं जो हेलीकॉप्टर बनाएगी। इसका फायदा आम नागरिक और रक्षा जरूरतों दोनों को होगा। ये हेलीकॉप्टर बचाव कार्य, आपदा राहत, पर्यटन और कानून-व्यवस्था जैसे कामों में इस्तेमाल होंगे।

सत्ता छूटने की...

ने एक और ऐसा बयान दिया है जिसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की विदेशी यात्रा में भारत विरोधी बयान की एक लंबी सूची है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ऐसा पहली बार नहीं है कि राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर भारत विरोधी बयान दिया है। इससे पहले भी वे कई बार भारत विरोधी ऐसे ही बयान दे चुके हैं। 6 मार्च 2023 को लंदन के चैथम हाउस में उन्होंने सवाल किया था कि लोकतंत्र के समर्थक अमेरिका और यूरोप चुप क्यों हैं? इससे बड़ी और क्या बेइज्जती हो सकती है? उन्होंने विदेश की धरती से एक और ऐसा बयान दिया है, जिसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल गांधी में ऐसी कौन सी प्रतिभा है, जिसके लिए उन्हें विदेश विश्वविद्यालय बुलाते हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस में एक से एक बुद्धिमान लोग हैं, उन्हें क्यों नहीं बुलाया जाता? कांग्रेस में पी. चिदंबरम, अभिषेक मनु सिंघवी, शशि थरूर, मनीष तिवारी जैसे बुद्धिमान और अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ लोग मौजूद हैं। न तो जयराम रमेश और न ही सैम पित्रोदा, जो विदेश में रहते हैं और बुद्धिजीवी माने जाते हैं, उनको कभी नहीं बुलाया जाता। विदेशी विश्वविद्यालय सिर्फ राहुल गांधी को ही क्यों आमंत्रित करते हैं?

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, राहुल गांधी को भारत में किसी भी विश्वविद्यालय में नहीं बुलाया जाता है। यहां तक कि 2004 से 2014 तक जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तब भी उन्हें नहीं बुलाया गया। सवाल ये है कि भारत के बाहर ही उनको क्यों बुलाया जाता है। यह अपने आप में यक्ष प्रश्न है। उन्होंने इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों की भी आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करने की मानसिकता इतनी प्रबल हो गई है कि सच्चाई नजर ही नहीं आती। भाजपा नेता ने कहा, जिनकी आंखों में मोदी-ए-बिंदु है, उन्हें देश में हो रहा निर्माण दिखाई नहीं दे रहा है।

सुनफा योग वृष, कर्क और कन्या को करेगा मालामाल

आज यानी 4 अक्टूबर 2025, शनिवार के दिन सुनफा योग बनने जा रहा है। चंद्रमा कुंभ में और शनि चंद्रमा से दूसरे भाव भाव में रहेंगे। ऐसे में अलग-अलग राशियों के लिए इसके अलग-अलग प्रभाव देखने को मिलेंगे। वैदिक ज्योतिष में सुनफा योग को बहुत ही शुभ बताया गया है, लेकिन यह योग शनि, मंगल, राहु या केतु जैसे अशुभ ग्रहों से प्रभावित हो तो उस योग के शुभ फल पूर्ण रूप से नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में कल का दिन मिथुन, कर्क और तुला सहित कुछ राशियों के जीवन में धन संबंधी कठिनाइयां आ सकती हैं।

मेष : परिवार में कटुता बढ़ने की संभावना

मेष राशि के जातकों का दाम्पत्य या प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है। शाम के समय पारिवारिक माहौल में कटुता बढ़ने की संभावना है। इससे आपका मन थोड़ा तनावग्रस्त रह सकता है। आज आप घर में अपने प्रेम संबंधों का खुलासा कर सकते हैं। ऐसे में घर के कुछ सदस्य नाराज हो सकते हैं। पारिवारिक वातावरण का के पक्ष में नहीं दिख रहा है।

वृष : सहयोगियों की मदद मिलेगी

कामकाज को लेकर वृष राशि के जातकों का दिन ठीक ठाक ही गुजरता हुआ दिख रहा है। कार्यक्षेत्र से जुड़ी गतिविधियां आपके पक्ष में दिख रही हैं। साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है। नए कार्यों की योजना बन सकती है। आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक रहेगा।

मिथुन : कुछ खोने की स्थिति बन रही है

मिथुन राशि के जातकों के लिए परिस्थितियां आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी। अभी हालात आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि नए काम में हाथ डालने से पहले अपने जीवनसाथी से राय अवश्य ले लें। आज के दिन आपको कुछ पाने के लिए कुछ खोने की स्थिति बनती हुई दिख रही है। जल्दबाजी में उठाया गया कदम आर्थिक दबाव का कारण बनेगा।

कर्क : आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना

आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है। इस दौरान पुराने मित्रों से आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना है। आज के दिन आपको किसी की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। ऐसा करने से उसका लाभ आपको भी किसी न किसी रूप में मिल सकता है। आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक और कुछ हद तक लाभकारी साबित हो सकता है।

सिंह : थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है

सिंह राशि के जातक का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं। इसके लिए आपको पहले से ही तैयारी करनी होगी। आज के दिन कुछ अधूरे पड़े कार्य भी आपको पूरे करने पड़ सकते हैं। दोपहर के बाद आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। कार्यों को जल्दबाजी में निपटाने की कोशिश में कोई भूल हो सकती है।

कन्या : अटका हुआ पैसा मिल सकता है

आज के दिन आपके संकल्पित कार्य पूरे होंगे। किसी का एडमिशन कराना हो, यात्रा की व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन अटका हुआ पैसा भी आपको मिलता हुआ दिख रहा है। दिन भर धीरे-धीरे आपके कई कार्य निपटते चले जाएंगे।

तुला : धन खर्च की आज संभावना

तुला राशि वालों के लिए आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है। मित्रों या सहयोगियों के लिए कुछ धन खर्च करना पड़ेगा। परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों को संसाधनों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होगी। परिवार के साथ आपके रिश्ते थोड़े परेशान करने वाले बनते हुए दिख रहे हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से टकराव से बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक : देनदारियां चुकाने का मौका मिलेगा

वृश्चिक राशि के जातकों का दिन आर्थिक दृष्टि से सामान्य रहने वाला है बिजनेस या नौकरी में प्रगति के लिए आपको आज योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा। इसके बावजूद भी आपके कोष पर असर नहीं पड़ेगा। परिजनों की कुछ मांगों को आज आपको पूरी करनी पड़ेगी।

धनु : घर का वातावरण उदास रहेगा

धनु राशि वालों को परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है। इससे घर का वातावरण थोड़ा उदास रह सकता है। इस तनाव से बचने के लिए बेहतर होगा की आज किसी यात्रा या मनोरंजक गतिविधियों का प्लान बना लें। इस दौरान आपके लिए सार्वजनिक वाहन का उपयोग लाभकारी रहेगा।

मकर : आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत रहेगी

आज मकर राशि के जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी। योग, व्यायाम के सकारात्मक असर दिखाई देंगे। परिवार में संतान या छोटे सदस्यों की ओर से कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। वस्त्र या अन्य उपयोगी वस्तु का लाभ होगा। घर में रखी किसी खराब चीज को दोबारा उपयोग हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत रहेगी।

कुंभ : कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा

शनिवार का दिन कुंभ राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा। कठोर स्वभाव वाले व्यक्ति आज आपसे दूर ही रहेंगे। इससे काम का माहौल हल्का रहेगा। इस दौरान किसी सहकर्मी या वरिष्ठ की ओर से पार्टी का आयोजन मन को प्रसन्न कर देगा। कामकाज में प्रगति से आर्थिक लाभ होता दिख रहा है।

मीन : दांपत्य जीवन में परेशानी रहेगी

मीन राशि के जातकों का आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है। विपरीत हालातों से दबाव की स्थिति रह सकती है। हालांकि दांपत्य जीवन को लेकर थोड़ी परे-शानी दिख रही है। युवाओं को प्रेम संबंधों में शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी का भरोसा जीतना आज आपके लिए बेहद जरूरी होगा। आज के दिन कुछ जरूरी खर्चे हो सकते हैं। बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

अहोई अष्टमी व्रत 13 को

हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है। इसी दिन अहोई अष्टमी का व्रत रखा जाता है। माताएं इस दिन संतान की लंबी उम्र की कामना करती हैं। विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि अहोई अष्टमी व्रत करने से संतान को लंबी उम्र का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि अहोई अष्टमी 2025 कब है और क्या है इसका शुभ मुहूर्त।

इस साल अहोई अष्टमी का व्रत सोमवार, 13 अक्टूबर को पड़ रहा है। अष्टमी तिथि की शुरुआत 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12 बजकर 24 मिनट पर हो रही है।, जबकि 14 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजकर 09 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो रही है।

अहोई अष्टमी के लिए पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 05 बजकर 53 मिनट से लेकर 07 बजकर 08 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटे 15 मिनट तक रहेगा। तारों का दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम को 06 बजकर 28 मिनट से शुरू हो जाएगा। वहीं, चंद्रोदय का समय रात 11 बजकर 40 मिनट है। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है।

किसके लिए रखा जाता है व्रत?

अहोई अष्टमी का दिन दिवाली पूजा से लगभग आठ दिन पहले और करवा चौथ के चार दिन बाद आता है। करवा चौथ की ही तरह, अहोई अष्टमी का व्रत भी निर्जला रखा जाता है। करवा चौथ का व्रत पति की लम्बी आयु के लिए किया जाता है, तो अहोई अष्टमी संतान की लम्बी आयु के लिए रखा जाता है। उत्तर भारत में बड़े उत्साह के साथ इस व्रत को मनाया जाता है।

अहोई अष्टमी का महत्व इस दिन माताएं सुबह से ही निर्जल उपवास का संकल्प लेती हैं और पूरे दिन बिना भोजन व जल ग्रहण किए व्रत का पालन करती हैं। व्रत के दौरान महिलाएं सायंकाल माता अहोई की पूजा करती हैं और अर्घ्य अर्पित कर अपने बच्चों के दीर्घायू और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। निसंतान महिलाएं संतान सुख की प्राप्ति के लिए बी ये व्रत करती हैं।

अक्टूबर माह का पहला प्रदोष व्रत आज

शनिदेव दे रहे साढेसाती ढैय्या से बचने का डबल मौका

अक्टूबर का महीना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस महीने में दो प्रदोष व्रत होंगे। पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को है। और इस दिन शनिवार है। ऐसे में अक्टूबर का पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर को होगा। और सबसे बड़ी बात यह है कि यह प्रदोष व्रत शनिवार को होने से शनि प्रदोष व्रत कहलाएगा। लेकिन इसके साथ ही साथ शनिदेव श्रद्धालुओं को साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रतिकूल प्रभाव से बचने के लिए दूसरा मौका भी देंगे। तो आइए विस्तार से जानें अक्टूबर के प्रदोष व्रत की तिथि और मुहूर्त साथ ही जानें इनका महत्व।

अक्टूबर के महीने में पहला प्रदोष व्रत 4 अक्टूबर दिन शनिवार को है। पंचांग की गणना के अनुसार शाम 5 बजकर 10 मिनट से त्रयोदशी तिथि लग जाएगी। यह अक्टूबर महीने में शुक्ल पक्ष में लगने वाला प्रदोष व्रत होगा। इस व्रत में भगवान शिव की पूजा के साथ शनि महाराज की पूजा भी करनी चाहिए। साथ ही पीपल को जल देना चाहिए शाम के समय दीप दिखाना चाहिए। वैसे त्रयोदशी तिथि 5 अक्टूबर को शाम 3 बजकर 4 मिनट तक व्याप्त रहेगी। 4 अक्टूबर प्रदोष व्रत में पूजा का समय शाम 6 बजकर 10 मिनट से 7 बजकर 45 मिनट तक।

अक्टूबर का दूसरा प्रदोष व्रत है सबसे खास

अक्टूबर में दूसरा प्रदोष व्रत 18 अक्टूबर को है। यह भी शनिवार के दिन। यह प्रदोष व्रत कृष्ण पक्ष में किया जाएगा। 18 अक्टूबर को लगने वाला प्रदोष व्रत बेहद खास है क्योंकि इस दिन धनत्रयोदशी का भी संयोग बना है। यानी इस दिन प्रदोष व्रत करने से प्रदोष के साथ ही साथ धनतेरस व्रत का भी पुण्य प्राप्त होगा। इस दिन त्रयोदशी तिथि दिन में 12 बजकर 20 मिनट पर लगेगी। और त्रयोदशी तिथि 19 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 50 मिनट तक व्याप्त होगी। जबकि धनतेरस के दिन प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ समय शाम में 5 बजकर 50 मिनट से शाम 7 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

शनि प्रदोष व्रत में शनि शांति के उपाय

शनि प्रदोष व्रत के दिन यानी अक्टूबर महीने में 4 और 18 तारीख को शनि दोष की शांति के लिए कुछ उपाय जरूर आजमाकर देखना चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र के साथ शिव का दूध और जल से अभिषेक करें।

पीपल को जल दें और काले तिल अर्पित करें। एक तिल का दीपक पीपल को दिखाएं। शाम के समय एक दीप घर की छत पर या घर के बाहर निकाल कर रख दें।

भगवान शिव की पूजा करें और शिव चालीसा का पाठ करें साथ ही शनि स्तोत्र का पाठ पाठ करें।

किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन वस्त्र का दान भी जरूर करें।

मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं। एक सादे कागज पर 108 श्रीराम नाम लिखकर इसे आटे के साथ गूंथ लें। फिर इनकी गोलियों मछलियों के खिला दें।

6 हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमानजी को सिंदूर का चोला चढाएं।

रामायण कथा: रावण वध के बाद एक क्षण भी और देर कर देते हनुमान तो नहीं बच पाते भरत और प्रभु रामजी के प्राण

दशहरे के पर्व के बाद का दिन धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस दिन 'भरत मिलाप' का उत्सव मनाया जाता है। रामायण के अनुसार, लंका विजय के बाद जब प्रभु श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौट रहे थे, तब उनके भाई भरत अपने प्राण त्यागने जा रहे थे। तब भगवान राम ने हनुमान जी को भेजकर उनके प्राणों की रक्षा की।

जब प्रभु राम का राज्याभिषेक निश्चित हुआ, मंथरा की बातों में आकर कैकेयी दशरथ जी से दो वरदान मांगे। पहला वरदान था कि भरत को अयोध्या का राजा बनाया जाए और दूसरा यह कि भगवान राम को चौदह वर्ष का वनवास दिया जाए। दशरथ यह सुनकर व्याकुल हो उठे, परंतु राजधर्म और वचनबद्धता के कारण उन्हें कैकेयी की मांग स्वीकार करनी पड़ी।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए वनवास स्वीकार कर लिया। माता सीता और भाई लक्ष्मण ने भी उनके साथ वनवास जाने का निश्चय किया। उस समय अयोध्या नगरी शोक में डूब गई थी। दशरथ अपने प्राणप्रिय पुत्र को वन जाते नहीं देख पाए और विलाप करते-करते प्राण त्याग दिए।

उधर, भरत इस निर्णय से बेहद दुखी हुए। चित्रकूट जाकर भरत ने श्रीराम से अयोध्या वापस लौटने की प्रार्थना की थी, तो प्रभु राम ने पिता दशरथ को दिए वचन का हवाला दिया। उस समय भरत ने प्रभु श्री राम रे कहा कि अगर आपको वापस आने में चौदह वर्षों से एक दिन की भी देरी हुई तो मैं अपने प्राण त्याग दुंगा। उसके बाद प्रण लेकर उन्होंने नंदीग्राम में रहकर अयोध्या वासियों की सेवा करने का फैसला किया और सिंहासन पर श्री राम की खड़ाऊ रखकर राजकाज चलाते रहे।

समय बीतने के साथ जब वनवास की अवधि पूरी हुई तो भरत को विश्वास था कि प्रभु श्रीराम समय पर लौट आएंगे। लेकिन प्रभु राम को आने में देरी हो रही थी, भरत अपने वचन पर अडिग होकर प्राण त्यागने की तैयारी करने लगे। उधर, अयोध्या लौटते समय श्री राम केवट को दिए अपने वचन को पूरा करने के लिए उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान भगवान राम को लगा कि अयोध्या लौटने में विलंब हो सकता है। भरत अपने वचन पर अडिग रहने वाले हैं। ऐसे में उन्होंने पवन पुत्र हनुमान को आदेश दिया कि तुरंत भरत और अयोध्या वासियों को उनके आगमन की सूचना दें।

जब हनुमान जी अयोध्या पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि भरत अग्निकुंड के सामने खड़े होकर आत्मदाह की तैयारी कर रहे हैं। हनुमान जी ने तुरंत प्रभु राम का संदेश सुनाया । यह समाचार सुनते ही भरत की आंखों से अश्रुधारा बह निकली और उन्होंने अपने प्राण त्यागने का विचार त्याग दिया। कुछ ही समय बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता का भव्य स्वागत हुआ और भरत के साथ उनका मिलन हुआ।

यदि हनुमान जी थोड़ी भी देर कर देते तो भरत अपने प्राण त्याग देते और उनके वियोग में भगवान श्री राम भी अपने जीवन का त्याग कर देते। इसी कारण दशहरे के अगले दिन 'भरत मिलाप' का उत्सव मनाया जाता है। अयोध्या, काशी और उत्तर भारत के कई हिस्सों में यह परंपरा आज भी जीवित है।

मंगल गोचर से बनेगा रुचक राजयोग

जानें किन-किन राशियों का होगा मंगल की मंगल

मंगल का गोचर वृश्चिक राशि में हो रहा है। मंगल 27 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में होने जा रहा है। अपनी स्वराशि वृश्चिक में मंगल बेहद ही मजबूत स्थिति में रहेंगे। ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ग्रहों का सेनापति कहा गया है। मंगल एक अग्नि तत्व की राशि है। साथ ही पराक्रम का कारक ग्रह भी है। मंगल 27 अक्टूबर को दोपहर में 2 बजकर 44 मिनट पर वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसी के साथ मंगल के अपनी स्वराशि वृश्चिक में गोचर करने से रुचक राजयोग प्रभावशाली हो जाएगा। मंगल के गोचर करने से मिथुन, वृश्चिक सहित 5 राशियों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इन राशियों के आत्मविश्वास में भी काफी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

मिथुन राशि मूल्यवान वस्तु की करेंगे खरीद

मिथुन राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर उनके छठे भाव में होने जा रहा है। इस अवधि में आपको कोई मूल्यवान वस्तु मिल सकती है। यह गोचर आपको सुख समृद्धि दिलाने वाला रहेगा। मंगल का प्रभाव से आपको अच्छा धन लाभ मिल सकता है। मंगल का गोचर आपके लिए हर तरह से सहायक साबित होगा। सेहत की बात करें तो सामान्य तौर पर यह आपके लिए अच्छा ही रहेगा। इस अवधि में आप अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके मान सम्मान में भी जमकर वृद्धि होगी। आपकी आमदनी में काफी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

कन्या राशि के आत्मविश्वास में होगी बढ़ोतरी

मंगल का गोचर कन्या राशिवालों के तीसरे भाव में होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल का गोचर तीसरे भाव में बहुत ही अच्छा माना गया है। ऐसे में आपको बहुत ही अच्छा परिणाम मिलेंगे। मंगल आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगा। साथ ही आत्मविश्वास के साथ किए गए कार्यों से आपको अच्छा धन लाभ मिल सकता है। इस अवधि में आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। साथ ही आपके प्रभाव में भी वृद्धि होगी। साथ ही मंगल गोचर के कारण आपको अच्छा समाचार मिल सकता है। देखा जाए तो आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपके लिए यह गोचर बेहद फायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशि समझदारी से मिलेगी सफलता

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर आपके पहले भाव में होने जा रहा है। वैसे तो पहले भाव में मंगल का गोचर अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन, आपकी राशि पर बृहस्पति का प्रभाव होने के कारण मंगल के नकारात्मक प्रभाव में कमी आएगी। इस अवधि में आप समझदारी से काम करते हैं तो आपको सफलता मिलेगी। आपको धैर्य से अपने सभी काम करने होंगे तभी आपको सफलता मिल सकती है। इस दौरान अपने स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभलकर रहना होगा।

मकर राशि करीबी लोगों से मिलेगा सपोर्ट

मंगल का गोचर मकर राशि के लोगों के लाभ भाव में होने जा रहा है। इस भाव में मंगल की स्थिति बहुत ही अच्छी मानी गई है। ऐसे में मंगल का यह गोचर आमदनी में वृद्धि कराने वाला साबित होगा। बस आपके लिए बेहद जरूरी है कि आप अपने सभी काम पूरी ईमानदारी के साथ संपन्न करें। ऐसा करने से आपको अच्छा फायदा मिलेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को भी अच्छा लाभ मिलेगा। साथ ही नौकरीपेशा लोगों के लिए भी मंगल का गोचर करियर में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है। भाइयों से संबंधित मामलों में आपको अच्छा परिणाम मिलेंगे। आपको अपने करीबी लोगों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। साथ ही मित्रों से भी आपको अच्छा फायदा मिल सकता है।

मीन राशि बुद्धिमत्ता से पूरे करेंगे काम

मीन राशिवालों के लिए मंगल का गोचर उनके भाग्य भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मंगल का यह गोचर आपको मिलेजुले परिणाम देने वाला रहेगा राशि स्वामी बृहस्पति की दृष्टि होने के कारण आप अपनी सभी काम पूरी बुद्धिमत्ता के साथ पूरे करेंगे। अपने काम से आपको अच्छा फायदा मिल सकता है। आपको सलाह है कि अपने अनुभव का इस्तेमाल लाभ पाने के लिए करें। इस अवधि में आपको भाग्य का स्पोर्ट वैसे ही मिलता रहेगा जैसे पहले मिलता था। आपको सलाह है कि किसी विवाद में न पड़ें। अगर आपको कमर से संबंधित कोई परेशानी है तो उसे नजरअंदाज भूलकर भी न करें।

बिग बॉस 19: अशनूर कौर को लेकर हुआ विवाद आपस में भिड़े अमाल और अभिषेक

टीवी का मशहूर और विवादों से भरा रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' इस समय अपने जबरदस्त टास्क और ट्विस्ट की वजह से काफी चर्चा में है। इस शो में दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ ड्रामा, लड़ाई-झगड़े और जबरदस्त बहस देखने को मिलती हैं। इस बार भी शो के अंदर घरवालों के बीच बहस देखने को मिली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। जियो हॉटस्टार द्वारा जारी प्रोमो वीडियो में अभिषेक बजाज और अमाल मलिक के बीच तीखी बहस और झगड़ा होता हुआ नजर आ रही है। यह झगड़ा कैप्टेंसी टास्क के दौरान हुआ, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गाली-गलौच करने के साथ ही शारीरिक रूप से भी भिड़ गए। इस पूरे विवाद की वजह अशनूर कौर से जुड़ा एक कमेंट था। दरअसल, अमाल ने अशनूर के जरिए अभिषेक को कुछ ऐसा बोला, जिसे सुन वह उन पर भड़क उठे। दोनों के बीच हुई बहस इतनी तेज हो गई, कि घर के बाकी सदस्यों को उन्हें रोकना पड़ा। घरवालों की कई कोशिशों के बावजूद भी अभिषेक और अमाल की लड़ाई नहीं रुकी, और आखिर में बिग बॉस को टास्क ही रद्द करना पड़ा।

इस झगड़े की शुरुआत तब हुई जब अमाल मलिक ने अशनूर को लेकर अभिषेक पर एक तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा कि जब भी अभिषेक कुछ बोलते हैं, तो अशनूर को ऐसा लगता है जैसे वह भौंक रहा हो। इस बात से अभिषेक भड़क उठते हैं और शब्दों के जरिए उनके तंज का पलटवार करते हैं। इस बीच उनकी बीच की यह तकरार हाथापाई का रूप ले लेती है, जिससे घर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो जाता है।

बिग बॉस से जुड़े अन्य सोर्स के मुताबिक, इस लड़ाई के बाद बिग बॉस कैप्टेंसी टास्क को रोक देते हैं और उसी समय फरहाना भट्ट को एक हफ्ते के लिए कैप्टन बनाए जाने का फैसला लेते हैं।

चांदनी बार सीक्वल कास्टिंग: तृप्ति, शरवरी और अनन्या मानी जा रही हैं टॉप कंटेंडर्स

फिल्ममेकर मधुर भंडारकर की चांदनी बार, जो 2001 में रिलीज़ हुई थी, ने हाल ही में अपनी 24वीं वर्षगाँठ मनाई। इस मौके पर इसके सीक्वल का ऐलान किया गया है। समाज की कटु सच्चाइयों और मुंबई के डांस बार की ज़िंदगी को बिना किसी लाग-लपेट के दिखाने वाली इस क्लासिक फिल्म ने तब्बू को राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था और भारतीय सिनेमा को एक नया आयाम दिया था। अब चांदनी बार री-ओपन्स, जिसे संदीप सिंह प्रोड्यूस करेंगे और अजय बहल डायरेक्ट करेंगे, एक बार फिर उसी संवेदनशीलता के साथ शहर की कड़वी हकीकत को सामने लाने का वादा कर रही है। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस समय फिल्म की लीड कास्टिंग को लेकर है। यह किरदार, जिसे तब्बू ने आइकॉनिक मुमताज़ के रूप में निभाया था, अब किसे मिलेगा, यही सबसे बड़ा सवाल है। बताया जा रहा है कि तीन युवा और टैलेंटेड अभिनेत्रियाँ रेस में हैं, जिसमें शरवरी वाघ, अनन्या पांडे और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। इंडस्ट्री में बहस छिड़ी हुई है कि इस इमोशन-ड्रिवन रोल के लिए सही चेहरा कौन होगा। क्या यह गहन किरदार निभाने की क्षमता रखने वाली शरवरी वाघ को मिलेगा? या फिर मेकर्स एक फ्रेश और मॉडर्न अप्रोच के साथ अनन्या पांडे को चुनेंगे? वहीं, हाल ही में अपनी लोकप्रियता और दमदार अभिनय से पहचान बनाने वालीं तृप्ति डिमरी भी एक मज़बूत दावेदार मानी जा रही हैं।

यह कास्टिंग फिल्म की सफलता की कुँजी साबित हो सकती है, क्योंकि चुनी गई अभिनेत्री को न केवल ओरिजिनल फिल्म की विरासत को सम्मान देना होगा, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए कहानी को नए तरीके से गढ़ना भी होगा। फिल्म की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर जाएगी और साल के अंत तक रिलीज़ होने की संभावना है। ऐसे में, फैन्स और इंडस्ट्री की नज़रें इसी बात पर टिकी हैं कि चांदनी बार की यह मज़बूत विरासत किस नए चेहरे को सौंपी जाएगी।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं।

जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं।

शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म 'बंटी और बबली 2' से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे। उन्हें पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मुंज्या' के लिए भी जाना जाता है।

वह बहुत जल्द फिल्म 'अल्फा' में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

करीना कपूर ने साझा की अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें, कहा

पहले का फैशन था बिना टेंशन वाला

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फैंस के साथ शेयर की है। यह तस्वीर 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ पहली पंक्ति में बैठी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में वह सिंपल लुक में नजर आ रही हैं, जैसे वह किसी घर की पार्टी में गई हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जब हम अपनी पोलो नेक और जैकेट पहनते थे और आराम से बैठकर अभिनेताओं को अपनी ब्लैक लेडी (अवॉर्ड) का स्वागत करते देखते थे।

उन्होंने इसके जरिए यह बताया कि तब के दौर में फैशन कितना सरल और सहज हुआ करता था। आज तो एक स्टार के लुक के लिए पूरी टीम होती है, क्या पहनना है और क्या नहीं, इसकी प्लानिंग कई दिनों पहले से ही की जाती है। तब महंगे स्टाइलिश और डिजाइनर आउटफिट्स का जमाना नहीं था।इसमें उन्होंने अपनी बहन करिश्मा कपूर की फिल्म का गाना 'आए हो मेरी जिंदगी में' भी लगाया है। इस फोटो की खास बात यह है कि इसमें अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे बैठे दिख रहे हैं। उन दोनों ने भी पारंपरिक भारतीय कपड़े पहने हुए हैं।

करीना की इस पोस्ट ने फैंस को उन दिनों की याद दिला दी जब करीना कपूर और अक्षय खन्ना की जोड़ी हलचल फिल्म में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान अब अपनी आने वाली फिल्म दायरा में शूटिंग में जुटी हैं। इसे मशहूर फिल्म निर्माता मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी को साथ काम करने को लेकर फैंस अभी से ही बहुत उत्साहित हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इसमें फिल्म के कुछ अहम सीन्स को फिल्माते हुए अभिनेत्री को देखा गया था। इस फिल्म में करीना के अलावा अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। 'दायरा' एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

अभिनेता वरुण तेज अपने बेटे का नाम वायुव तेज कोनिडेला रखा

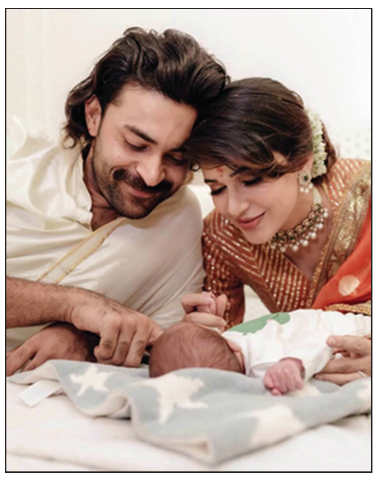

लोकप्रिय तेलुगु अभिनेता वरुण तेज कोनिडेला और लावण्या त्रिपाठी हाल ही में पेरेंट्स बने थे। कपल ने गुरुवार को विजयदशमी के शुभ अवसर पर बताया कि उनके बेटे का नाम क्या होगा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अपने बेटे का नाम वायुव तेज कोनिडेला रखा है। वरुण तेज ने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, हमारे सबसे बड़े आशीर्वाद का अब एक नाम है। इसके साथ उन्होंने तीन सफेद हार्ट वाली इमोजी भी शेयर की हैं। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें बेटे के नाम का मतलब भी बताया गया है। इसमें लिखा है, हम अपने प्यारे बेटे वायुव तेज कोनिडेला का परिचय कराते हैं, एक ऐसा नाम जो अजेय शक्ति, भक्ति, साहस और आध्यात्मिक तेज का प्रतीक है। इसमें भगवान हनुमान की आत्मा समाहित है। इस वीडियो के साथ ही कपल ने दो तस्वीरें भी शेयर की हैं। इनमें वरुण और लावण्या बेटे पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। बेटे के नामकरण समारोह के लिए लावण्या ने केसरिया रंग की साड़ी पहनी थी। वहीं वरुण तेज ने क्रीम कलर का कुर्ता पहना था। तस्वीरों में वे दोनों अपने बेटे के साथ खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि अभिनेता वरुण तेज और लावण्या ने 1 नवंबर 2023 को इटली में शादी की थी। वरुण और लावण्या की पहली मुलाकात तेलुगु फिल्म 'मिस्टर' के सेट पर हुई थी। कई दिनों की दोस्ती के बाद वे रिलेशनशिप में आ गए। पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने शादी की थी।

इसी साल 10 सितंबर को वरुण तेज के बेटे का जन्म हुआ। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। इसके बाद उनके फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई और वे सोशल मीडिया पर ही उन्हें बधाई देने लगे। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि वरुण तेज, मेगास्टार चिरंजीवी के छोटे भाई नागेंद्र बाबू के बेटे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस–पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है– ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार–मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 05:11 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 09:10 तक
योग : शूल रात्रि 07:26 तक
करण : बालव सायं 05:11 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58,सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत, पंचक चालू है , एकनाथ द्वादशी , भारतीय अखंडता दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित शहरी सेवा शिविर बने सुशासन की मिसाल

जयपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'सेवा पखवाड़े' के तहत प्रदेश भर में आयोजित हुए शहरी सेवा शिविरों में आम जन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की गई। प्रदेश में 17 सितम्बर से आयोजित इन शिविरों के माध्यम से शहर में रहने वाले नागरिकों के जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीकरण, पट्टे, नामान्तरण, ट्रेड लाइसेंस एवं ऋण स्वीकृति जैसे कार्य त्वरित और पारदर्शी रूप से पूरे किए गए। साथ ही सड़कों, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत, तथा सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण व लाइटें लगाने आदि जैसे जनउपयोगी कार्य भी प्राथमिकता से किये गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अन्त्योदय की संकल्पना के तहत शुरू किए गए इन शिविरों में मौके पर ही आमजन की समस्याओं का समाधान कर राहत दी गई। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी आमजन को दिया गया।

शहरी शिविरों के माध्यम से अब तक कुल 11 हजार 156 पट्टे जारी किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 74 हजार 664 पेंशनर्स सत्यापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 10 हजार 558 कचरा संभावित केन्द्रों का उन्मूलन, 2 हजार 876 व्यक्तिगत घरेलु शौचालय का निर्माण, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत एक हजार 131 ऋण स्वीकृति, दो हजार से अधिक पौषण किटों का वितरण भी किया गया है। शहरी सेवा शिविरों में किए जा रहे इन जनहितैषी कार्यों से शहरी नागरिकों में विश्वास का वातावरण बना है।

मुख्यमंत्री का संकल्प है कि हर प्रदेशवासी को स्वास्थ्य सुविधाए सहजता से उपलब्ध हो, इसी के तहत शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से नगरवासियों की दहलीज तक स्वास्थ्य सेवाए पहुंचाई गईं। अब तक शहरी सेवा शिविरों में 55 हजार 696 व्यक्तियों की टीबी रोग की स्क्रीनिंग की गयी है और कुल एक लाख 49 हजार 360 व्यक्तियों का उपचार किया जा चुका है। इन शिविरों में अब तक 4 हजार 759 निक्षय मित्र भी बनाये गए हैं।

सेवा शिविरों में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र तक सुनिश्चित किया जा रहा है। शहरी शिविरों में अब तक 7 हजार 894 बच्चों का पालनहार योजना में नवीनीकरण, जनाधार में 2 हजार 706 नवीन परिवारों का नामांकन, मांगपत्र जमा होने वाले एक हजार 367 व्यक्तियों को बिजली कनेक्शन देने का काम किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे सेवा शिविरों से विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में कुल 54 हजार 593 जन्म, मृत्यु एवं विवाह के पंजीयन, एनएफएसए पोर्टल पर लंबित 6 हजार 903 प्रकरणों का निस्तारण भी अब तक किया जा चुका है। 10 हजार 789 नई स्ट्रीट लाइट्स भी शहरों में लगाई गयी हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी के भजनलाल शर्मा ने किए अंतिम दर्शन

भरतपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई देने के लिए आज हजारों की संख्या में लोग उनके पैतृक गांव बिडयारी बयाना पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी गांव बिडयारी पहुंचे और पार्थिव देह के दर्शन कर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी भी पहुंचे थे।

गिर्राज प्रसाद तिवारी का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके निधन से क्षेत्र और पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उनकी अंतिम यात्रा कचहरी से श्मशान घाट तक निकाली जाएगी। अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल होंगे। गांव बिडयारी में सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ी हुई है। आमजन के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन कर रहे हैं।

नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ : गौतम कुमार दक

जयपुर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य में नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान करने से लेकर स्वीकृति जारी करने तक के कार्य ऑनलाइन रूप से ही संपादित होंगे। इससे नवीन समितियों के गठन में तेजी आएगी तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दक ने बताया कि नवीन पैक्स गठन किये जाने के लिए सर्वप्रथम इकाई अधिकारी द्वारा निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान किए जाते हैं, जिसके बाद निरीक्षक संबंधित क्षेत्र में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यह रिपोर्ट नवीन पैक्स के गठन के प्रस्ताव के साथ प्रधान कार्यालय को भेजी जाती है, जहां से समिति गठन की स्वीकृति जारी की जाती है। यह कार्य अब तक मैनुअल रूप से होने के कारण कई बार समिति गठन की प्रक्रिया में विलम्ब होता है। अब नई ऑनलाइन व्यवस्था शुरु होने से नई समितियों का गठन तेजी से हो सकेगा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि सहकारिता विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग से समन्वय कर इसके लिए जीएसएस मॉड्यूल तैयार किया गया है, जो राज सहकार पोर्टल पर शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों एवं निरीक्षकों की सुविधा के लिए यूजर मैनुअल भी तैयार किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स का गठन भी अभियान की एक प्रमुख गतिविधि है। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति में सहायता मिलेगी।

दक ने बताया कि कामकाज में तेजी लाने के लिए विभाग से जुड़े सभी कार्य चरणबद्ध रूप से ऑनलाइन किए जा रहे हैं। हाल ही में सहकारी समितियों की सदस्यता ग्रहण करने के लिए भी ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है। सहकारिता के खुली सदस्यता के सिद्धान्त के अंतर्गत अठारह वर्ष या अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति जो संबंधित सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र का निवासी हो, एसएसओ आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकता है।

लालसोट में कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध भंडारण पर छापा

लालसोट, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

उपखंड के डीडवाना ग्राम में कृषि विभाग की टीम ने खाद के अवैध भंडारण पर बड़ी कारवाई की है। कृषि विभाग के अधिकारियों को खाद के अवैध भंडारण की सूचना मिली जिसके आधार पर सहायक कृषि निदेशक अशोक मीणा की अगवाई में कृषि विभाग की टीम ने डीडवाना पहुंचकर पीली का खान के पास स्थित गोगदाम पर छापा मारा । इधर टीम की छापामारी की कार्रवाई की सूचना मिलने पर अवैध भंडारण में शामिल लोग मौके से भाग छूटे। मौके पर पहुंची टीम ने गोदाम में डीएपी खाद का रॉ मैमैटेरिय खुला पड़ा हुआ पाया। वहीं दूसरी तरफ ipl लिखे हुए खाद के भरे कट्टे पाए गए।मौके पर कट्टो को पैक करने वाली मशीन पाई गई। सहायक निदेशक ने मौके पर मिली खाद को नकली होने का अंदेशा बताते हुए कहा कि खाद का सैंपल ले लिया है। सैंपलों की लेबोरेटरी से जांच होने के बाद ही खुलासा होगा कि खाद नकली है या नहीं। खुली पड़ी खाद डीएपी को आईपीएल कंपनी के कट्टों में भरकर किसानों को ठगने की तैयारी की जा रही थी।मगर धरपकड़ की कारवाई में मौके से लोग भाग छूटे।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 200 कट्टे डीएपी खाद से भरे और एक पैकिंग मशीन बरामद हुई। तथा 200 कट्टो के बराबर ही खुला मैटीरियल जब्त कर लिया है।सहायक कृषि अधिकारी चरत लाल मीणा ने बताया कि खाद को जब्त कर लिया है तथा डीडवाना ग्राम सेवा सहकारी समिति के गोदाम में रखवा दिया गया है उसके बाद ही तथ्यात्मक खुलासा होगा। कृषि विभाग की इस कार्यवाही से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

मायिक की आराधना हमेशा मंगलकारी,प्रतिदिन एक सामायिक अवश्य करें : पद्मकीर्तिजी

भीलवाड़ा, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

हमारा स्वभाव कभी नहीं बदलता ओर स्वभाव से ही व्यक्ति के गुणों की पहचान होती है। व्यक्ति का स्वभाव अच्छा होता है तो सभी उसे पसंद करते है ओर स्वभाव सही नहीं हो तो लोग दूरी बनाने लगते है। परमात्मा की वाणी हमेशा मीठी ही लगती है। परमात्मा की कृपा पाने के लिए प्रतिदिन एक सामायिक अवश्य करनी चाहिए इससे पूरा दिन अच्छा निकलेगा। सामायिक की आराधना हमेशा मंगलकारी होती है। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. की सुशिष्या वास्तुशिल्पी डॉ. पद्मकीर्तिजी म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में शुक्रवार को नवपद आराधना के तहत श्रीपाल चरित्र

का वाचन करते हुए धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने श्रीपाल चरित्र के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि श्रद्धा व भक्ति भाव से नवपद का स्मरण करने से हर कार्य पूर्ण हो जाता है। पुण्यवान पुरूष के साथ परमात्मा का नाम व नवपद हमेशा रहता है। नवपद में आस्था रखने वाले के जीवन से मुश्किलों का अंत होकर खुशियों का आगमन होता है। धर्मसभा में स्वर साम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने प्रेरणादायी भजन की प्रस्तुति दी। उन्होंने उपाध्याय प्रवर कस्तुरचंदजी म.सा. के सुशिष्य कांतिमुनिजी के संथारापूर्वक देवलोकगमन पर भावांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन जिनशासन की सेवा के लिए समर्पित रहा। धर्मसभा में पूज्य कांतिमुनिजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए साध्वी मण्डल ने चार लोगस्स का जाप कराया।

दलित–आदिवासी समाज भाजपा राज में सबसे असुरक्षित : सैलजा

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि दलित और आदिवासी समाज पर हो रहे अपराधों की ताज़ा एनसीआरबी रिपोर्ट भाजपा शासन की नाकामी और संवेदनहीनता का जीता–जागता सबूत है। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के संवैधानिक मूल्यों पर सीधा आघात है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि वर्ष 2022 की तुलना में 2023 में दलित समाज पर अपराध बढ़कर 57,789 तक पहुंच गए हैं, यानी हर दिन औसतन 158 दलितों पर अत्याचार दर्ज हो रहे हैं। यही नहीं, आदिवासी समाज के खिलाफ अपराधों में भी लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ये आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि भाजपा के राज में दलित और आदिवासी समाज सबसे अधिक असुरक्षित हो चुका है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। भाजपा सरकार न तो अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर पा रही है और न ही पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में गंभीर दिखाई देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का सबका साथ, सबका विकास का नारा खोखला साबित हुआ है और जमीनी हकीकत यह है कि दलित और आदिवासी समाज को लगातार प्रताड़ना, अन्याय और भेदभाव झेलना पड़ रहा है।

स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए जन भागीदारी जरूरी : बड़ौली

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने गांधी जयंती के अवसर पर सोनीपत में गांधी चौक पर स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा की साफ–सफाई की और झाड़ू लगाकर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है।

बरकत ढाबे के कारीगर की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

यमुनानगर, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

यमुनानगर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बरकत ढाबे के कारीगर की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह स्कूटी पर सवार होकर अपने काम पर जा रहा था। संत निश्चल सिंह स्कूल के सामने ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतक मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल का रहने वाला था और लंबे समय से यमुनानगर में रहकर बरकत ढाबे पर कारीगर का काम करता था। रोजाना की तरह गुरुवार सुबह भी वह घर से तैयार होकर ढाबे पर जाने के लिए स्कूटी से निकला था। जैसे ही वह संत निश्चल सिंह स्कूल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक ट्रैक्टर–ट्राली ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सहित वह बुजुर्ग ट्रॉली के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। वहीं, ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कूल के पास अक्सर भारी वाहन तेज रफ्तार में निकलते हैं, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की

चंडीगढ़, 03 अक्टुबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और उनकी पत्नी मित्रा घोष ने गुरुवार को राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक विशेष सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि हम अपने देश की दो महान विभूतियों – राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और दूरदर्शी नेता एवं भारत रत्न से सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाने के लिए गहरी श्रद्धा और गर्व के साथ राजभवन में एकत्रित हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और नैतिक साहस की शक्ति का प्रमाण है। उनके सत्याग्रह ने दुनिया को सिखाया कि शांतिपूर्ण तरीकों से परिवर्तन लाया जा सकता है और चरित्र की शक्ति, हथियारों की ताकत से ज़्यादा मायने रखती है। उन्होंने देश भर में अत्याचारी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनता को संगठित किया। मतभेदों से विभाजित इस दुनिया में, सहिष्णुता, सद्भाव और एकता का उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान था।

उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी ने चुनौतीपूर्ण समय में सादगी, निष्ठा और साहस के साथ हमारे देश का नेतृत्व किया। 1965 के युद्ध के दौरान उनका नारा जय जवान, जय किसान हमारे देश के किसानों और सैनिकों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय लचीलेपन के महत्व पर प्रकाश डालता है। शास्त्री जी का नेतृत्व विनम्रता, दृढ़ता और जन सेवा के प्रति अटूट समर्पण से चिह्नित था।

राज्यपाल ने कहा, इन महान नेताओं को याद करते हुए, आइए हम उनके द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों पर विचार करें। आइए हम सत्य, ईमानदारी, सादगी और राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करें। उनकी विरासत का सम्मान करते हुए, हमें विविधता में एकता, सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति की भावना को भी अपनाना चाहिए, जो भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार स्तंभ हैं।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने सभी से हमारे राष्ट्र की भलाई, विश्व में शांति और महात्मा गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा पोषित न्याय, करुणा और सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने की शक्ति के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया। हम उनके सिद्धांतों के प्रति समर्पण, साहस और अटूट विश्वास के साथ उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

शुभ लाभ DAILY

पाकिस्तान को वोट बैंक के तौर पर देखती है कांग्रेस: गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। कहा कि जब किसी पार्टी का नेता, जैसे राहुल गांधी, शहरी नक्सली जैसी भाषा और व्यवहार अपनाता है, तो यह स्वाभाविक है कि उस पार्टी के अन्य नेता भी वैसी ही बातें करेंगे। उन्होंने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चिदंबरम साहब ने जो कहा, वो बहुत देर से कहा। उन्होंने माना कि मनमोहन सिंह की सरकार एक कमजोर सरकार थी, उसमें इच्छाशक्ति की कमी थी। और यह इच्छाशक्ति की कमी इसलिए थी क्योंकि कांग्रेस पाकिस्तान को एक वोट बैंक के तौर पर देखती है।

गिरिराज सिंह ने आगे सवाल उठाया कि मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि देश बड़ा है, पार्टी बड़ी है या वोट बड़ा है? यूपीए सरकार अल्पमत में नहीं थी, फिर भी उसमें इच्छाशक्ति की कमी थी। इसलिए शाहबानो केस में कांग्रेस ने घुटना टेक दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करते हुए कहा कि अगर उस समय मोदी प्रधानमंत्री होते, तो पाकिस्तान पर जो कार्रवाई आज 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए की गई है, शायद वही कार्रवाई उस समय ही कर दी जाती। तब शायद आज 'ऑपरेशन सिंदूर' की ज़रूरत ही नहीं पड़ती।

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार के गृह मंत्री पी.चिदंबरम ने सिर्फ 16 साल के बाद ये स्वीकारा है कि मुंबई के नृशंस 26फ11 हमले के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने के पक्ष में थे लेकिन उस समय के विदेश विभाग ने उन्हें रोक दिया और मनमोहन सिंह खामोश रहे।

कितनी कमजोर सरकार थी, भारतीय मारे गए और कोई आंतरिक मजबूती नहीं। सोनिया गांधी कहां थीं? चलती तो उन्हीं की थी जैसे अभी राहुल गांधी की चलती है...क्या राहुल गांधी कुछ बोलेंगे?... इतनी बड़ी त्रासदी हुई, जिसे पी.चिदंबरम ने स्वीकारा है, राहुल गांधी कुछ तो बोलिए।

दरअसल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले को लेकर कहा था कि 2008 के हमले के बाद तात्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर विचार किया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव, खासकर तब की अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलिजा राइस की अपील के चलते भारत ने युद्ध का विचार त्याग दिया था।

चिदंबरम ने कहा, मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था और मैंने प्रधानमंत्री से भी इस पर चर्चा की थी। लेकिन विदेश मंत्रालय और भारतीय विदेश सेवा की सलाह के आधार पर सरकार ने जवाब नहीं देने का निर्णय लिया।

तेजस्वी यादव के साथ कृष्ण-अर्जुन वाले रिश्ते को तेज प्रताप यादव का राम-राम!

इज्जत नहीं तो कुछ नहीं

पटना (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव कभी कहा करते थे कि तेजस्वी यादव कृष्ण हैं और वो उनके अर्जुन। लेकिन पार्टी से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने असल बात कह दी। अब उन्होंने कृष्ण-अर्जुन वाले रिश्ते को किनारे कर दिया है। खुले तौर पर उन्होंने ऐसा तो नहीं कहा लेकिन अब उनकी 'महाभारत' बदल गई है 'रामायण' में।

बिहार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कहा है कि उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव को उनके प्रति वही सम्मान दिखाना चाहिए, जैसा भगवान राम को लक्ष्मण से मिला था।

राजद से निष्कासित हसनपुर के विधायक तेज प्रताप से जब उस आरोप पर सवाल पूछा गया कि राजद में रहते हुए वे अपने करीबी समर्थकों को बागी उम्मीदवार के रूप में खड़ा कराते थे। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तेजप्रताप ने कहा, 'छोटे भाई होने के नाते उन्हें मर्यादा का पालन करना चाहिए, जैसे लक्ष्मण ने राम के मामले में किया था। वह ऐसे लोगों के बहकावे में आ रहे हैं, जो जयचंद जैसे हैं।'

राजद में रहते हुए तेज प्रताप का टकराव तेजस्वी के करीबी सहयोगियों से अक्सर होता रहा है, जिनमें राज्यसभा सदस्य संजय यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप अक्सर उनकी जयचंद से तुलना करते रहे हैंङ्कवही मध्यकालीन हिंदू शासक, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने प्रतिद्वंद्वी पृथ्वीराज चौहान से बदला लेने के लिए अफगान आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी की मदद की थी।

तेज प्रताप ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह वही सीट है, जो तेजस्वी यादव के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से सटी हुई है और जहां से उन्होंने वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में पदार्पण किया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, 'आरएसएस की स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं थी। हम महात्मा गांधी के अनुयायी हैं।' वहीं आई लव मोहम्मद विवाद पर तेज प्रताप ने कहा, 'मेरे पास कुरान शरीफ की प्रति है। मैं पैगंबर का बहुत सम्मान करता हूं। जो लोग विवाद खड़ा कर रहे हैं, वे केवल माहौल खराब कर रहे हैं।

किशनगंज में चमत्कार : 3 साल के मासूम ने मां की बचाई जान

किशनगंज (एजेंसियां)। बिगार में किशनगंज के सौदागर पट्टी स्थित पुष्पांजलि कपड़े की दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरे में एक अविश्वसनीय घटना कैद हुई है, जिसे लोग चमत्कार मान रहे हैं। यह घटना गुरुवार दोपहर की है, जब एक तीन वर्षीय बच्चा अपनी मां के साथ दुकान के बाहर खड़ा था।

बच्चा पूरी मासूमियत से इधर-उधर देख रहा था, तभी उसकी नज़र ऊपर लटक रहे 11 हजार वोल्ट के बिजली के तारों पर पड़ी। शायद उस छोटे बच्चे को किसी खतरे का अंदाजा हो गया। बिना एक पल की देरी किए, उसने तुरंत अपनी मां का हाथ कसकर पकड़ा और उन्हें खींचकर दुकान के दरवाजे की ओर ले गया।

जैसे ही वे दोनों सुरक्षित रूप से दरवाजे के अंदर पहुंचे, ठीक उसी क्षण ऊपर से वह हाई-वोल्टेज बिजली का तार टूटकर धड़ाम से नीचे गिर पड़ा। बिजली तार गिरने के कुछ क्षण बाद सभी बाहर आकर देखने लगे और तब जाकर उन्हें पूरी बात की जानकारी मिली।

यह एक ऐसा पल था, जहां मामूली चूक भी भयानक दुर्घटना का कारण बन सकती थी। यदि बच्चे ने अपनी मां को तुरंत अंदर नहीं खींचा होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था और दोनों की जान को खतरा था।

इस मासूम बच्चे की सूझबूझ और तेज प्रतिक्रिया ने न केवल अपनी, बल्कि अपनी मां की भी जान बचा ली। स्थानीय लोग इस घटना को देखकर हैरान हैं और इसे किसी ईश्वरीय चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। यह घटना पुरानी कहावत को सच साबित करती है: 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोई।' बच्चे की यह त्वरित बुद्धिमानी हमेशा याद रखी जाएगी।

बिहार में मूसलाधार बारिश का कहर: कई जिलों में रेड अलर्ट जारी, 7 अक्टूबर तक राहत नहीं

पटना (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के कारण बिहार में गुरुवार से मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश ने कई जिलों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पिछले 24 घंटों में बरौनी में सबसे अधिक 160.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सीतामढ़ी और पटना जैसे ज़िले इस भारी बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

मौसम विज्ञान विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका को देखते हुए कई ज़िलों के लिए अलर्ट जारी किए हैं। 3 अक्टूबर के लिए पश्चिम चंपारण, कैमूर और गया में अत्यंत भारी बारिश को रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि आज 3 अक्टूबर के लिए पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, रोहतास, औरंगाबाद और नवादा में अति भारी बारिश की चेतावनी के ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अन्य प्रभावित जिले सीतामढ़ी, शिवहर, सारण, बक्सर, भोजपुर, जहानाबाद, शेखपुरा, जमुई और बांका में भी भारी बारिश की आशंका है, जिसमें पटना और बाकी जिले भी शामिल हैं। 4 अक्टूबर के लिए पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीतामढ़ी और शिवहर में अत्यंत भारी बारिश की आशंका को साथ रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि 4 अक्टूबर को सिवान, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में अति भारी बारिश की संभावना है। 5 अक्टूबर को भी पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, भागलपुर, बांका और जमुई में अति भारी बारिश का अनुमान है। 6 और 7 अक्टूबर को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और शिवहर में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, बिहार के विभिन्न हिस्सों में 7 अक्टूबर तक मध्यम से भारी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। कुछ जगहों पर अति भारी और इक्का-दुक्का स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाओं और वज्रपात (बिजली गिरने) का भी खतरा बना हुआ है, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका बढ़ गई है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर ठहरने की अपील की है।

पटना में पिता और दो बेटों की संदिग्ध मौत

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सिगोड़ी थाना क्षेत्र के करहरा गांव में एक ही परिवार के पिता व दो पुत्रों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लो-गों ने आशंका जताई है कि तीनों की मौत जहरीला खाना खाने की वजह से हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही सिगोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

बताया जाता है कि गुरुवार की रात तीनों लोग दुर्गा पूजा के मेला में घूमने के बाद घर लौटे थे। रात में भोजन करने के बाद सभी सो गए। देर रात अचानक तीनों को पेट दर्द की शिकायत हुई। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मरने वालों की पहचान गया जिले मंझार गांव निवासी नीरज साव (35 वर्ष) और उनके दो पुत्र निर्मल कुमार (8 वर्ष) व निर्भय कुमार (4 वर्ष) के रूप में हुई है। नीरज साव अपने ससुराल करहरा गांव में काफी समय से परिवार के साथ रहता था। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम छा गया। आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार की मौत, एक गंभीर

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया में भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक युवक की हालत गंभीर है। पांचों लोग कसबा में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने चार युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल का इलाज पूर्णिया जीएमसीएच में चल रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कटिहार जोगबनी रेलखंड के कसबा जबनपुर के पास शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे वंदे भारत ट्रेन के चपेट में आने से पांच लोग कट गए। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने या भागने का कोई मौका नहीं मिला। पांच लोगों को बुरी तरह चपेट में। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चार लोगों के शव क्षत-विक्षत अवस्था में ट्रैक पर पड़े मिले। घटना के तुरंत बाद इलाके में चीख-पुकार और कोहराम मच गया।

हादसे में जान गंवाने वाले किसी भी मृतक की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतीत हो रहा है कि पांचों युवक दुर्गापूजा का मेला देखकर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है।

पुलिस के लिए यह एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। गंभीर रूप से घायल एकमात्र व्यक्ति को आननफानन में पूर्णिया मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर्स की टीम उसकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश कर रही है, लेकिन हालत चिंताजनक बनी हुई है।

बेगूसराय में किशोरी के साथ बलात्कार के बाद हत्या, आक्रोशित लोगों ने उठाई फॉरेंसिक जांच की मांग

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय जिले में लगभग 13 वर्षीय किशोरी के साथ बलात्कार के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। किशोरी का शव पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के नवनिर्मित व्यवसायिक परिसर के पीछे चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के अर्जुन टोल बरकुरबा में पानी में तैरता हुआ पाया गया। शव अर्धनग्न अवस्था में था।

जानकारी के अनुसार, यह घटना थाना क्षेत्र के श्रीपुर पंचायत अंतर्गत अर्जुन टोल गांव की है। मृतक किशोरी की पहचान इसी पंचायत के बढ़कुरवा निवासी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के इलाके से सैंकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। मंझौल एसडीपी-ओ नवीन कुमार और थानाध्यक्ष सुबोध कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। स्थानीय लोग फॉरेंसिक जांच टीम और डॉग स्क्वायड बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं और जांच पूरी होने तक शव को पोखर से निकालने नहीं दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच-पड़ताल की बात कही है। वहीं, फॉरेंसिक जांच टीम का स्थल पर सुबह 07 बजे से पहुंचना तय है, और ग्रामीण एवं पुलिस पदाधिकारी उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस लगातार आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत करने का प्रयास कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com